प्रकाशन का सफलतम 18 वां वर्ष

सुविचार

मनुष्य अपने कार्यों के माध्यम से ही महान बनता है।

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➤ दिल्ली ➤ देवघर से प्रकाशित

www.purvanchalsurya.com

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

10

वर्ष - 18 | अंक 272 | दैनिक | रांची | शुक्रवार 16 मई 2025 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 3.00

पेसा नियमावली पर राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। पेसा अधिनियम पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का राजधानी रांची में आयोजन किया गया। मंत्री रामदास सोरेन, मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, प्रधान सचिव, पंचायती राज विभाग विनय कुमार चौबे एवं पूर्व अपर सचिव, राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के. राजू की उपस्थिति में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में झारखंड विधान सभा के सदस्य गण, राज्य सरकार के वरीय पदाधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से निर्वाचित प्रतिनिधियों, गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और समाज के अगुआ, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं अन्य विशेष प्रतिनिधि शामिल हुए। इस कार्यशाला में पेसा नियमावली पर पैनल में शामिल सभी विशेषज्ञों ने अपने विचार और सुझाव रखे, ताकि इसे बेहतर तरीके से लागू किया जा सके।

पूरे देश के लिए नजीर बनेगा पेसा नियमावली- मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि सभी सुझावों पर समेकन करते हुए सभी के प्रयास से स्वशासन व्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। उन्होंने सभी को भरोसा दिलाया कि पेसा नियमावली को लागू करने से पहले सभी नियमसंगत सुझावों को नियमावली में समावेशित किया जाएगा। मुझे विश्वास है कि यह एक ऐसा नियमावली होगा जो पूरे देश में नजीर बनेगा।

पेसा नियमावली को बेहतर, सशक्त और कारगर बनाने में सहूलियत होगी- मंत्री रामदास सोरेन एवं मंत्री दीपक बिरुवा ने इस राज्य स्तरीय कार्यशाला के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यहां जो सुझाव मिले हैं, उससे पेसा नियमावली को और बेहतर, सशक्त और कारगर बनाने में सहूलियत होगी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के सुझाव पर विचार करते हुए जल्द से जल्द संशोधन करते हुए पेसा कानून को लागू करने की बात कही।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कार्यशाला को संबोधित करते पेसा नियमावली में सामूहिकता पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया।

पेसा नियमवाली को लेकर ग्राम स्तर के अंतिम व्यक्ति से भी सुझाव लें- के. राजू ने झारखंड राज्य की पारंपरिक ग्राम सभा की तारीफ करते हुए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि पेसा नियमवाली को ग्राम स्तर के अंतिम व्यक्ति से विचार-विमर्श करते हुए ही तैयार करे। उन्होंने विशेषज्ञों के सुझावों को शामिल करते हुए पेसा अधिनियम को और प्रभावी बनने पर जोर दिया और उन्होंने अन्य राज्यों में लागू पेसा कानून के बेहतर प्रावधानों को झारखण्ड पेसा नियमावली में शामिल करने पर जोर दिया।

झारखंड के संदर्भ में पेसा नियमावली के महत्व पर डाला प्रकाश- पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे ने पेसा कानून को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला का विशेष विषय प्रवेश कराया। उन्होंने झारखण्ड के संदर्भ में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने झारखण्ड में पेसा अधिनियम से अच्छादित क्षेत्रों की भी विस्तृत जानकारी दी। वहीं, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, खूंटी ने झारखण्ड सरकार द्वारा तैयार ड्राफ्ट पेसा नियमावली, 2024 पर प्रस्तुतीकरण दिया।

कैबिनेट की बैठक में 17 प्रस्तावों को मिली मंजूरी

एनसीसी कैडेट्स के भोजन भत्ता में वृद्धि

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार (15 मई) को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में विभिन्न विभागों के कुल 17 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

एक प्रस्ताव के तहत राज्य के एनसीसी कैडेट्स को शिवरों में भाग लेने हेतु भोजन भत्ता में वृद्धि की गई है।

अन्य महत्वपूर्ण निर्णय-

- झारखंड प्रोफेशनल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशन ऑफ फी बिल-2025 की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड सरकारी माध्यमिक आचार्य, प्रधानाचार्य एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियुक्ति एवं सेवाशर्त्त नियमावली, 2025 की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड राज्य के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों के शिविरों के दौरान भोजन भत्ता में वृद्धि की स्वीकृति दी गई।
- कानु राम नाग, झाप्रसे (द्वितीय बैच) के विरूद्ध विभागीय संकल्प सं0-27614(एच आरएम एस), दिनांक 04.10.2024 द्वारा अधिरोपित दण्ड ÷सेवा से हटाया जाना, जो सरकार के अधीन आगामी नियोजन के लिए निरर्हता नहीं होगी,÷ को यथावत् रखने की स्वीकृति दी गई।
- मधुपुर शहरी जलापूर्ति योजना हेतु कुल छिहत्तर करोड़ तिरसठ लाख पन्चानवे हजार एक सौ अठहत्तर रूपये के पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति प्राप्त प्राक्कलन पर पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।?विश्व बैंक संपोषित झारखंड म्युनिसिपल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट अंतर्गत सिलेक्शन का कंसलटेंट ऑफ रेवेन्यू ऑग्मेंटेशन एक्रॉस यूएलबी इन झारखंड योजना की लागत राशि दस करोड़ सत्तर लाख सत्तर हजार एक सौ साठ (जीएसटी सहित) रूपये मात्र पर पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी गई।?झारखंड उच्च न्यायालय अन्तर्गत दायर वाद यथा 1. डब्ल्यू पीएस. 3836/2022, नागेश्वर प्रसाद सिंह बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य, 2. डब्ल्यू पी एस 3710/2022, राज कुमार दास एवं अन्य बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य तथा 3. डब्ल्यू पी एस नं. 3839/2022, जय प्रकाश सिंह बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य में संयुक्त रुप से पारित न्यायादेश दिनांक-28.11.2023 के अनुपालन हेतु संबंधित छह वादीगणों (सेवानिवृत लिपिको) की सेवा नियमित करते हुए उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड उच्च न्यायालय मे दायर वाद डब्ल्यू पी (एस) नं. 3511/2021 (सुनील कुमार बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य) संग डब्ल्यू पी (एस) नं. 2825/2021 (सुनील कुमार बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य) मे दिनांक-04.04.2024 को पारित आदेश तथा उक्त से उद्भूत अवमानना वाद संख्या-530/2024 (सुनील कुमार बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य) संग अवमानना वाद संख्या-559/2024 (सुनील कुमार बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य) मे दिनांक-07.03.2025 को पारित आदेश के क्रम मे सुनील कुमार, पिता शिव शंकर प्रसाद एवं सुनील कुमार, पिता हनुमान सिंह की सेवा नियमित किए जाने की स्वीकृति दी गई।
- राज्य के वीआईपी और वीवीआइपी के सरकारी उड़ान कार्यक्रम हेतु वित्त नियमावली के निमय-235 को शिथिल करते हुए नियम-245 के तहत मनोनयन के आधार पर मेसर्स रेडबर्ड एयरवेज प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली से ली जा रही 01 टर्बो प्रौप ट्वीन इंजन बी-250/बी-200 जीटी विमान की सेवा को, समान दर एवं शर्तों के साथ, छह माह तक विस्तारित किए जाने हेतु मंत्रिपरिषद की स्वीकृति की स्वीकृति दी गई।
- गिरिडीह जिलान्तर्गत ÷बड़कीटांड-तीनपलली-डोकीडीह-गिरनिया मोड़ पथ (कुल लंबाई-11.065 किमी) को ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग को हस्तांतरित करते हुए पुनर्निर्माण कार्य (भू-अर्जन एवं पौधरोपण सहित) हेतु पचपन करोड़ बीस लाख तिरसठ हजार चार सौ रूपए) मात्र की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने की स्वीकृति दी गई।?आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजनान्तर्गत 70 वर्ष की आयु से अधिक आयु वाले झारखण्ड राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना से आच्छादित करने हेतु स्वीकृति दी गई।
- शेख भिखारी चिकित्सा महाविद्यालय, हजारीबाग, फूलो-झानो चिकित्सा महाविद्यालय, दुमका तथा मेदिनीराय चिकित्सा महाविद्यालय, पलामू में पूर्व से अधिष्ठापित लिफ्टों के वार्षिक रख-रखाव एवं संचालन हेतु वित्त नियमावली के नियम-235 के प्रवधानों को शिथिल करते हुए नियम-245 के अंतर्गत सिंडलर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मनोनयन की स्वीकृति दी गई।?झारखंड राज्य में व्यापार की सुगमता के तहत श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार किये गये लेबर रिफॉर्म्स के अनुपालन हेतु कारखाना अधिनियम, 1948 के केन्द्रीय अधिनियम संख्या 63 में संशोधन हेतु कारखाना (झारखंड) संशोधन विधेयक, 2025 की स्वीकृति दी गई।
- केन्द्र प्रायोजित मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के तहत् पूरक पोषाहार कार्यक्रम अंतर्गत लाभार्थियों को टेक होम राशन स्वरूप पौष्टिकता से परिपूर्ण आहार के निर्बाध वितरण सुनश्चित करने निमित्त एतद् सामग्रियों की आपूर्ति इसके वर्तमान निर्माणकर्त्ता-सह-आपूर्तिकर्त्ता से प्राप्त करने की अवधि दिनांक-31.05.2025 तक विस्तारित करने संबंधी प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गई।
- पथ प्रमंडल, धनबाद अंतर्गत रेल अंडर ब्रिज-एक के चौड़ीकरण और विस्तारीकरण, धनबाद में एनएच 32 पर रेलवे के गया ब्रिज 12 वें किलोमीटर (डीएमएफटी फंड 2023-24) कार्य की निविदा में निविदाकार द्वारा निगोशिएटेड राशि, जो परिमाण विपत्र की राशि से 17.895 प्रतिशत अधिक है, के निस्तार हेतु मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग (गो.को.) के संकल्प सं0-948 अनु., दिनांक- 16.07.198 द्वारा एक वर्ष से अधिक कार्यावधि के लिए निविदा निस्तार हेतु दस प्रतिशत की निर्धारित (अधिसीमा) को शिथिल करते हुए उपर्युक्त निविदा के निष्पादन हेतु विभागीय निविदा समिति को परिमाण विपत्र की राशि से 17.895 प्रतिशत अधिक राशि तक निविदा निस्तार की शक्ति विस्तार का प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गई।
- झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025 के गठन की स्वीकृति दी गई।
- संप्रति लागू बिहार कारा हस्तक (झारखंड सरकार द्वारा अंगीकृत) को नये झारखंड कारा हस्तक-2025 के प्रारूप पर मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति दी गई।

अब भारतीय हवाई अड्डों पर काम नहीं कर पाएगी तुर्किये की कंपनी सेलेबी

केंद्र ने रद्द की सुरक्षा मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारतीय हवाई अड्डे पर तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। यह जानकारी एक आधिकारिक आदेश के जरिए दी गई। विमानन मंत्रालय के आदेश में कहा गया, सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को ग्राउंड हैंडलिंग की सुरक्षा मंजूरी 21 नवंबर 2022 को दी गई थी, उसे अब देश की सुरक्षा के हित में तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है।

ऑपरेशन केलर से कांपे आतंकी, पुलवामा-शोपियां में 6 ढेर

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों हत्या की, इस हत्या की आग अभी शांत भी नहीं हुई थी कि आतंक के सौदागरों ने पुलवामा में नापाक इरादे दिखाने की हिमाकत की। लेकिन भारत माता के वीर सपूत, हमारी जांबाज सेना के सजग प्रहरी पल भर भी चूके नहीं। उन्होंने दुश्मनों की हर नापाक कोशिश को मिट्टी में मिला दिया। पुलवामा की धरती तीन आतंकवादियों - आसिफ अहमद शेख, अमीर नज़ीर वानी और यावर अहमद भट्ट के खून से लाल हो गई। ये सभी जैश-ए-मोहम्मद के नापाक मंसूबों को लेकर आए थे।इधर पुलवामा के बाद शोपियां में भी आतंकियों ने नापाक हरकत को अंजाम देने की कोशिश की।

500 करोड़ के बांके बिहारी कॉरिडोर को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी

मथुरा (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनाने को लेकर रास्ता साफ हो गया है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने कॉरिडोर बनाने की मंजूरी दे दी। अब 5 एकड़ में भव्य कॉरिडोर बनाया जाएगा। कोर्ट ने यूपी सरकार को मंदिर के 500 करोड़ रुपए से कॉरिडोर के लिए मंदिर के पास 5 एकड़ जमीन अधिगृहीत करने की इजाजत दी है। साथ ही शर्त लगाई कि अधिगृहीत भूमि देवता के नाम पर पंजीकृत होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को भी संशोधित किया। हाईकोर्ट ने मंदिर के आसपास की भूमि को सरकारी धन का उपयोग करके खरीदने पर रोक लगा दी थी। बांके बिहारी कॉरिडोर को लेकर हाईकोर्ट के आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट में ईश्वर चंद्र शर्मा ने याचिका दाखिल की थी। इसमें दो मुद्दे रखे गए थे। पहला- रिसीवर को लेकर और दूसरा- कॉरिडोर निर्माण को लेकर। इन दोनों मुद्दों पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया।

गवर्नर-प्रेसिडेंट के लिए डेडलाइन बनाने पर राष्ट्रपतिमुर्मू के 14 सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए डेडलाइन तय करने पर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछा कि संविधान में इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए बिलों पर मंजूरी की समयसीमा तय करने का फैसला दे सकता है।

मुर्मू ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल पूछे हैं। मुर्मू ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समय-सीमा तय करने जैसी बातों पर स्पष्टीकरण मांगा है। ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था।

परमाणु हथियारों पर भारत के रुख से सहमा पाकिस्तान !

- *IAEA की निगरानी की बात सुनते ही बौखला गया*
- *राजनाथ सिंह ने श्रीनगर में सैनिकों से मुलाकात कर हालचाल जाना*

नईदिल्ली (एजेंसी)। राजनाथ सिंह के पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर दिए बयान के बाद पाकिस्तान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि राजनाथ सिंह को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बारे में जानकारी नहीं है और उनका बयान उनकी 'असुरक्षा और निराशा' को दर्शाता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पाकिस्तान के परमाणु हथियारों पर दिए बयान पर पाकिस्तान ने भी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान ने कह दिया है कि राजनाथ सिंह को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बारे में जानकारी नहीं है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने राजनाथ सिंह के बयान की कड़ी निंदा की है। पाकिस्तान ने फिर से बड़बोलेपन वाले अंदाज में राजनाथ सिंह के बयान के बारे में कहा कि यह उनकी 'असुरक्षा और निराशा' को दिखाता है। पाकिस्तान का दावा है कि वह अपनी रक्षा करने में सक्षम है और उसे भारत से डरने की जरूरत नहीं है।

आईएईए की निगरानी की बात सुनते ही बौखलाया

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'राजनाथ सिंह का बयान दिखाता है कि उन्हें (आईएईए) के काम के बारे में जानकारी नहीं है। मंत्रालय ने कहा, ये बातें सुनकर लगता है कि वो पाकिस्तान की ताकत से परेशान हैं। उन्हें डर है कि पाकिस्तान, भारत के हमलों से अपना बचाव कर सकता है। पाकिस्तान के पास अपनी सुरक्षा के लिए काफी ताकत है। उसे न्यूक्लियर ब्लैकमेल की जरूरत नहीं है, जैसी कि दिल्ली को है। दरअसल, राजनाथ सिंह ने गुरुवार को श्रीनगर में सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा था कि पाकिस्तान ने गैर जिम्मेदाराना तरीके से भारत को धमकी दी है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या परमाणु हथियार ऐसे गैर जिम्मेदार देश के हाथों में सुरक्षित हैं? राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को (आईएईए) की निगरानी में रखा जाना चाहिए। राजनाथ सिंह ने कहा था, 'पूरी दुनिया ने देखा है कि पाकिस्तान ने कितनी गैरजिम्मेदारी से भारत को धमकी दी है।

सरकारी भूमि पर किसी प्रकार का निर्माण कार्य करना अवैध और गैर कानूनी– उपायुक्त

उपायुक्त ने जारी किए सख्त निर्देश

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,हज़ारीबाग़। कोर्रा थाना क्षेत्र के दीपूगढ़ा में सरले मौजा के दीपूगढ़ा क्षेत्र के प्लॉट 81 सहित विभिन्न प्लॉट में चल रहे अतिक्रमण को आज मुक्त करवाया गया।

सरकारी भूमि पर अज्ञात लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा था। ईट और बालू गिराकर मकान बनाने की तैयारी की जा रही थी। इस संबंध में उपायुक्त नैंसी सहाय को सूचना प्राप्त होते ही सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए सीओ सदर मयंक भूषण को मौजा सारले, दीपुगढ़ा थाना क्षेत्र में सरकारी भूमि में किए जा रहे अतिक्रमण को मुक्त कराने का निर्देश दिया। इस निर्देश के आलोक को मयंक भूषण ने घटनास्थल पर थाना प्रभारी और सीआई के साथ पहुंचकर अतिक्रमण मुक्त कराया। इस संबंध में मयंक भूषण ने बताया कि मौके पर अतिक्रमण करने वाले कोई मौजूद नही था, अन्यथा गिरफ्तार कर कानूनी कारवाई की जा सकती थी।

उपायुक्त के निर्देश– जिले में सरकारी जमीनों पर हो रहे अतिक्रमण की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, सभी संबंधित अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिए हैं सभी अंचल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सरकारी जमीनों पर हुए अतिक्रमणों का विस्तृत सर्वेक्षण कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। सभी अतिक्रमणकारियों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने और उन्हें तत्काल अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया जाए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है, तो संबंधित विभाग पुलिस बल की सहायता से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस कार्रवाई में आने वाला खर्च अतिक्रमणकारियों से वसूला जाएगा। भविष्य में सरकारी जमीनों पर किसी भी नए अतिक्रमण को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जाए और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस प्रकार की कार्रवाई की प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री पहुंचे उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद के आवास पर

उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरुवार को उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेन्द्र प्रसाद के स्मार्ट सिटी, रांची स्थित आवास पहुंचे, वहां उन्होंने मंत्री योगेन्द्र प्रसाद से भेंट कर उनका कुशल क्षेम जाना। मुख्यमंत्री ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

विदित है कि मंत्री योगेन्द्र प्रसाद की तबीयत गुरुवार को सुबह अचानक खराब हो गई थी।

उपायुक्त ने मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण सेवाएँ योजना,चयनित अभ्यर्थियों को सौंपा नियुक्ति पत्र

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,हज़ारीबाग़। जिला स्तरीय चयन समिति के निर्णय के आलोक में मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण सेवाएँ योजना के अन्तर्गत संप्रेक्षण गृह, हजारीबाग में रिक्त तीन पदों पर संविदा के आधार पर रोहित जायसवाल को गृहपति के पद पर सुधीर चौधरी को लेखापाल के पद पर एवं अनोखी सिंह को परिवीक्षा पदाधिकारी के पद पर चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को उपायुक्त नैन्सी सहाय के द्वारा नियुक्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर शिप्रा सिन्हा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी हजारीबाग एवं संजय प्रसाद जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी तथा उमेश कुमार उपस्थित थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय तलसवार में छात्रों के बीच स्कूल बैग वितरण

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि, बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत तलसवार पंचायत स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय तलसवार में बृहस्पतिवार को 170 बच्चों के बीच स्कूल बैग एवं पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अर्जुन राम एवं संचालन सहायक अध्यापक बिरेंद्र कुमार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत के उप मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र साव उर्फ बोल बम एवं विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साव थे। मौके पर मुख्य अतिथि उप मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र साव उर्फ बोल बम ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को समय पर स्कूल भेजें और शिक्षक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। प्रबंधन समिति अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साव ने कहा कि बच्चे शिक्षित होकर शिक्षित समाज का निर्माण करेंगे। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने कहा बच्चे साफ सुथरा होकर के समय पर रोज स्कूल आए। बच्चे बैग और पुस्तक पाकर काफी उत्साहित थे।मौके पर मुख्य रूप से उप मुखिया प्रतिनिधि सुरेंद्र साव उर्फ बोल बम, जितेंद्र कुमार साव, प्रधानाध्यापक अर्जुन राम, शिक्षक तुलेश्वर कुमार, मनोज राम रविदास, सहायक अध्यापक बिरेंद्र कुमार, भोलानाथ कुशवाहा, उषा राणा, विमल प्रसाद, आलोमणि एक्का, प्रभात कुमार सहित विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

अर्बन कमिटी के चेयरमैन ने भारतीय तरुण संघ का अवलोकन किया

संघ के महासचिव ने किया स्वागत

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,जमशेदपुर । टाटा स्टील अर्बन डेवलपमेंट कमिटी के चेयरमैन सह टाटा वर्कर्स यूनियन के सहायक सचिव अजय कुमार चौधरी ने कदमा के शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर चार स्थित भारतीय तरुण संघ का दौरा कर वहां चलाई जा रही शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने भारतीय तरुण संघ के द्वारा स्लम एरिया के जरूरतमंद बच्चों के लिए चलाए जा रहे आदर्श बाल मध्य एवं उच्च विद्यालय का भी अवलोकन कर जानकारी ली और टाटा स्टील फाउंडेशन के द्वारा जरूरतमंदों को दी जा रही निःशुल्क कोचिंग व्यवस्था के उत्कृष्ट प्रदर्शन को भी सराहा।

विदित हो कि भारतीय तरुण संघ शास्त्री नगार और आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के बीच काफी लोकप्रिय सामाजिक संस्था है जो जन और समाज कल्याण एवं शिक्षा के क्षेत्र में सतत प्रयत्नशील है। वहां आसपास में टाटा स्टील से अवकाश प्राप्त होने वाले कर्मचारियों की भी अच्छी खासी संख्या है जो संघ के सामाजिक कार्यों में अक्सर सहयोग करते हैं। इस मौके पर भारतीय तरुण संघ के महासचिव कामेश्वर प्रसाद सिंह और विद्यालय प्रबंधन समिति के चेयरमैन सतीश जायसवाल ने अजय चौधरी को फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया।

थाना प्रभारी पर एक छात्र पर झूठा केस दर्ज करने का आरोप

- **सांसद मनीष जायसवाल पीड़ित छात्र के परिवारजनों संग पहुंचे डीआईजी आवास, सौंपा ज्ञापन**
- **मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की**

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड में पुलिसिया तंत्र की मनमानी चरम पर है। पुलिस - प्रशासन हमेशा यह प्रचारित करती है कि लोग झूठे केस बहुत करते हैं लेकिन जब कानून का रखवाला ही कानून से खिलवाड़ करने लगे और कोई जायज मामले में थाने में पहुंचे आवेदक को ही आरोपी बना दें तो पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठना लाजिमी है। प्रताड़ित व्यक्ति थाने में न्याय की गुहार लेकर पहुंचे और उस पर ही कई संगीन धाराओं के तहत उल्टा केस कर दिया जाय तो समाज के लिए यह पुलिस का वीभत्स रूप को बखूबी दर्शाता है और पुलिस प्रशासन से आम लोगों का भरोसा भी उठता है।ऐसा ही एक मामला बीते दिनों हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत केरेडारी प्रखंड स्थित पगार ओपी क्षेत्र में उजागर हुआ है। जहां यूपीएससी के तैयारी में जुटे एक छात्र शारदानंद कुमार, पिता- श्री मूलचंद साव, ग्राम- बेंग्वारी, थाना- केरेडारी, जिला- हजारीबाग को पगार ओपी थाना द्वारा न सिर्फ उनका आवेदन लेने से इनकार कर दिया गया बल्कि उसपर कई धाराओं के तहत प्राथमिक की दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के झूठे केस को न्यायालय ने समझा और उसे तत्काल बेल दे दिया। लेकिन सवाल उठता है कि कोई आम आदमी थाना में घुसकर थाना प्रभारी का गिरेबान पकड़ ले, थाने में फाइल तितर- बितर कर दे और उसकी तुरंत गिरफ्तारी न हो तो यह थानेदार की कमजोरी और उनकी विफलता को साफ़ दर्शाता है। ऐसे पुलिस अधिकारी को थाने की जिम्मेवारी कतई नहीं मिलनी चाहिए।हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के पगार ओपी थाना क्षेत्र से पुलिस पड़ताना का जो मामला प्रकाश में आया है उसमें आलम यह रहा कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल को हजारीबाग झील परिसर स्थित डीआईजी आवास जाकर आवेदन देना पड़ा है कि इस मामले पर संज्ञान लें और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई भी करें। पूरा मामला पगार ओपी का है जिसके तहत पगार ओपी थाना प्रभारी विक्की ठाकुर पर गंभीर आरोप लगा है कि उसने झूठा आरोप लगाकर यूपीएससी की तैयारी करने वाले छात्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। क्योंकि उसने कोयला खनन कंपनी के खिलाफ आवेदन दिया था।पुलिस प्रताड़ना को लेकर कई तरह की खबर हमेशा प्रकाश में आती है। हजारीबाग में पुलिस प्रताड़ना का शिकायत लेकर जब सांसद मनीष जायसवाल खुद डीआईजी आवास पहुंच जाए तो यह समझना चाहिए कि मामला कितना गंभीर है।हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने मुलचंद साव और उनके परिवार के ऊपर पुलिस प्रताड़ना को लेकर डीआईजी संजीव कुमार को आवेदन दिया है और कहा है कि इस पूरे मामले की तहकीकात कर उचित कार्रवाई की जाए।पूरा मामला कोल कंपनी के जमीन अधिग्रहण से लेकर जुड़ा हुआ है। मुलचंद साव के जमीन और घर को कोयला उत्खनन को लेकर अधिग्रहण में गया है। पैसा भुगतान का विरोध करते हुए इन्होंने पगार ओपी में आवेदन देने का प्रयास किया गया लेकिन स्वीकार नहीं किया गया। अंततः उन्होंने ऑनलाइन शिकायत कर दी। जिसके बाद थाना प्रभारी भड़क गए और आवेदनकर्ता परिवार को टारगेट बनाया।सांसद मनीष जायसवाल ने डीआईजी से मिलने के पश्चात जानकारी देते हुए बताया कि आवेदन स्वीकार नहीं करने पर आवेदनकर्ता और पुलिस के बीच तू- तू, मैं- मैं भी हुई। इसी दौरान थाना ने केस करने और परिवार को बर्बाद करने की धमकी देकर वापस कर दिया। घटना 12 मई 2025 की है। पुलिस ने उसी दिन मूलचंद साव के पुत्र शारदानंद कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उसके ऊपर सरकारी काम में बाधा का आरोप लगाया गया है। सांसद मनीष जायसवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि थाना प्रभारी ने आरोप लगाया है कि उसके साथ गलत व्यवहार किया गया। थाने का समान फेंक दिया गया। ऐसे में यह भी सवाल खड़ा होता है कि थाने में घुसकर एक साधारण व्यक्ति आखिर कैसे कानून विरोधी काम किया और पुलिस ने उसे यहां से जाने कैसे दे दिया। सांसद मनीष जायसवाल ने पूरे मामले की निष्कर्ष जांच करने की मांग की है।वहीं पीड़ित परिवार का करना है कि एक पढ़ने- लिखने वाले लड़के के कैरियर के साथ पुलिस ने खिलवाड़ किया है। ऐसे में उन्होंने न्याय की गुहार लगाई है।हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने डीआईजी संजीव कुमार से कहा है कि उक्त पूरे घटना की सीसीटीवी कैमरे के जरिए जांच कराया जाए। इन्होंने यह भी सवाल खड़ा किया है कि जहां एक और पुलिस पीपुल फ्रेंडली होने का दावा करती है तो दूसरी ओर एक पढ़े-लिखे लड़के को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जा रहा है. जिस कारण लोगों का विश्वास उठता जा रहा है।

राज्यपाल ने किया स्वतंत्रता सेनानी चानकु महतो की प्रतिमा काअनावरण

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची/पूर्वी सिंहभूम। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम जिलान्तर्गत चाकुलिया प्रखंड के भालुकबिंधा ग्राम में स्वतंत्रता सेनानी चानकु महतो की प्रतिमा का अनावरण किया। राज्यपाल ने वीर शहीद चानकु महतो के साहस और बलिदान को नमन करते हुए कहा कि यह प्रतिमा केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि इतिहास की जीवंत स्मृति है, जो आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि चानकु महतो न केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि अधिकारों की रक्षा हेतु जनचेतना के अग्रदूत भी थे।

राज्यपाल ने कहा कि चानकु महतो के प्रसिद्ध नारे ÷आपोन माटी, आपोन दाना, पेट काटी निही देबत्र खजाना÷ को उद्धृत करते हुए उनके नेतृत्व में संताल परगना में हुए आंदोलन को हूल क्रांति से पूर्व की बड़ी जनक्रांति बताया। उन्होंने कहा कि वीर चानकु महतो जी अपने साथियों के साथ मिलकर संगठित आंदोलन प्रारंभ किया। ऐतिहासिक हूल क्रान्ति में भी सिदो-कान्हु के नेतृत्व में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उन्हें साहेबगंज जिलान्तर्गत भोगनाडीह में वीर सिदो-कान्हु की जन्मस्थली जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तथा वहाँ वे उनके वंशजों से भी मिले। राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को संजोने की आवश्यकता पर बल देते हुए विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे इन महापुरुषों के ग्रामों में जाकर शोध करें और उनके योगदान को इतिहास में उचित स्थान दिलाने हेतु प्रयास करें।

राज्यपाल ने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना ने पूरे देश को आक्रोश से भर दिया था। निर्दोष-मासूम नागरिकों को धर्म पूछकर, उनके परिवार व बच्चों के सामने बेरहमी से मार डाला। प्रधानमंत्री ने बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहा था कि इस आतंकी हमले के जिम्मेदार आतंकियों और साजिशकर्ताओं को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा दी जाएगी। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की सेनाओं ने पाकिस्तान में आतंक के ठिकानों पर, उनके ट्रेनिंग सेंटर्स पर सटीक प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है। यह भारत शांति चाहता है, लेकिन अगर मानवता पर हमला होता है, तो भारत युद्ध के मैदान में दुश्मन को कुचलना भी जानता है। हमारा देश किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई हमें छेड़े, तो हम उसे छोड़ते भी नहीं हैं। राज्यपाल ने वीर शहीद चानकु महतो स्मारक समिति को इस सराहनीय पहल हेतु बधाई दी और कहा कि यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती रहेगी।

18 मई को बरही पहुंचेगी अहीर रेजिमेंट की रथ यात्रा

- **इटखोरी मोड़ पर भव्य स्वागत, यादव धर्मशाला में सभा, बैठक कर की तैयारी**
- **जब भी देश की सुरक्षा की बात होती है तो यादव जाति ने अपना पराक्रम दिखाया है – मनोज यादव**

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

बरही। देशभर में अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर निकाली जा रही ऐतिहासिक रथ यात्रा का आगमन 18 मई को बरही में होने जा रहा है। इस यात्रा के स्वागत की तैयारियों को लेकर बरही विधायक आवास पर समाज के प्रबुद्धजनों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बरही विधायक मनोज यादव, कार्यक्रम की हजारीबाग जिला संयोजक अनिता यादव, मनीष यादव, जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव सहित समाज के कई वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक में चर्चा हुआ कि 18 मई को शाम 4 बजे इटखोरी मोड़ पर रथ यात्रा का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद यह रथ यात्रा भव्य जुलूस के साथ चौपारण से बरही पहुंचेगी। बरही पहुंचने के बाद शाम 7 बजे यादव धर्मशाला में एक विशाल सभा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें समाज के नेताओं के अलावा विभिन्न संगठनों के लोग भी शिरकत करेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक मनोज यादव ने कहा कि अहीर रेजिमेंट की मांग पिछले कई दशकों से अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा सहित अन्य यादव संगठनों द्वारा उठाई जा रही है। लेकिन अब तक केंद्र सरकार ने इस पर गंभीरता से विचार नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जब भी देश की सुरक्षा की बात होती है, यादव जाति ने अपना पराक्रम दिखाया है। 1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की लड़ाई इसका जीवंत उदाहरण है, जहां 114 अहीर सैनिकों ने वीरगति प्राप्त करते हुए अपने अदम्य साहस से चीन को सीजफायर करने पर मजबूर कर दिया था। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि अन्य जातियों की तरह अहीर रेजिमेंट का भी गठन किया जाए और जातीय जनगणना कराई जाए। यह वीर अहीरों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव ने कहा कि अहीर रेजिमेंट के गठन की मांग केवल समाज के स्वाभिमान से जुड़ी नहीं है, बल्कि यह उन वीर सैनिकों के बलिदान का सम्मान भी है, जिन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर किए। युवा सामाजिक कार्यकर्ता मनोहर यादव ने कहा कि अहीर समाज को संगठित होकर अपनी आवाज को और बुलंद करना होगा, ताकि केंद्र सरकार हमारी वर्षों पुरानी मांग पर गंभीरता से विचार करे। बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता रमेश ठाकुर, विश्वा यादव, बरही से मनोहर यादव, बासुदेव यादव, सुधीर यादव, मनितोष यादव, बिनोद यादव, अशोक यादव, रोहित यादव, मुन्ना यादव, सुरेश यादव, रामप्रवेश यादव, सचिन यादव, सोनू यादव, चौपारण से राजदेव यादव, विकास यादव, रामसेवक यादव, कपिलदेव यादव, प्रदीप यादव सहित समाज के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में निराश्रित को कराया गया भोजन

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता ,रांची। परमहंस डॉ.संत शिरोमणी श्रीश्री 108 स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वाधान में विगत 16 माह से चल रहे पीड़ित मानव सेवा के पावन तीर्थ स्थल मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम (सत्य-प्रेम सभागार) रांची में गुरुवार को विश्वनाथ मोदी के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 37 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभु जी एवं आश्रम में रहकर उनकी सेवा करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। आश्रम के किचन में भोजन बनवाकर भोजन खिलाया गया। अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 19 अप्रैल से 15 मई तक 27 दिनों मे 4590 निराश्रित प्रभुजी एवं उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम सदगुरू कृपा अपना घर (सत्य-प्रेम सभागार) में-सुशील ड्रोलिया, दीनबंधु कुमार, वैभव कुमार, कंचन देवी, महादेव शिव शंकर, दिलीप गुप्ता, सुषमा त्रिवेदी, निर्मल छावनिका, ललिता पोद्दार, अजय गोयनका, अमित कुमार, सुधा अग्रवाल, कृष्ण राजगढ़िया, ममता गोयल, सुरेश कुमार महतो, अशोक कुमार, सुरेश चंद्र अग्रवाल, नंदकिशोर चौधरी, प्रशांत गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, मीरा अडूकिया अभिषेक कुमार, ओमप्रकाश अडुकिया, डॉ सुभाष पोद्दार, वेंकट गाड़ोदिया,के सौजन्य से सभी निराश्रित प्रभुजी को भोजन प्रसादी खिलाकर सेवा की गई। सभी ने ट्रस्ट के सदस्यों को बहुत बहुत धन्यवाद एवं अपना अमूल्य आशीर्वाद दिया। अन्नपूर्णा सेवा के पुनीत कार्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सचिव मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुर्णमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल,नन्द किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, सुनील पोद्दार,पवन कुमार पोद्दार, विष्णु सोनी, सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का किया अवलोकन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,रांची/पूर्वी सिंहभूम। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम जिलान्तर्गत धालभूमगढ़ स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का अवलोकन किया। उक्त अवसर पर उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। राज्यपाल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी बेटियाँ आज हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। उन्होंने बालिकाओं से शिक्षा, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि वे विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के विचार और सुझाव जानने विद्यालय आए हैं, ताकि व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सके। विद्यालय की छात्राओं ने राज्यपाल को अवगत कराया कि विद्यालय में कराटे, पेंटिंग, परेड जैसी गतिविधियों का नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा नाटक का भी मंचन किया गया।

सीसीएल के सौजन्य से मदर्स इंटरनेशनल स्कूल में नवनिर्मित छह क्लासरूम का उद्घाटन

- **सीबीएसई के सत्र 2024–25 में दसवीं एवं 12वीं की परीक्षा में सफल छात्र सम्मानित**

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

रांची/ब्राम्बे। मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, जाहेर (ब्राम्बे) में सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड के सौजन्य से कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के तहत नवनिर्मित छह क्लासरूम व टॉयलेट रूम का उद्घाटन बुधवार को सीसीएल के महाप्रबंधक (एसडी एंड सीएसआर) एसएस लाल ने किया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि श्री लाल ने मदर्स इंटरनेशनल स्कूल द्वारा शिक्षा व खेलकूद के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि सीसीएल कोयला उत्पादन के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपने सामाजिक दायित्वों का भी बखूबी निर्वहन करती है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजलापूर्ति, सड़क, बिजली आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के प्रति भी सीसीएल सदैव तत्पर रहती है। मेघावी छात्रों और प्रतिभावान खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने की दिशा में भी सीसीएल द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता है।

मौके पर मदर्स इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समारोह का शुभारंभ सरस्वती वंदना, महिषासुर मर्दिनी और नागपुरी नृत्य-संगीत की प्रस्तुति से किया गया। छात्रों की प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उद्घाटन समारोह में स्वागत भाषण स्कूल के निदेशक एके झा ने किया। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य डॉ.रोमी झा सहित काफी संख्या में गणमान्य उपस्थित थे।

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में सफल छात्रों को किया गया सम्मानित– मदर्स इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को आयोजित समारोह में सीबीएसई की 10वीं और 12वीं कक्षा में सफल छात्रों को सम्मानित किया गया। सीबीएसई की दसवीं की परीक्षा में शत-प्रतिशत छात्र सफल रहे। जिनमें 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों की संख्या आठ रही। वहीं,80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों में 48 और 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वालों में 122 छात्र शामिल हैं। वहीं 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वालों में चार छात्र, 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले में 13 छात्र और 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले में 34 छात्र शामिल हैं।

दसवीं की परीक्षा में टॉप सिक्स में मोबाशिरा इरफान, इशु राज, शौर्य कुमार, मोहम्मद रेहान, पीयूष राज यादव और वारिशा नाज शामिल हैं।

वहीं, 12वीं की परीक्षा में टॉप 8 में अंशु कुमारी, श्रेयांश, हर्षवर्धन सिंह, दिव्यांशु साहू, शौर्य गुप्ता, मयंक कुमार झा, आदित्य अरुण व अभिदर्श जगनानी ने परचम लहराया।

विद्यालय प्रबंधन की ओर से सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। समारोह के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ.रोमी झा ने किया।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स के सीबीएसई दसवीं बोर्ड में छह अव्वल छात्राओं को किया गया सम्मानित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। सीएम स्कुल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स पाकुड़ में सीबीएसई दसवीं बोर्ड परीक्षा में कुल 44 छात्राएं सम्मिलित हुए। जिनमें से 32 छात्राएं उत्तीर्ण हुए तथा 6 छात्राएं 60 प्रतिशत से अधिक अंक लाकर विद्यालय का नाम रौशन किया। समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुराती, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, पाकुड़ एवं महेशपुर एसडीपीओ ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 6 छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उपायुक्त ने इस अवसर पर छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता सभी के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण और छात्राओं की कड़ी मेहनत की सराहना की। उपायुक्त ने सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी ऐसे ही गौरवपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने की शुभकामनाएं दी।

आपरेशन सिन्दूर के अपार सफलता पर झारखण्ड आन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने भारतीय सैनिको को किया सैल्यूट

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,मेदिनीनगर (पलामू)। आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की पहलगाम मे हत्या पाकिस्तान की साजिश की एक कड़ी थी। जिसका जबाब देना लाजमी था। मोर्चा के संस्थापक महासचिव पुष्कर महतो ने कहा कि युद्ध के बिना शान्ति संभव नहीं है, हमारे देश मे साम्प्रदायिक सद्भावना बिगाड़ने की पाकिस्तानी साजीश का भंडाफोड़ के साथ असली चेहरा को भारतीय सैनिको ने बेनकाब कर दिया। आपरेशन सिन्दूर मे शामिल तमाम सैनिक को कोटि कोटि सलाम।

झारखण्ड आन्दोलनकारी संघर्ष मोर्चा के केन्द्रीय संयोजक सतीश कुमार ने कहा कि हमारे देश प्रेमी सैनिक सोफिया कुरैशी व व्योमिका सिंह के आतंकवाद का पाओके मे घुस कर आतंकवाद के खात्मा का शंखनाद कर दुनिया को संदेश दिया कि भारत की एक एक नागरिक राष्ट्र भक्त है, उसके बाद जाति और धर्म। सोफिया कुरैशी व व्योमिका सिंह ने आतंकवादी अड्डा को ध्वस्त किया। कही भी पाकिस्तान के सैनिक अड्डा पर हमला नही कर दुनिया को संदेश दिया कि हमारी लड़ाई आतंकवाद से है पाकिस्तानी मुल्क से नही। मगर आतंकवादियों के आका पाकिस्तान के दोगला चेहरा उभर कर आ गया। एल ओ सी पर पाकिस्तानी सैनिकों के द्वारा गोला बारूद का बचकाना खेल चल रहा है। तुरन्त पाकिस्तान को बंद कर देना चाहिए नही तो शायद दुनिया के नक्शा से पाकिस्तान का नाम हट जाएगा। पाकिस्तान कुछ देशों के उकसावे मे आकर हमारे सैनिकों पर हमला कर रहे हैं। वो देश भी आतंकवाद के सवाल पर लम्बा समय तक पाकिस्तान के पक्ष मे खडा नहीं रहेंगी। युद्ध आखिरी विकल्प है, यहा धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है पहला राष्ट्र तब जाति धर्म, मुस्लिम बहन सोफिया कुरैशी और सिख बहन व्योमिका सिंह को सफल ऑपरेशन सिन्दूर की सफलता पर पुरा देश सैल्यूट करता है।

रामगढ़ जिला स्तरीय प्रथम कैरम टैलेंट और योग प्रतियोगिता का आयोजन

जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,रामगढ़। झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तत्वावधान में चल रहे खेलो झारखंड का रामगढ़ जिला स्तरीय प्रथम कैरम टैलेंट एवं योग प्रतियोगिता का आयोजन गांधी स्मारक जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय रामगढ़ में किया गया। इस प्रतियोगिता के मुख्य अथिति जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार एवं प्रधानाध्यापक सन्तोष कुमार अनल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। जिसमें जिला के गोला, रामगढ़, पतरातु, मांडू चितरपुर और दुलमी प्रखंड से बच्चे प्रतियोगिता में भाग लिया। कैरम प्रतियोगिता से में अंडर 17 बालिका एकल वर्ग से चितरपुर के उत्क्रमित उच्च विद्यालय बड़कीपोना की मोनिका कुमारी और युगल वर्ग में गोला से पीएम उत्क्रमित उच्च विद्यालय बरियातू की जयश्री कुमारी एवं नेहा कुमारी विजेता रही। अंडर 17 बालक एकल वर्ग से मांडू के उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय कंजगी से संदीप कुमार बेदिया एवं युगल वर्ग से दुलमी के उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय चटाक के खुस्तर हबीबी एवं दानिश रजा विजेता रहे। अंडर 19 बालिका एकल वर्ग से गोला के एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय के मुनिता कुमारी , और युगल वर्ग से रबीना कुमारी और प्रिया कुमारी विजेता रही। अंडर 19 बालक एकल वर्ग से मांडू के उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय कंजगी के इशांत कुमार बेदिया एवं बालक युगल वर्ग से पतरातु के नेताजी सुभाष चंद्र बोस से मुन्ना कुमार एवं चेतन कुमार साहू विजेता रहे। वहीं जिला योग ओलंपियाड प्रतियोगिता में अंडर 14 बालक वर्ग से पतरातु के हर्ष राज बाउरी और अंशु कुमार मुंडा एवं अंडर 14 बालिका वर्ग से छोटी कुमारी, सुहाना प्रवीण विजेता रही। अंडर 17 बालक वर्ग से मिलन कुमार और पीयूष महतो और अंडर17 बालिका वर्ग से पुष्पा कुमारी और अंजू कुमारी विजेता रही। सभी विजेता खिलाडियो को अथिति के द्वारा मैडल और शिल्ड देकर सम्मानित किया गया। वहीं जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने कहा कि खेलो झारखंड के तहत हो रहे प्रतियोगिता से खिलाडियो को बेहतर प्लेटफॉर्म मिला है। सरकारी विद्यालय के बच्चे खेल के माध्यम से अपना भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। वहीं कैरम प्रतियोगिता 17 मई 2025 को और 20 मई 2025 को सभी विजेता खिलाड़ी रांची होटवार के खेलगांव में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। मौके पर एडीपीओ नालिनी रंजन, एपीओ कुमार राज, बीईईओ मांडू विजय राम, सभी प्रखंड के कार्यक्रम पदाधिकारी, एवं जिला के सभी शारीरीक शिक्षा शिक्षक उपस्थित रहे।

पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत जलापूर्ति योजना का किया गया निरीक्षण

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया एवं गठित टीम के द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल पाकुड़ के द्वारा बन रहे संपूर्ण पाकुड़िया पाईप लाइन जलापूर्ति योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम बासेतकुण्डी पंचायत के धावाडंगाल में बन रहे सम्पूर्ण पाकुड़िया प्रखंड अच्छादित पाइप लाइन ग्रामीण जलापूर्ति योजना के अंतर्गत वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कलेरी फोकलेटर की जांच की और कार्यपालक अभियंता अनंत प्रसाद सिंह से इसके संबंध में जानकारी ली। कार्यपालक अभियंता द्वारा जानकारी दी गई कि ह्ुअक्का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर ली गई है। मौके पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरुण कुमार एक्का,अधीक्षण अभियंता,पेयजल एवं स्वच्छता दुमका, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता पाकुड़, प्रखंड विकास पदाधिकारी, पाकुड़िया, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, जिला समन्वयक सुमन मिश्रा समेत अन्य उपस्थित थे।

विश्व हिंदू परिषद की बैठक आयोजित

संगठन में अनुशासन महत्वपूर्ण: बजरंग बागड़ा

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत की बैठक रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित ग्रीन एकर्स में चंद्रकांत रायपत की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रांत पदाधिकारी, प्रांत आयाम प्रमुख ,विभाग मंत्री, विभाग संगठन मंत्री एवं सभी जिलों के जिला पालकों ने भाग लिया।

बैठक में विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि संगठन के विस्तार के साथ-साथ संगठन में अनुशासन अति आवश्यक है। चारित्रिक एवं वित्तीय मामलों में अनुशासन का कड़ाई से पालन होना चाहिए। जिला एवं प्रखंड में समिति पूर्ण कर प्रत्येक गांव में अपनी समिति हो ऐसा प्रयास करने की आवश्यकता है। सेवा सत्संग जैसे कार्यों को गांव-गांव तक पहुंचा कर निर्बल समाज को सक्षम बनाते हुए वर्तमान में जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति के बीच तेजी से हो रहे धर्मांतरण को रोकना संगठन की प्राथमिकता है। झारखंड में लव जिहाद, लैंड जिहाद, रोहिंग्या घुसपैठियों की समस्या निरंतर बढ़ रही है जिसे रोकने के लिए राज्य सरकार को कड़ा कदम उठाना चाहिए । संगठन का कार्य प्रारंभ है परंतु परिणाम तक पहुंचने के लिए संगठन के विभिन्न आयामों को सक्षम होना आवश्यक है

प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने बताया 27 मई से 8 जून के बीच विश्व हिंदू परिषद , बजरंग दल एवं दुर्गा वाहिनी के प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग लोहरदगा एवं लातेहार में आयोजित होने वाले हैं जिसकी तैयारी चल रही है जिसमें प्रांत, विभाग, जिला एवं प्रखंडों के कार्यकर्ता भाग लेने वाले हैं। प्रांत उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव ने बताया संस्कृति ज्ञान की दृष्टि से रामायण ज्ञान परीक्षा प्रांत के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित की जाएगी जिसमें पांचवी से सातवीं कक्षा तक पढ़ने वाले लगभग 7000 विद्यार्थी

भाग लेंगे। प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने बताया स्वरोजगार का प्रशिक्षण देकर युवाओं को आत्मनिर्भर एवं सक्षम बनाने का कार्य बजरंग दल द्वारा किया जाएगा। साथ ही बैठक में गोरक्षा, धर्म प्रसार, सेवा आदि विषयों पर चर्चा हुई।

आगामी जिला बैठक की तिथि 17 एवं 18 मई तथा प्रखंड बैठकों की तिथि 20 से 25 मई के मध्य तय की गई। बैठक में प्रांत अध्यक्ष श्री चंद्रकांत रायपत, उपाध्यक्ष श्री गंगा प्रसाद यादव ,उपाध्यक्ष श्री सुनील गुप्ता, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, प्रांत सहमंत्री मनोज पोद्दार, प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो, सहसंयोजक जनार्दन पांडे, प्रांत कोषाध्यक्ष मदन बागड़िया, सह कोषाध्यक्ष शिव शंकर साबू, प्रांत सत्संग प्रमुख रंजन कुमार सिन्हा, प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख संजय चौरसिया, सह प्रमुख सच्चिदानंद देव ,प्रांत धर्माचार्य संपर्क प्रमुख युगल किशोर प्रसाद, सह प्रमुख अवतार सिंह गांधी, प्रांत संयोजक मार्गदर्शक मंडल स्वामी कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी, प्रांत मंदिर अर्चक पुरोहित प्रमुख मनोज पांडे ,प्रांत विशेष संपर्क प्रमुख अरविंद कुमार सिंह , प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख कृष्ण कुमार झा, मंदिर अर्चक पुरोहित सहप्रमुख मनोज पांडे ,प्रांत सेवा सहप्रमुख विनय कुमार, प्रांत गोरक्षा सहप्रमुख दीपक ठाकुर, प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख प्रकाश रंजन, प्रांत सत्संग टोली सदस्य राम प्रताप सिंह, विभाग मंत्री महेंद्र नाथ, अरुण सिंह ,केशव चंद्र साय ,राजेश दुबे, रोबिन कुमार, धर्म प्रसार टोली के रेनू अग्रवाल, सुनील कुमार, गिरिजेश कुमार दुबे, कार्यालय प्रमुख ज्ञान प्रकाश, कुणाल कुमार विभाग संगठन मंत्री दीपक कुमार, मंडल, जगदीश मंडल ,विजय यादव, कुलदीप सिंह, देवीलाल मुर्मू, कौलेश्वर टुडू ,मिथिलेश महतो, जिला संगठन मंत्री कार्तिक विश्वकर्मा , दिलीप बड़ाईक,उदय कुमार यादव, ओम प्रकाश कुमार, मनोज कुमार महतो व सोनाराम महतो उपस्थित थे।

डालसा सचिव अर्पित श्रीवास्तव को स्थानातरण उपरांत दी गई विदाई

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह वरीय सिविल जज सीनियर डिवीजन अर्पित श्रीवास्तव को स्थानांतरण उपरांत बिदाई लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ताओं द्वारा पुष्पगुच्छ व मोमेंटो देकर किया गया।बिदित हो कि श्री श्रीवास्तव का स्थानांतरण झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रधान डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर किया गया है ।स्थानांतरण उपरांत शनिवार को उनके बेषम में बिदाई दी गई।इस मौके पर एल ए डी सी के चीफ अमिताभ चन्द सिंह ने कहा कि सर के मार्गदर्शन में हमलोग टीम भावना से काम किए।बहुत निरीह व कमजोर लोगो को सुलभ न्याय दिलाया गया।उन्होंने कहा कि नौकरी पेशा में स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है।इनकी कमी हमेशा खलेगी । उन्होंने कहा कि डालसा के माध्यम से लोगो को मुफ्त विधिक सहायता ही नही बल्कि कम्पनशेषन की राशि भी दिलाया गया।सर जहां भी जा रहे हैं हम उम्मीद करते हैं कि वहां भी अपने सेवा से अलग पहचान बनाएंगे। हमसभी उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं । वही एल ए डी सी के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि अर्पित

श्रीवास्तव साहब अपने कार्य से अमित छाप छोड़ जा रहे हैं जो यहां के लोगों के लिए सदा यादगार बना रहेगा ।सर झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण रांची में प्रधान डिप्टी सेक्रेटरी के पद पर कार्यभार करने करने जा रहे हैं यह जानकारी हमारे लिए गर्व व भावुकता दोनो का संगम है। पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के रूप में सर का योगदान को शब्दों में बांधना वास्तव में कठिन है ।सर का कार्यकाल हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत रहा हैं विशेष रूप से न्यायिक कार्य प्रणाली में और खास कर गरीबों को व जेल में बंद लोगो के हित में जो काम और उनके हितों में सम्मान सर ने दी है वह हमेशा यादगार रहेगा ।सर के नेतृत्व में गरीब लोगों को न्याय न केवल कागजो से बाहर निकाल कर जमीनी हकीकत बनी बल्कि सर का सहजता, संवाद की कुशलता और सभी के साथ समानता से व्यवहार करने की शैली ने डिफेंस काउंसिल से जुड़े अधिवक्ता के साथ-साथ पीएलभी व आम जनमानस व के साथ साथ पीड़ित व पीड़ित परिवार के लोगों को परिवार का रूप दे दिया ।सर का जाना हमसब लोगो के लिए निश्चित ही एक बड़ी रिक्तता छोड़ता है।साथ ही विश्वास भी मजबूत होता है कि आप अपने अगले कार्य क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगेऔर आपका प्रतिभा न्यायिक कार्य मे और अधिक प्रभावशाली रूप से सामने आएगा ।आप जल्द ही उन ऊंचाइयों को छूने में कामयाब होंगे जिसकी प्रत्यासा हमसबो को हैं। इस मौके पर एल ए डो सी के असिस्टेंट वीर विक्रम वक्स रॉय ,कुमारी नीतू सिंह ,एल ए डीसीएस के असिस्टेंट अमित विश्वकर्मा ,पीएलबी मुनेश्वर राम आदि लोग उपस्थित थे।

पीडब्ल्यू विद्यापीठ के छात्र यश राज ने सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा 2025 में प्राप्त किए 99.20 प्रतिशत अंक

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता

रांची। फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के टेक-सक्षम ऑफलाइन केंद्र पीडब्ल्यू विद्यापीठ ने अपने छात्र यश राज की सफलता का जश्न मनाया, जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 2025 में 99.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। झारखंड की राजधानी रांची के निवासी यश की यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक है। अपनी सफलता के बारे में बात करते हुए यश ने कहा, ÷मैंने पढ़ाई को एक खेल बना दिया था। जो कुछ भी मुझे पढ़ना होता था, वह मेरे लिए एक गेम का लेवल बन जाता था, और मेरा काम बस हर दिन तय संख्या में लेवल पूरे करना होता था ताकि मेरी स्ट्रीक बनी रहे। पीडब्ल्यू विद्यापीठ के शिक्षकों ने मुझे अच्छी तरह पढ़ाया, और उन्होंने जो रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न दिए, वे मुझे एप्लिकेशन-बेस्ड सवालों को समय पर हल करने में मदद करते थे। सोशल मीडिया से ध्यान न

भटके, इसलिए मैंने अपना निजी फोन तक नहीं रखा और केवल ज़रूरत पड़ने पर अपने माता-पिता का फोन इस्तेमाल करता था। अब जब मैंने रांची स्थित पीडब्ल्यू विद्यापीठ से नीट की तैयारी शुरू कर दी है, तो मेरे शिक्षक मुझे और भी प्रभावी अध्ययन रणनीतियाँ दे रहे हैं, और नीट टेस्ट सीरीज़ मेरी तैयारी को मज़बूत करने और प्रदर्शन सुधारने में पहले से ही मदद कर रही है।÷ फिजिक्सवाला के संस्थापक, शिक्षक और सीईओ अलख पांडे ने कहा यश का परिणाम यह दर्शाता है कि नियमित प्रयास और सही संसाधनों का कितना महत्व होता है। पीडब्ल्यू में हम विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों की तैयारी में सहायता देने का प्रयास करते हैं।÷ इस वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा दी। यश का प्रदर्शन उन्हें उन छात्रों में शामिल करता है जिन्होंने सर्वाधिक अंक प्राप्त किए हैं और यह ऑफलाइन लर्निंग की शैक्षणिक सफलता में भूमिका का भी उदाहरण है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन बीडीओ को किया गया सम्मानित

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने माह अप्रैल 2025 में आवास, मनरेगा एवं 15 वें वित आयोग योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रखंड विकास पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा संजय कुमार को अप्रैल माह 2025 में अबुआ आवास योजना में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी, पाकुड़ समीर अल्फ्रेड मुर्मू को अप्रैल माह 2025 में अबुआ आवास योजना में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी, महेशपुर सिद्धार्थ शंकर यादव को अप्रैल माह 2025 में मनरेगा एवं 15 वें वित आयोग योजना में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को आगे भी बेहतर प्रदर्शन जारी रखने की बात कही।

चांदपुर नर्सिंग होम का हुआ उद्घाटन,मरीजों को किया गया निश्शुल्क स्वास्थ्य जांच

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। जिला अंतर्गत झारखंड बंगाल बॉर्डर के समीप सदर प्रखंड के चांदपुर में चांदपुर नर्सिंग होम का उद्घाटन गुरुवार को किया गया जिनमें मुख्य अतिथि के रूप में चांदपुर पंचायत के मुखिया पूर्णेन्दु सरकार उपस्थित हुए। चांदपुर नर्सिंग होम का उद्घाटन नर्सिंग होम के डायरेक्टर शोएब अख्तर एवं मुखिया पूर्णेन्दु सरकार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर नर्सिंग होम के तरफ से सैकड़ो मरीजों का निशुल्क में इलाज किया गया। डायरेक्टर शोएब अख्तर, सहयोगी हाजीकुल शेख एवं आताउर रहमान ने मीडिया प्रतिनिधियों को बताया कि इस तरह का नर्सिंग होम सुविधायुक्त वाला जिले में प्रथम बार खुला है। यहां पर स्त्री रोग विशेषज्ञ, चाइल्ड स्पेशलिस्ट, आंखों के डॉक्टर, पेट के डॉक्टर उपस्थित रहेंगे और बहुत ही कम लागत से मरीजों का इलाज किया जाएगा और बहुत ही जल्द लिवर, किडनी सहित अंदरुनी बीमारियों का स्पेशलिस्ट डॉक्टर को नियुक्त किया जाएगा ताकि मरीज स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सके। इस नर्सिंग होम में रक्त जांच, एक्स रे, आईसीयू, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, माइक्रो सर्जरी, ऑर्थोपेडिक सर्जरी सहित कई सुविधाएं भी होगी ताकि मरीजों को इधर-उधर न भटकना पड़े। निश्शुल्क स्वास्थ्य जांच में आए हुए सैकड़ो मरीजों में से मरीज इंजामुल हक, आलमगीर शेख, बलराम रविदास, मौसा शेख, पल्लवी मंडल, लोकमान शेख ने बताया कि हमने अपने शरीर का निशुल्क जांच करवाया जिससे हमको काफी सहूलियत हुई और सुविधा को देखकर काफी आनंदित भी हुए।

झारखंड में मिलेट की खेती को बढ़ावा देने की मांग को लेकर कृषि मंत्री को सौंपा गया ज्ञापन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गोला। झारखंड में मिलेट की खेती, बिक्री, विपणन और योजनाओं में स्थानीय किसानों, एफपीओ, संस्थाओं और एग्रीटेक कंपनियों को प्राथमिकता देने के संबंध में जेएलकेएम प्रतिनिधिमंडल द्वारा कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को पत्र सौंपा गया। जेएलकेएम के केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता संतोष महतो ने कहा कि जेएलकेएम के द्वारा कृषि एवं पशुपालन मंत्रालय को पत्र लिखा गया और इसके माध्यम से झारखंड राज्य में मिलेट की खेती को बढ़ावा देने और इसके साथ ही स्थानीय किसानों, एफपीओ, संस्थाओं और एग्रीटेक कंपनियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लिखा जा रहा है। जैसा कि आप जानते हैं, मिलेट न केवल पौष्टिक आहार है, बल्कि यह कम पानी और कम उपजाऊ भूमि में भी उगाया जा सकता है, जो झारखंड की कृषि परिस्थितियों के लिए अत्यंत उपयुक्त है।झारखंड सरकार द्वारा मिलेट की खेती को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जो स्वागत योग्य हैं। हालांकि, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन योजनाओं का लाभ राज्य के स्थानीय किसानों, एफपीओ, संस्थाओं और एग्रीटेक कंपनियों को

ही मिले। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, बल्कि राज्य में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। कृषि मंत्री से अनुरोध किया गया है कि निम्नलिखित बिंदुओं पर विचार करते हुए प्रभावी कदम उठाएं जैसे कि स्थानीय किसानों को प्राथमिकता दिया जाए। मिलेट की खेती के लिए किसानों को बीज, उर्वरक और तकनीकी सहायता प्रदान करने में स्थानीय किसानों को प्राथमिकता दी जाए।एफपीओ को सशक्त बनाना सुनिश्चित हो,किसानों के उत्पाद की बिक्री और विपणन के लिए स्थानीय एफपीओ को प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की जाए।स्थानीय संस्थाओं को शामिल कर मिलेट की खेती और प्रसंस्करण से संबंधित योजनाओं में स्थानीय कृषि अनुसंधान संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों और गैर-सरकारी संगठनों को प्रभावी किया जाए। राज्य के ही एग्रीटेक कंपनियों का सहयोग लिया जाए और मिलेट की खेती और विपणन में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने के लिए स्थानीय एग्रीटेक कंपनियों को प्रोत्साहित किया जाए और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की जाए।

स्थानीय बाजारों को बढ़ावा दिया जाए ताकि स्थानीय स्तर पर मिलेट उत्पादों के लिए बाजार विकसित किए जाए और स्थानीय व्यापारियों को प्रोत्साहित किया जा सके।जागरूकता अभियान प्रारंभ हो जिसके तहत मिलेट के लाभों के बारे में किसानों और उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रयास सुनिश्चित हो सके।स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिले और राज्य के स्थानीय मिलेट उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जाएं।प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का प्रायोगिक क्रियान्वयन हो और स्थानीय किसानों, एफपीओ और संस्थाओं को मिलेट की खेती, प्रसंस्करण और विपणन में प्रशिक्षित करने के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाए। जेएलकेएम ने विश्वास जताया है कि कृषि मंत्री के नेतृत्व में झारखंड सरकार मिलेट की खेती को बढ़ावा देने और स्थानीय किसानों, एफपीओ, संस्थाओं और एग्रीटेक कंपनियों को सशक्त बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाएंगी।पत्र सौंपने में जेएलकेएम के प्रतिनिधि मंडल में केंद्रीय संगठन महासचिव सुधीर अकेला,केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता संतोष महतो,संस्थापक सदस्य देवानंद नायक शामिल थे।

जिले के 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिर को भारत सरकार द्वारा मिला एनक्यूएएस प्रमाणन

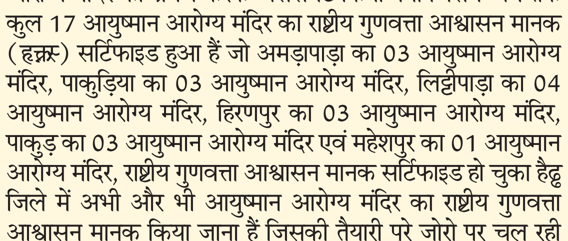

पूर्वांचल सूर्य संवाददाता, पाकुड़। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में पाकुड़ जिले में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (NHSRC) स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के मापदंड की जांच हेतु कुल 18 स्वास्थ्य केंद्रों का एक्सटर्नल असेसर टीम द्वारा पाकुड़ जिले के सभी प्रखंडों के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भ्रमण करके असेसमेंट किया गया जिसमें अब तक कुल 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (ह्न्क्र्र) सर्टिफाइड हुआ हैं जो अमड़ापाड़ा का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पाकुड़िया का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, लिट्टीपाड़ा का 04 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, हिरणपुर का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पाकुड़ का 03 आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं महेशपुर का 01 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफाइड हो चुका हैद्ध जिले में अभी और भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक किया जाना हैं जिसकी तैयारी पूरे जोरो पर चल रही हैं।उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पाकुड़ जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। यह सफलता जिला स्वास्थ्य विभाग की नियमित निगरानी, स्वास्थ्य कर्मियों की सतत मेहनत व सेवाओं में निरंतर सुधार के प्रयासों का परिणाम है। स्वास्थ्य विभाग आने वाला समय में अन्य आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को भी इस प्रमाणन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि जिले में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और विस्तृत हो सके।

हिन्दुओं ने मुस्लिम समुदाय पर लगाया मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप

- कुंदरु कलां के हिन्दुओं ने उपायुक्त रामगढ़ को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग
- हारूण वारसी, समसुल हक, असीबुल अंसारी, जियायुल अंसारी, साकीर अंसारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि ,गोला। रामगढ़ जिले के ग्राम-कुन्दरू कलां स्थित शिवालय मंदिर, बनस खुटा टांड के जमीन पर मुस्लिमों के द्वारा अवैध निर्माण कार्य शुरू किया गया है, जिसके खिलाफ स्थानीय निवासियों ने बृहस्पतिवार को उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार सहित अन्य सक्षम पदाधिकारियों को पत्र प्रेषित कर उचित कार्यवाही की मांग की है। उक्त बातें मीडिया को विज्ञप्ति के माध्यम से बताते हुए हिंदू रक्षा दल के दीपक मिश्रा ने ग्रामीणों द्वारा प्रेषित पत्र के हवाले से बताया की उक्त जमीन का खाता नं0-58, प्लाट नं0-524 रकबा 1.06 एकड़ है। जिसमें करीब 10 डी0 में घर का निर्माण किया गया है। उक्त जमीन में प्रसाशनिक हस्तक्षेप से 10 डी0 छोड़ा गया और शेष 96 डी0 बचा हुआ है। जिसमें मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों के द्वारा अवैध निर्माण करते हुए पुनः कब्जा किया जा रहा है। ग्रामीणों ने पत्र के माध्यम से इसमें नामजद व्यतियों क्रमशः-नाम-हारूण वारसी, पिता-जाहीद हुसैन। समसुल हक, पिता-हबीब अंसारी। असीबुल अंसारी (हिरू अंसारी) पिता-हबीब अंसारी। जियायुल अंसारी, पिता-हबीब अंसारी। साकीर अंसारी, पिता-जाहीद अंसारी के खिलाफ उचित कार्यवाही करते हुए मंदिर की जमीन को आजाद करने की गुहार लगाई है। दीपक मिश्रा ने कहा की इन लोगों के द्वारा शांति व्यवस्था बिगाड़नें की नियत से अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा है जिससे स्थानीय लोगों मे आक्रोश फैल रहा है। अगर समय पर उचित कदम नहीं उठाया गया तो हिन्दु-मुस्लिम समुदाय में विवाद होने की संभावना है जिसका जिम्मेवार प्रशासन होगा। क्योंकि इस जमीन पर पिछले 200 वर्षों से आदिवासी समुदाय के लोगों द्वारा प्रत्येक वर्ष मंडा पूजा त्योहार को मनाने और बनस खूंटा में झूला झूलने जैसे सनातनी रिति रिवाज को निभाने का इतिहास रहा है और अगर प्रशासन इसपर मूक दर्शक बनी रहती है तो हिंदू रक्षा दल ये घोषणा करता है की तमाम हिंदू संगठनों को एकत्रित कर भारी संख्या में उक्त स्थान पर पहुंच कर अपने धार्मिक स्थल का अस्तित्व बचाने हेतु तैयार है और विधि व्यवस्था बिगड़ी तो इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

झारखंड बांग्ला भाषी उन्नयन समिति ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

राज्य के बांग्ला भाषियों की समस्याओं की समाधान की मांग की

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। 15 मई 2025 को झारखंड बांग्ला भाषी उन्नयन समिति के प्रतिनिधियों ने जिला के उपायुक्त माधवी मिश्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन सौंपकर राज्य के बंगला भाषियों की समस्याओं के समाधान की मांग की। समिति के प्रदेश सभापति रीना मंडल ने बताया कि शिक्षा मंत्री द्वारा हाल ही में दिए गए विवादित बयान %पहले छात्र दो फिर शिक्षक और पुस्तक देंगे% इस तरह मंत्री जी के तीखा प्रतिक्रिया पर बांग्ला भाषी में रोष है इसके साथ ही रांची स्थित डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय से उनके नाम को हटाकर बांग्ला भाषी का अपमान किया गया। जिसका बांग्ला भाषी घोर निन्दा करती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बांग्ला भाषी समाज अब किसी भी स्थिति में चुप नहीं बैठेंगे। अगर मुख्यमंत्री अपना फैसला नहीं बदलते हैं तो बांग्ला भाषी अब सड़क से सदन तक जोरदार आंदोलन करेगी। पार्थ सेनगुप्ता, सुसोवन चक्रवर्ती, रघुनाथ राय सुनीता, राजकुमार सरकार, राणा चटर्जी, सम्राट चौधरी मौजूद रहे।

धनबाद एनजीओ एसोसिएशन द्वारा सीएसआर कॉन्क्लेव का होगा आयोजन

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। 15 मई 2025 को धनबाद एनजीओ एसोसिएशन द्वारा गांधी सेवा सदन में प्रेस वार्ता के माध्यम से आगामी 18 मई (रविवार) को होटल कुबेर, लुबी सर्कुलर रोड (धनबाद) में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होने वाले कार्यक्रम सीएसआर कॉन्क्लेव की जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डा.इरफान अंसारी द्वारा की जाएगी। अध्यक्षता शारदा सिंह अध्यक्ष जिला परिषद धनबाद करेंगी। मुख्यअतिथि के रूप में धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, बाघमारा विधायक शत्रुध्न महतो एवं निरसा विधायक अरूप चटर्जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में मृत्युंजय राय, एमपीएल सीएसआर हेड, कुमार मनोज जीएम सीएसआर बीसीसीएल एवं मुख्य वक्ता हरेन्द्र सिंह, कौशल सिंह एवं विषय विशेषज्ञ शुभम द्विवेदी होंगे। कार्यक्रम में 80 एनजीओ के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगें। जानकारी सचिव मगधेश कुमार, सत्यजीत, सुदर्शन साव, नासीर शाह, पिंकी पासवान, गोपाल सिंह, इरफान अंसारी एवं राम प्रवेश शर्मा ने दिया।

वैकल्पिक मार्ग पर रहे सुचारू यातायात व्यवस्था- उपायुक्त

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि,धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने बैंक मोड़ फ्लाईओवर की मरम्मती को लेकर जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित वैकल्पिक रूट पर सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कई दिशा निर्देश दिए।

उपायुक्त ने कहा कि जब तक फ्लाईओवर के दोनों लेन की मरम्मत पूरी नहीं हो जाती तब तक वैकल्पिक मार्ग के रणधीर वर्मा चौक, हिरापुर, बिनोद नगर, बरमसिया मोड़, बरमसिया ओवर ब्रिज, एफसीआई गोदाम, हावड़ा मोटर्स, फ्लाईओवर के वन वे मार्ग, रेलवे स्टेशन के दक्षिणी छोर तथा अन्य ट्राफिक दबाव के चिन्हित स्थलों पर प्रतिनियुक्त फोर्स एवं स्वयंसेवकों को सतर्क रखें। वैकल्पिक मार्ग पर अतिक्रमण न हो, यह भी सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता को युद्ध स्तर पर कार्य करने, समय पर उसे पूरा करने, कार्य की गुणवत्ता बरकरार रखने तथा व्यक्तिगत पर्यवेक्षण करने का निर्देश दिया।

वहीं स्कूलों की छुट्टी होने के बाद स्कूल बस एवं स्कूल वैन को सुगम तरीके से अपने गंतव्य की और रवाना करने, एफसीआई गोदाम के पास देर रात ट्रकों का परिचालन सुनिश्चित करने, खाली ट्रकों को सड़क के किनारे खड़ा नहीं करने देने का भी निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने मुख्यमंत्री के आगामी 20 मई 2025 के प्रस्तावित कार्यक्रम, गया पुल अंडरपास सड़क की मरम्मत, मटकुरिया से आरा मोड़ तक बन रहे फ्लाईओवर, फ्लैक्सिबल रोड बैरियर सहित अन्य बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, सिटी एसपी अजीत कुमार, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, ट्रैफिक डीएसपी अरविंद कुमार सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी.द्विवेदी, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

झारखंड बॉयज फुटबॉल टीम ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता

गिरिडीह के शिवराम हेम्ब्रम एवं हेमंत हांसदा ने टीम में निभाई अहम भूमिका

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

गिरिडीह। झारखंड की बालक फुटबॉल टीम ने बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि में गिरिडीह जिले के आवासीय बालक फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र, स्टेडियम परिसर, गिरिडीह के दो प्रशिक्षु खिलाड़ियों शिवराम हेम्ब्रम एवं हेमंत हांसदा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह केंद्र पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार के अधीन खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय द्वारा संचालित किया जाता है।

केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को समुचित प्रशिक्षण व अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

झारखंड टीम ने सेमीफाइनल में मेघालय को 2-1 से हराया और फाइनल में ओडिशा को बेहद रोमांचक मुकाबले में 7-6 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। यह जीत पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है। केंद्र के कोच रघु राज रौशन ने इन युवा खिलाड़ियों को तकनीकी कौशल, फिटनेस तथा टीम भावना में उत्कृष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया, जिसकी झलक इस स्वर्ण जीत में साफ़ दिखी। इस गौरवशाली उपलब्धि पर जिला उपायुक्त, ज़िले के सभी वरीय पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, जिला खेल समन्वयक, जिला खेल कार्यालय के सभी कर्मचारी एवं ज़िले में संचालित सभी खेल केंद्रों के कोच ने प्रसन्नता व्यक्त की है।मौके पर अर्जुन बारला, जिला खेल पदाधिकारी ने कहा यह केवल पदक नहीं है, बल्कि हमारे खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और साहस की पहचान है। गिरिडीह जैसे जिले से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण जीतना, यह दिखाता है कि सही मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। हम भविष्य में और भी खिलाड़ियों को इस मंच तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सफलता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगी कि सपने सीमाओं से नहीं, संकल्प से पूरे होते हैं।

विशेष दुकान से किताब, यूनिफॉर्म खरीदने का निजी स्कूल नहीं बना सकते दबाव- उपायुक्त

- किताब, यूनिफॉर्म, जुते, स्कूल बैग खरीदने में नहीं चलेगी निजी स्कूलों की मनमानी
- स्कूली बच्चों की सुरक्षा व वाहनों की फिटनेस से नहीं किया जाएगा समझौता

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। जिले के कोई भी निजी स्कूल विशेष दुकान से बच्चों के लिए किताब, यूनिफॉर्म, जूते, बैग इत्यादि खरीदने का दबाव अभिभावकों पर नहीं बना सकते। स्कूल कैंपस में भी किताब नहीं बेच सकते। किताबों की अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की जांच करना आवश्यक है। कुछ निजी स्कूल द्वारा बिना एमआरपी छापे किताबें की बिक्री करना नियमों का घोर उल्लंघन है। ऐसे सभी निजी स्कूलों को नियमों का पालन करने और व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए दो सप्ताह का समय दें। इसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वाले निजी स्कूलों की मान्यता रद्द करने की अनुशंसा करें।

उपरोक्त निर्देश उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने गुरुवार को जिला स्तरीय शुल्क समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा जिला शिक्षा अधीक्षक को दिया।

उपायुक्त ने कहा कि जनप्रतिनिधियों ने भी निजी स्कूलों की मनमानी से संबंधित विभिन्न शिकायतें की है।

उन्होंने कहा कि किताबों की एमआरपी की सत्यता जानने के लिए ऑनलाइन जांच करें। कहा कि गलती से की गई गलती को सुधारने के लिए निजी विद्यालयों को समय दिया जा सकता है, लेकिन जानबूझकर ऐसा करने वाले और किताब, यूनिफॉर्म, जुते, स्कूल बैग खरीदने में अपना एकाधिकार रखने वाले निजी स्कूलों के विरुद्ध जिला प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा।

उपायुक्त ने कहा कि बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ना अभिभावकों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। निजी स्कूल द्वारा विभिन्न तरह की फीस लेना, नियम विरुद्ध अप्रत्याशित रूप से फीस में बढ़ोतरी करना इत्यादि अभिभावकों की जेब के साथ-साथ बच्चों पर भी दबाव बनाता है।

बैठक में सांसद धनबाद ढुलू महतो ने स्कूल बसों की जांच करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कई निजी स्कूल रिजेक्टेड बस चलाते हैं। साथ ही बस, वैन व ऑटो ड्राइवर, स्कूल के गार्ड का चरित्र प्रमाण पत्र की जांच करने का भी अनुरोध किया।

वहीं विधायक धनबाद राज सिन्हा ने निजी स्कूलों में बीपीएल ऐडमिशन में नियमों का पालन नहीं करने, विशेष मुद्रक की ऊंची कीमत देकर किताब खरीदने, स्कूल बैग का वजन तथा अन्य मनमानी से अवगत कराया।

बैठक के समापन से पूर्व उपायुक्त ने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा, स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं स्कूल के गार्ड व अन्य कर्मियों के चरित्र प्रमाण पत्र से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने बच्चों के स्कूल बैग के वजन की औचक जांच करने का भी निर्देश दिया।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, सांसद धनबाद ढुलू महतो, विधायक धनबाद राज सिन्हा, विधायक टुंडी के प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद चौधरी, विधायक झरिया के प्रतिनिधि केडी पांडेय, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी.द्विवेदी, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, दिल्ली पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सरिता सिन्हा, संतोष कुमार सिंह मौजूद थे।

भाजपा धनबाद महानगर एवं ग्रामीण के संयुक्त तत्वाधान में निकला भव्य तिरंगा यात्रा

पूर्वांचल सूर्य प्रतिनिधि

धनबाद। 15 मई 2025 को भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर एवं ग्रामीण जिला के संयुक्त तत्वाधान में धनबाद कंबाइंड बिल्डिंग से शहीद रणधीर वर्मा चौक तक भव्य तिरंगा यात्रा निकालकर देश के वीर जवानों के प्रति आभार जताया गया।

आज के तिरंगा यात्रा में मुख्य रूप से धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, भाजपा प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, महानगर अध्यक्ष सरवन राय, ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन के भेटरन रविंद्र कुमार सिंह, अध्यक्ष रामनाथ मिश्रा, उपाध्यक्ष राजकिशोर सिंह, बालमुकुंद शर्मा, देवेंद्र कुमार सिंह, विजन कांति मुखर्जी, निर्मला सिंह आदी तिरंगा यात्रा जुलुश में प्रथम पंक्ति मे चल रहे थे। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयनका, सचिव अजय नारायण लाल, बिनोद गुप्ता, विकास कंधवे के साथ हजारों की संख्या में आम लोग एवं पार्टी के कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लिए भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय हिंद, सशस्त्र बल जिंदाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद का गगनचुंबी नारा लगाते पूरे जोश के साथ चल रहे थे। सैंकड़ो की संख्या में महिलाएं भी उपस्थित थी। शहिद रणधीर वर्मा चौक पहुंचकर तिरंगा यात्रा सभा में तब्दील हो गई। इस अवसर पर धनबाद सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि, आज पूरा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनी सेवा के साथ खड़ा है तो कांग्रेस दोहरी राजनीति कर रही है। राहुल गांधी देश के साथ और सरकार के हर कदम के साथ चलने का केवल दंभ भर रहे हैं जबकि, कांग्रेसी नेता जयराम रमेश, पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत लगातार भारतीय सैन्य क्षमता पर प्रश्न करते हुए देश का अपमान कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर की प्रचंड सफलता के साथ हमारे वीर सैनिकों के सम्मान में उनके वीरता, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक ÷एक राष्ट्र एक तिरंगा ÷यही हमारी पहचान है। यह भारत का एक-एक नागरिक कह रहा है। आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान में घुसकर उसकी हेकड़ी वीर जवानों ने निकालने का कार्य किया है। उनकी वीरता को हम सैलूट करते हैं। इस अवसर पर धनबाद के विधायक राज सिन्हा ने कहा कि, ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना ने सभी देशवासियों का सीना चौड़ा कर दिया है। भारतीय सेना ने हर भारत वासी का माता गर्व से ऊंचा कर दिया है.उन्होंने इतिहास रचने का कार्य किया है। मोदी जी के नेतृत्व में उन्होंने अदम्य साहस और शौर्य का परिचय देकर यह दिखा दिया कि यह नया भारत है। शब्दों से नहीं नीतियों से जवाब देता है। वैश्विक मंच पर भारतीय ताकत का सकारात्मक संदेश पहुंचा है। यह मोदी जी का भारत है जहां हम हर सिपाही के साथ खड़े हैं। सेवा के शौर्य प्रकरण से देश गौरवान्वित है। भारत की सेवा हमारा अभिमान है। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि आज भारत सुरक्षित हाथों में है। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि मोदी जी जैसे नेतृत्व क्षमता के रहते भारत पर जो बुरी निगाहें रखेगा तो उसे ऐसा ही मुहतोड़ जवाब मिलेगा। आज का यह तिरंगा यात्रा हमारे सैन्य बलों के सम्मान और भारत के शौर्य को समर्पित है। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि, ÷हर हाथ में तिरंगा हर दिल में भारत÷ भारत की सामरिक शक्ति का अब पूरी दुनिया लोहा मान रही है.दुश्मन को इसी भाषा में जवाब मिलेगा भारत से जो भी टकराएगा उसकी यही परिणति होगी। महानगर अध्यक्ष सरवन राय ने भारतीय सेना को नमन करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने पूरे भारतवासियों को नई ऊर्जा प्रदान की हैसंबोधित करने वालों में मुख्य रूप से सिंदरी की प्रत्याशी रही तारा देवी, घनश्याम ग्रोवर, रमेश राही, सत्येंद्र कुमार, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन के रविंद्र कुमार सिंह, अध्यक्ष रामनाथ मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज किशोर सिंह, बालमुकुंद शर्मा, देवेंद्र कुमार सिंह, विजय कांति मुखर्जी, दिनेश मोदक, अशोक कुमार यादव, चेतन गोयनका, अजय नारायण लाल आदी थे।

कार्यालय, जिला शिक्षा अधीक्षक, राँची

(आवश्यक सूचना)

अधोहस्ताक्षरी कार्यालय द्वारा जिले के प्रारंभिक शिक्षकों को ग्रेड–4 में प्रोन्नति का कार्य प्रक्रियाधीन है। सूत्रों से ज्ञात हुआ कि जिले में ग्रेड–4 में प्रोन्नति के पश्चात् मनचाहा विद्यालय में पदस्थापन के संबंध में अज्ञात/फर्जी व्यक्तियों द्वारा कार्यालय के नाम पर संबंधित शिक्षकों से अवैध राशि वसूली की मांग किये जाने संबंधी सूचना प्राप्त हो रही है। संबंधित शिक्षकों को सूचित किया जाता है कि इस तरह का किसी भी दलालों के चंगुल में न फंसे। यदि किसी भी शिक्षक द्वारा पदस्थापन के बदले राशि का लेन–देन किया जाता है एवं अधोहस्ताक्षरी के संज्ञान में आता है तो राशि लेने एवं देने वाले दोनो के उपर नियमानुसार पीड़क कार्रवाई की जायेगी।

यह प्रोन्नति विभागीय संकल्प एवं नियमानुसार किया जा रहा है। किन्ही के द्वारा इस प्रकार का कृत्य किया जाता है तो अधोत्स्ताक्षरी से सीधे मोबाईल नं० 8409636008 पर संपर्क किया जा सकता है। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जायेगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक
राँची

PR 352478 Human Resource Developement(25-26).D

प्रपत्र VI 'क'
समाहर्त्ता या समुचित सरकार
उपायुक्त का कार्यालय, चतरा (भू–अर्जन शाखा)

प्रारंभिक अधिसूचना

(अधिनियम–30/2013 की धारा–11(1) के अधीन)

ज्ञापांकः–1126/भू0अ0 दिनांकः–10.05.2025

चूंकि समाहर्त्ता, चतरा को यह प्रतीत होता है कि ग्राम– **नावाडीह डमौल**, थाना नं0– **52** थाना– **पत्थलगड्डा**, अंचल– **पत्थलगड्डा**, जिला– **चतरा** में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा **परियोजना Widening & Strengthening to 2 lane of Duwari to Role Road (MDR-99) निर्माण हेतु** अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम– **नावाडीह डमौल**, थाना– **पत्थलगड्डा**, थाना नं0– **52**, अंचल– **पत्थलगड्डा**, जिला– **चतरा** में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश **0.97898** एकड़ यानि **0.396187** हेक्टेयर मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है,

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा संरचना उ0	द0	पू0	प0
151	-	3067	–	–	0.0051	बासुदेव दांगी पिता– देवलाल महतो	आमिर दांगी	अर्जुन दांगी	पक्का सड़क	नीज
152	-	3067	–	–	0.0028	आमिर दांगी पिता– प्रसाद महतो	किशोर दांगी	बासुदेव दांगी	पक्का सड़क	नीज
153	-	3067	–	–	0.0028	किशोर दांगी पिता– प्रसाद महतो	डिलो दांगी	आमिर दांगी	पक्का सड़क	नीज
154	-	3067	–	–	0.0028	डिलो दांगी पिता– प्रसाद महतो	बलदेव दांगी	किशोर दांगी	पक्का सड़क	नीज
155	-	3066	–	–	0.0076	बलदेव दांगी पिता– झमन महतो	बलदेव दांगी	किशोर दांगी	पक्का सड़क	नीज
156	-	3065	–	–	0.008	राजदेव दांगी पिता– डोमन महतो	राजदेव दांगी	डिलो दांगी	पक्का सड़क	नीज
157	-	3060	–	–	0.0012	उदय दांगी पिता– तेजो महतो	उदय दांगी	बलदेव दांगी	पक्का सड़क	नीज
158	-	3059	–	–	0.0010	तिलेश्वर दांगी पिता– लाटो महतो	दिनेश्वर दांगी	उदय दांगी	पक्का सड़क	नीज
159	-	3056	–	–	0.0011	दिनेश्वर दांगी पिता– जबर महतो	शंकर दांगी	तिलेश्वर दांगी	पक्का सड़क	नीज
160	-	3017	–	–	0.0096	प्रमेश्वर दांगी पिता– कुढ़न महतो	फुलो महतो	हरीनारायण मिश्र	नीज	पक्का सड़क
161	-	3019	–	–	0.0072	फुलो महतो पिता– सहदेव महतो	दजीत महतो	परमेश्वर दांगी	नीज	पक्का सड़क
162	-	3040	–	–	0.00912	गोपाल दांगी पिता– सहदेव महतो	रूदो महतो	फुलो महतो	नीज	पक्का सड़क
163	-	3040	–	–	0.0099	रूदो महतो पिता– हिला महतो	कृष्णा दांगी	गोपाल दांगी	नीज	पक्का सड़क
164	-	3077	–	–	0.0016	कृष्णा दांगी पिता– समलाल महतो	भिंड	रूदो महतो	नीज	पक्का सड़क
165	-	4195	–	–	0.0052	मोती दांगी पिता– बलदेव महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	गणेश दांगी	पक्का सड़क
166	-	4164	–	–	0.0052	मोती दांगी पिता– बलदेव महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	गणेश दांगी	पक्का सड़क
167	-	4163	–	–	0.0058	गणेश दांगी पिता– फागु महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	सुकर महतो	मोती दांगी
168	-	4162	–	–	0.0013	सुकर महतो पिता– हेमराज महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	उदय साव	गणेश दांगी
169	-	4161	–	–	0.0013	सुकर महतो पिता– हेमराज महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	उदय साव	गणेश दांगी
170	-	4160	–	–	0.0010	उदय साव पिता–..........	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	विजय दांगी	सुकर दांगी
171	129	4159	रैयती	धान खेत II	0.0052	अर्जुन दांगी पिता– टेकन महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	पुरन दांगी	उदय साव
172	129	4159	रैयती	धान खेत II	0.0052	पुरन महतो वगै0 पिता– गणेश महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	महावीर प्रसाद	अर्जुन दांगी
173	07	4158	रैयती	धान खेत II	0.0024	महावीर प्रसाद पिता–	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	गेनु महतो	पुरन महतो
174	07	4158	रैयती	धान खेत II	0.0016	गेनु महतो पिता– धनु महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	बनवाई सोनी	महावीर प्रसाद
175	07	4158	रैयती	धान खेत II	0.0011	बनवारी सोनी पिता–	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	राजेश सोनी	गेनु महतो
176	07	4158	रैयती	धान खेत II	0.0012	राजेश सोनी वो संतन सोनी वो मनोज सोनी पिता– लक्ष्मी सोनी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	मदन प्रसाद	बनवारी सोनी
177	07	4158	रैयती	धान खेत II	0.0046	मदन प्रसाद, पोखन प्रसाद पिता–	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	जितेन्द्र दांगी	राजेश सोनी
178	07	4158	रैयती	धान खेत II	0.0020	जितेन्द्र दांगी पिता– दासो महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	विजय प्रसाद	मदन प्रसाद
179	07	4158	रैयती	धान खेत II	0.0028	विजय प्रसाद पिता– सुरज महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	सिटा राम	जितेन्द्र दांगी
180	07	4158	रैयती	धान खेत II	0.0028	सीताराम प्रसाद पिता– सुरज महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	राजेन्द्र प्रसाद	विजय प्रसाद
181	07	4158	रैयती	धान खेत II	0.0028	राजेन्द्र प्रसाद पिता– छेदी महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	गौरी देवी	सिता राम
182	-	319	–	–	0.0066	गौरी देवी पति– अशोक कुमार	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	हेमनाथ प्रसाद	राजेन्द्र प्रसाद
183	-	319	–	–	0.00616	हेमनाथ प्रसाद वगै0 पिता– ठरकु महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	कौलेश्वर प्रसाद	गौरी देवी
184	-	319	–	–	0.0012	कौलेश्वर प्रसाद वो बालेश्वर प्रसाद वो त्रिभुवन प्रसाद पिता– डुली कुर्मी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	चंद्र शेखर प्रसाद	हेमनाथ प्रसाद
185	-	320	–	–	0.0012	कौलेश्वर प्रसाद वो बालेश्वर प्रसाद वो त्रिभुवन प्रसाद पिता– डुली कुर्मी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	चंद्र शेखर प्रसाद	हेमनाथ प्रसाद
186	-	320	–	–	0.0052	चन्द्र शेखर प्रसाद पिता– महादेव महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	सखो देवी	कौलेश्वर प्रसाद
187	-	320	–	–	0.0054	सखो देवी पति– तिलेश्वर प्रसाद	नीज	पक्का सड़क	परमेश्वर प्रसाद	चन्द्रशेखर प्रसाद
188	-	321	–	–	0.0099	परमेश्वर प्रसाद पिता– करम महतो	नीज	पक्का सड़क	अलाउद्दीन	सखो देवी
189	-	4166	–	–	0.0048	अलाउद्दीन मियां पिता– अमरेली मियां	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	अर्जुन दांगी	परमेश्वर प्रसाद
190	-	4166	–	–	0.0016	अर्जुन दांगी पिता– दर्शन महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	ब्रहमदेव दांगी	अलाउद्दीन
191	-	4166	–	–	0.0013	ब्रहमदेव दांगी पिता– तुलसी दांगी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	कामदेव दांगी	अर्जुन दांगी
192	-	4166	–	–	0.0064	कामदेव दांगी पिता– सुरेश दांगी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	महेन्द्र दांगी	ब्रहमदेव दांगी
193	-	4166	–	–	0.0066	महेन्द्र दांगी पिता– सुरेश दांगी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	बिरो महतो	कामदेव दांगी
194	-	4166	–	–	0.0012	बुधन दांगी वगै0 पिता– बिरो महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	किशोरी दांगी	महेन्द्र दांगी
195	-	4166	–	–	0.0011	किशोरी दांगी पिता– भीखों महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	महेश्वर दांगी	बुधन महतो
196	-	4166	–	–	0.0092	महेश्वर दांगी पिता– भीखो दांगी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	रामसेवक दांगी	किशोरी दांगी
197	-	4533	–	–	0.0022	किशोरी दांगी पिता– भीखो महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	महेश्वर दांगी	रामदास दांगी
198	-	4533	–	–	0.0024	महावीर दांगी पिता– भीखो दांगी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	सीताराम दांगी	किशोरी दांगी
199	-	4533	–	–	0.0020	सीताराम दांगी पिता– गोवर्धन महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	ब्रहमदेव दांगी	महेश्वर दांगी
200	-	4533	–	–	0.0010	ब्रहमदेव दांगी पिता– तुलसी दांगी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	जनार्दन दांगी	सीताराम दांगी
201	-	4533	–	–	0.0099	जनार्दन दांगी पिता– दर्शन महतो	नीज	पक्का सड़क	लखन दांगी	ब्रहमदेव दांगी
202	-	4533	–	–	0.0014	लखन दांगी पिता– लेदो महतो	नीज	पक्का सड़क	कुढ़न महतो	जनार्दन दांगी
203	-	4533	–	–	0.0012	कुढ़न महतो पिता– पेमा महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	भुनेश्वर महतो	लखन दांगी
204	-	4533	–	–	0.0054	भुनेश्वर महतो पिता– डोमन महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	तुलसी दांगी	कुढ़न महतो
205	-	4533	–	–	0.0060	तुलसी साव पिता– भीखो साव	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	बासुदेव दांगी	भुनेश्वर महतो
206	128	4174	रैयती	धान खेत II	0.0038	बासुदेव दांगी वगै0 पिता– लटो महतो वो रामसेवक महतो वो कृष्णा दांगी वो राजदेव दांगी वो बंधु दांगी वो कोमल दांगी	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	परमेश्वर दांगी	तुलसी दांगी
207	128	4174	रैयती	धान खेत II	0.0033	परमेश्वर दांगी वगै0 पिता– देवकी महतो वो उदय दांगी पिता– दुखी महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	सुरज महतो	बासुदेव दांगी
208	128	4174	रैयती	धान खेत II	0.0035	सुरज महतो वगै0 पिता– टीको महतो वो टुकन महतो वो वकील महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	बालेश्वर दांगी	सुरज दांगी
209	128	4174	रैयती	धान खेत II	0.0072	बालेश्वर दांगी पिता– कन्हैया महतो वो देवव्रत दांगी पिता– लालदेव महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	राजेन्द्र दांगी	सुरज दांगी
210	128	4174	रैयती	धान खेत II	0.0016	राजेन्द्र दांगी पिता– लटो महतो	बाजोबार सिमाना	पक्का सड़क	राजकुमार दांगी	बालेश्वर दांगी

लगातार प्रकाशित..................

उपायुक्त,
चतरा।

PR 352489 (Land Reforms) 25-26 (D)

संक्षिप्त समाचार

अगले महीने मुश्किल भरा होगा दक्षिण भारत का सफर, राप्ती सागर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें रद्द

लखनऊ, एजेंसी। गर्मी की छुट्टी मनाने अगले महीने दक्षिण भारत जाने वाले यात्रियों के लिए उनका सफर मुश्किल भरा हो सकता है। रेलवे ने जून महीने में दक्षिण भारत की ओर जाने वाली कई ट्रेनों को निरस्त कर दिया है।

दक्षिण मध्य रेलवे के बल्लारशाह-काजीपेट रूट पर तीसरी लाइन की कमीशनिंग काम होगा। इस कारण 05, 06, 08, 12, 13, 15 व 19 जून को चलने वाली 12511 गोरखपुर-तिरूवनन्तपुरम राप्ती सागर एक्सप्रेस का संचालन निरस्त होगा।

वहीं, वापसी में 04, 08, 10, 11, 15, 17 व 18 जून को 12512 तिरूवनन्तपुरम-गोरखपुर राप्ती सागर एक्सप्रेस निरस्त रहेगी। इसी तरह 02 व 09 जून 12521 बरौनी-एर्नाकुलम एक्सप्रेस, 06 व 13 जून को 12522 एर्नाकुलम एक्सप्रेस, 07 व 14 जून को 12591 गोरखपुर-यशवन्तपुर एक्सप्रेस और वापसी में 09 व 16 जून को 12592 यशवन्तपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस का संचालन निरस्त होगा।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर वीर सैनिकों दिया गया अनोखा सम्मान, तिरंगे की रोशनी से नहाया रेलवे स्टेशन

देवरिया, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और पराक्रम के सम्मान में जिले के रेलवे स्टेशन बुधवार की रात में ट्राई कलर (तिरंगा) रोशनी से जगमगाने लगे। भारतीय रेल ने वीर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह अनूठा आयोजन किया।

इस मौके पर जिले के गौरीबाजार से बनकटा, भटनी से तूतीपार और बरहज तक के रेलवे स्टेशनों पर राष्ट्रभक्ति का अलग जोश देखने को मिला। इस दौरान तिरंगे की रोशनी में नहाए रेलवे परिसर देशभक्ति के गीतों से गूंज उठे। वहीं स्टेशनों पर लगी स्क्रीनों पर राष्ट्रभक्ति से जुड़े विजुअल्स ने यात्रियों को राष्ट्र प्रेम की भावनाओं से भर दिया।

भारतीय रेल की इस पहल ने न केवल सेना के रणबांकुरों का अभिनंदन किया, बल्कि आम जनता को भी ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा से जोड़ा। यह आयोजन दर्शाता है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपने वीर सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद न्याय की अखंड प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की वह गौरव गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

स्टेशन अधीक्षक संदीप भटनागर ने कहा कि ऑपरेशन की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय रेल ने देश के विभिन्न हिस्सों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया है। जिसने देशवासियों के मन मस्तिष्क में राष्ट्रप्रेम और सेना के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया जा सके। इसके अलावा भारतीय रेल ने तिरंगा यात्रा के साथ तमाम स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के जरिए भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जनमानस तक पहुंचाया।

17 मई से नौ जुलाई तक इन प्रमुख स्टेशनों पर नहीं रुकेगी गोरखधाम

गोरखपुर, एजेंसी। लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर विभिन्न तिथियों में गोरखपुर-बांद्रा समेत सात एक्सप्रेस ट्रेनें मार्ग बदलकर चलाई जाएंगी। 17 मई से नौ जुलाई तक गोरखधाम एक्सप्रेस बादशाहनगर एवं ऐशबाग व लखनऊ स्टेशन पर नहीं रूकेगी। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह के अनुसार उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार और पांच पर निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण के चलते विभिन्न तिथियों में यातायात एवं पावर ब्लाक लिया जाएगा। इसके चलते कुछ ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा।

किसान पथ पर बस में लगी आग, दो बच्चों समेत पांच की जिंदा जलकर मौत

लखनऊ, एजेंसी। कल्ली पश्चिम में किसानपथ पर गुरुवार सुबह बिहार से दिल्ली जा रही एक निजी बस में आग लगने से दो बच्चे, दो महिलाओं समेत एक पुरुष की जलने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची पीजीआई, मोहनलालगंज पुलिस ने खिड़की दरवाजे खोलकर अंदर फंसे अन्य लोगों को बाहर निकाला।

जानकारी के मुताबिक, मोहनलालगंज के कल्ली पश्चिम में गुरुवार की सुबह एक निजी डबल डेकर बस बिहार से सवारियां लेकर दिल्ली जा रही थी। इस बीच बस के गियर बॉक्स में अचानक आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना के वक्त सवारियां अंदर सो रही थी। लपटें देख लोगों में चीख पुकार मच गई।

लोगों ने बस से निकलने के प्रयास शुरू कर दिए। इस बीच अंदर फंसने से बिहार के समस्तीपुर निवासी 55 वर्षीय लख्खी देवी, उनकी 26 वर्षीय बेटी सोनी, 26 वर्षीय मधुसूदन, बिहार के सीतामढ़ी निवासी रामबालक की दो वर्षीय बेटी साक्षी और तीन वर्षीय देवराज की अंदर फंसकर जलने से मौत हो गई।

आग लगने से लोगों में अचानक भगदड़ मच गई। किसी तरह खिड़कियां तोड़कर लोग बाहर निकले। घटना में कई लोगों का सारा सामान, दस्तावेज जलकर राख हो गए। लोग जैसे तैसे निकलकर बाहर भागे। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि घायलों का प्राथमिक उपचार कराया गया। साथ ही जो लोग हैं उन्हें अन्य वाहनों से रवाना किया गया है।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

सवारी बालकराम की तहरीर पर बस मालिक, ट्रैवल एजेंट, ड्राइवर समेत अन्य पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। कार्रवाई के लिए एक टीम बनाई गई है।

दो ट्रकों की आपस में भिड़ंत से लगी आग, एक के चालक की मौत हेल्पर घायल

लखनऊ, एजेंसी। अयोध्या रोड स्थित सेमरा मोड़ पर गुरुवार तड़के दो ट्रकों में भीषण टक्कर हो गई। टक्कर से ट्रक में आग लग गई। चिनहट पुलिस ने दमकल की मदद से आग पर काबू पाया, फिर दो घायलों को लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने एक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे का इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे की घटना है।

जांच में सामने आया कि अयोध्या रोड स्थित सेमरा मोड़ के पास दो ट्रकों में टक्कर हो गई, फिर आग लग गई। मौके पर पहुंचे देखा कि दो लोग फंसे हुए हैं। तत्काल दमकल बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने 20 मिनट में आग पर काबू पाया। इंस्पेक्टर ने बताया कि ट्रक संख्या यूपी 43 एटी 5918 का हेल्पर अंकित निवासी सिंहपुर थाना धानेपुर जनपद गोंडा को साधारण चोटें आई है। वहीं, चालक राजेन्द्र निवासी मादवापुर थाना वजीरगंज जनपद गोंडा आग में झुलस गया, जिसे लोहिया अस्पताल भेजा गया, जहां राजेन्द्र को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि मौके पर दोनों ट्रकों को सड़क किनारे कराकर यातायात सुचारू रूप से चला दिया गया है। मृतक के परिवारिजन को सूचना दे दी गई है। उनके आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक की टक्कर से ऑटो पलटा, सात लोगों की मौतज्दो गंभीर घायल

कानपुर, एजेंसी। हरदोई जिले के कासिमपुर थाना क्षेत्र में संडीला–बांगरमऊ मार्ग पर ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे के बाद ऑटो पलट गया, जिसमें दबकर ऑटो सवार सात लोगों की मौत हो गई। संडीला–बांगरमऊ मार्ग पर बड़ी संख्या में ऑटो चलते हैं। इसी तरह का एक ऑटो बृहस्पतिवार को नौ सवारियां लेकर संडीला की तरफ जा रहा था। हरदलमऊ गांव के पास ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी। ऑटो में सवार सात लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो घायलों को अस्पताल भेजा गया है। पुलिस जांच की कार्रवाई में जुटी है। पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त की है, रंजीत (27) ऑटो चालक निवासी बाजरखेड़ा कासिमपुर, निसार (35) निवासी बनवा कछौना, रविंद्र (19) पुत्र नंदराम निवासी ग्राम मलहन खेड़ा थाना कासिमपुर, फूलजहां (28) पत्नी सिराज निवासी ग्राम बेहटा थाना बेहटा मुजावर जनपद उन्नाव, अंकित (20) पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम बहदिन थाना कछौना, बिटान उर्फ पिंकी 30 पत्नी रोहित निवासी ग्राम धतीगढ़ा थाना कासिमपुर और मृतक अयाज (3) पुत्र सिराज निवासी ग्राम बेहटा मुजावर जनपद उन्नाव शामिल हैं।

कानपुर चिड़ियाघर में गोरखपुर से लाए गए शेर पटौदी की मौत, बर्ड फ्लू की आशंका

कानपुर, एजेंसी। गोरखपुर से शहर के चिड़ियाघर लाए गए शेर पटौदी की मौत हो गई है। उसने खाना छोड़ दिया था, बहुत कम मात्रा में पानी पी रहा था। शेर को ड्रिप से दवाई चढ़ाई जा रही थी। शेर के खून के नमूने राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भोपाल भेजे गए है। रिपोर्ट आने के बाद पुष्टि हो सकेगी की शेर को बर्डफ्लू था अथवा नहीं। शेर की मौत के बाद चिड़ियाघर में सतर्कता बढ़ दी गई है। पूरे परिसर को सेनीटाइज किया जा रहा है। जानवरों की व्यवहार पर नजर रखी जा रही है, नियमित जांच की जा रही है।

गोरखपुर के चिड़ियाघर में बीमार शेर पटौदी को कानपुर चिडियाघर में इलाज के लिए रविवार को कानपुर भेजा गया था। उसके लीवर में संक्रमण था। गोरखपुर में उसका इलाज बरेली स्थित इंडियन वेटनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट की टीम कर रही थी। उसकी हालात में सुधार नहीं हो रहा था।

प्रदेश के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा. अरुण कुमार सक्सेना के निर्देश पर उसे कानपुर चिड़ियाघर में इलाज के लिए भेजने का निर्णय लिया गया। पटौदी लगभग 15 वर्ष का है। शेर की औसत आयु भी इतनी होती है। पटौदी काफी कमजोर था।

वहीं गोरखपुर चिड़ियाघर में बाघिन शक्ति की मौत के बाद राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भोपाल से आई उसकी विसरा जांच में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि शेर को भी बर्डफ्लू हो सकता है।

युवक को घर से बुलाकर ले गए, लाठी-डंडों से पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

नई बाजार (गोरखपुर), एजेंसी। झंगहा के नदुआज्ञानपार गांव स्थित काली टोला निवासी 22 वर्षीय धीरज निषाद उर्फ विधायक की बुधवार देर रात हत्या कर दी गई। मृतक को घर से बुलाकर बाइक सवार युवक नई बाजार-बोहाबार मार्ग पर ले गए, जहां पोछियहवां बीस नंबर बोरिंग के पास सड़क किनारे लाठी, डंडे और लोहे की राड से पीट-पीट कर उसकी जान ले ली गई। घटना से गांव में हड़कंप मच गया है। आरोपितों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

मृतक के भाई सूरज और बहन संध्या ने पुलिस को बताया कि बुधवार रात धीरज को कुछ युवक घर से बुलाकर बाइक पर साथ ले गए। काफी देर तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजन चिंतित हो गए। रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि सड़क किनारे किसी युवक की लाश पड़ी है। जब वह लोग पहुंचे तो धीरज खून से लथपथ मृत मिला। उसके सिर और शरीर पर चोट के गंभीर निशान थे। परिवार के लोगों ने मिश्रौलिया गांव के युवकों पर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों से धीरज की पुरानी रंजिश थी। इसी विवाद में वारदात हुई है। गांव के लोगों में इस घटना को लेकर नाराजगी है।

घटनास्थल की जांच के लिए फोरेंसिक टीम भी बुलाई गई है। हत्या में प्रयुक्त हथियारों की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से बातचीत कर हर पहलू की जानकारी ली।

उन्होंने बताया कि घटना गंभीर है। जिन पर आरोप है उनकी तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़कर कार्रवाई की जाएगी। घटना से जुड़े सभी बिंदुओं पर जांच जारी है।

यूपी कैबिनेट की बैठक : ऑपरेशन सिंदूर में सेना के शौर्य की सराहना की, कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को दी मंजूरी

लखनऊ, एजेंसी। यूपी कैबिनेट ने बृहस्पतिवार को कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी है। प्रदेश में सीड पार्क बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इससे करीब 15000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को सराहा गया और प्रशंसा की गई। इसके अलावा कैबिनेट ने कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

बैठक के बाद फैसलों की जानकारी देते हुए यूपी सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यूपी में बीजों के प्रसंस्करण के लिए चौधरी चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क बनेगा। इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत 270 लाख हेक्टेयर पर खेती की जाएगी।

प्रदेश के लिए लिए 70 लाख कुंतल बीज की जरूरत है। अभी यूपी में 40 लाख कुंतल बीज का ही उत्पादन हो रहा है। 10 क्लाइमेट जोन में स्थापित किए जाएंगे। पहला अटारी पार्क होगा। इसमें 270 करोड़ का खर्च आएगा। सीड पार्क में हाईब्रिड सीड बनेगा। इससे डेढ़ गुना उत्पादन बढ़ेगा।

6500 करोड़ बीज पर खर्च होंगे। सीड उत्पादक कंपनियों को लीज पर जमीन दी जाएगी। इससे 15000 लोगों को रोजगार मिलेगा। अभी 3500 करोड़ का ही उत्पादन हो रहा है। 36 कंपनियों ने रुचि जाहिर की है। बड़ी कंपनियों के आने का रास्ता खुलेगा।

बैठक में नगर विकास विभाग के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। यह योजना 2016 से भारत सरकार के सहयोग से चल रही है। अमृत एक योजना में 328 कार्य दिए गए थे। 307 हो गए हैं 60 निकायों में। दूसरे चरण में 529 काम दिए गए थे।

यूपी दुग्धशाला विकास एवं उत्पादन नीति को मंजूरी दुग्ध आधारित उद्योगों की स्थापना को मंजूरी दी। इसमें छोटे निवेशक आयेंगे। खाद्य प्रसंस्करण में पांच करोड़ का अनुदान दिया गया है। नई दुग्ध इकाई में 35 फीसदी तक की सुविधा होगी। अब बड़े निवेशक आयेंगे। कई मद में अनुदान दिया जाएगा।

वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभा में प्रधान का मानदेय आदि पर खर्च को लेकर ग्राम सभा को मिलने वाला फंड कम पड़ जाता है। ग्राम सभाएं अपनी आय बढ़ाएं। जो ग्रामसभा जितना आय करेगी उसका पांच गुना बजट दिया जाएगा। इसके लिए सौ करोड़ की व्यवस्था बजट में है। अगर कोई व्यक्ति बरातघर बनवाता है तो 60 फीसदी धनराशि दान से और 40 फीसदी सरकार के देने का प्रावधान है। 60 से ज्यादा ग्राम पंचायतों में बारातघर बनेंगे।

नागरिक उड्डयन निदेशालय में संविदा कर्मचारियों के वेतन का पुनर्निधारण किया गया। उन्हें सातवें वेतनमान का लाभ नहीं मिल पा रहा था। 18 पायलट हैं और अन्य 150 से ज्यादा पद हैं। पायलट ज्यादा पैसे की वजह से छोड़ कर जा रहे हैं।

माफिया अतीक से मुक्त कराई गई जमीन पर कब्जे मामले में इंस्पेक्टर सस्पेंड, विभागीय जांच के आदेश

प्रयागराज, एजेंसी। माफिया अतीक के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर लगे कुर्की संबंधी बोर्ड को उखाड़कर फेंकने और फिर बाउंड्री बनाकर प्लाटिंग करने के मामले में एयरपोर्ट थाने के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार सिंह (आब्जर्वर) को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही विभागीय जांच भी बैठाई गई है। पुलिस की जांच में पता चला है कि जमीन पर कब्जा करने का 'खेल' तत्कालीन आब्जर्वर की मिलीभगत से हुआ था, जिसकी जांच रिपोर्ट के आधार पर निलंबन की कार्रवाई की गई है। माफिया अतीक अहमद ने कुछ साल पहले राजमिस्त्री हुबलाल के नाम पर गरीब किसानों को डरा–धमकाकर जमीन गौसपुर कटहुला में जमीन लिखवाई थी। माफिया की मौत के बाद हुबलाल सामने आया तो अतीक की बेनामी संपत्ति का पता चला था। तब करीब साढ़े 12 करोड़ रुपये की प्रापर्टी को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किया गया। साथ ही प्रापर्टी को राज्य सरकारी में निहित कराने की कार्यवाही हुई थी। कुर्क की गई जमीन की देखरेख करने के लिए तत्कालीन थाना प्रभारी एयरपोर्ट अरुण कुमार सिंह को आब्जर्वर बनाया गया था, ताकि कोई भी शख्स सरकारी संपत्ति से छेड़छाड़ नहीं कर सके। लेकि इसके बाद भी हिस्ट्रीशीटर समेत अन्य लोगों ने सरकारी बोर्ड उखाड़ दिया और फिर बाउंड्री करके प्लाटिंग शुरू कर दी थी। शिकायत पर पुलिस कमिश्नर ने राजपत्रित अधिकारी से जांच कराई, जिसके बाद कार्रवाई हुई है। इससे पहले पुलिस ने कुर्क की गई जमीन पर फिर से बोर्ड लगवाया था। डीसीपी पुलिस लाइन नीरज पांडेय ने बताया कि इंस्पेक्टर पर गंभीर आरोप लगे थे, जिसकी जांच हुई थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर इंस्पेक्टर अरुण कुमार को निलंबित करते हुए विभागीय जांच बैठाई गई है।

पीएचसी में अचानक आ धमकी टीम, डीएम के सामने खुला अस्पताल का बड़ा राज

सीएमओ को तुरंत एक्शन के दिए निर्देश

हापुड़, एजेंसी। हापुड़ में कस्तला कासमाबाद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भ्रष्टाचार की मिली शिकायत पर बुधवार को डीएम अभिषेक पांडेय औचक निरीक्षण करने को पहुंचे।

उन्हें शिकायत मिली थी कि प्रसव के नाम पर 1500-2000 रुपये लिए जाते हैं। आशा जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए रिश्वत ले रही है। इसके बाद उन्होंने महिलाओं से जानकारी ली तो इसकी पुष्टि हुई। इस पर डीएम ने अस्पताल की एएनएम शीतल व आशा शिमला के खिलाफ कार्रवाई करने के सीएमओ को निर्देश दिए हैं। डीएम कार्यालय में कस्तला कासमाबाद गांव के एक व्यक्ति ने पीएचसी पर तैनात एएनएम शीतल की शिकायत की थी। इस शिकायत पर डीएम सीएमओ डा. सुनील कुमार त्यागी के साथ करीब तीन बजे पीएचसी केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से भी वार्ता की।

ग्रामीणों ने बताया कि अस्पताल में उन्हें अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। प्रसव कराने के लिए प्रसूता के पुरिजन से अलग से पैसे की मांग करते हैं। साथ ही गांव में तैनात आशा से यदि जन्म प्रमाण पत्र बनवाया जाता है तो उसके नाम पर 200 रुपये लिए जाते हैं। इस पर डीएम ने सीएमओ को निर्देश दिए कि एएनएम शीतल व आशा शिमला की सेवा समाप्त की जाएं। निरीक्षण करने के बाद जैसे ही डीएम चले गए तो एएनएम ने आरोप लगाया कि कुछ ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया और मारपीट की। ग्राम प्रधान प्रदीप तोमर ने बीच-बचाव करनाया। जिस पर ग्रामीणों ने उनके साथ भी मारपीट कर दी। इसके बाद ग्राम प्रधान ने कोतवाली में इसकी शिकायत की। इससे नाराज होकर उनके घर

40-50 लोग आ गए। उन्होंने गेट तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो पाए। अब गांव में तनाव देखते हुए पुलिस बल को तैनात कर दिया है।

डीएम डीएम बुधवार को नगर पंचायत बाबूगढ़ का भी औचक निरीक्षण करने को पहुंचे। उन्होंने पालिकाध्यक्ष सुधा देवी व सभासदों के साथ-साथ लोगों के साथ बैठक की। उन्होंने उनसे नगर पंचायत क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों को लेकर चर्चा की।

लोगों ने बताया कि काफी समय पहले सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए आदेश आए थे, लेकिन नहीं लग सके हैं। जलकल विभाग द्वारा ओवरहेड टैंक का निर्माण कराया गया था, लेकिन उसमे लीकेज है। विभाग द्वारा रास्ते भी टूटे ही छोड़े गए हैं। लोगों ने क्षेत्र में सीएचसी खुलवाने के लिए भी मांग की है। अवैध रूप से लगे होर्डिंग का भी मुद्दा उठाया गया। इसपर डीएम ने अवैध होर्डिंग हटाने के निर्देश दिए।

संपादकीय

मैदान का शेर विराट कोहली

क्रिकेट टेस्ट मैचों के मुकाबलों में अब विराट कोहली नहीं होंगे। मगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दुनिया में अब तक उनकी जो जगह बन चुकी है, उसमें इस खेल के हर प्रारूप में उनकी छवि मौजूद होगी। सोमवार को विराट कोहली ने जब सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की, तो भारत सहित दुनिया भर में इस खेल में उनके सफर को याद करते हुए उन्हें भावुक विदाई दी गई। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टी-20 मैचों से वे पहले ही संन्यास ले चुके हैं और अब टैस्ट मैचों में भी नहीं दिखेंगे। हालांकि एकदिवसीय मैचों में वे मौजूद रहेंगे। दरअसल, विराट कोहली के उभार के बाद से अब तक देश और दुनिया भर में लोगों ने जिस रूप में उन्हें देखा है, उसमें वे ज्यादातर लोगों के दिमाग में एक सदाबहार, सहृदय और बेहद सक्षम खिलाड़ी के रूप में स्थिर हो चुके हैं। विराट ने भारत को चालीस टैस्ट मैचों में जीत दिलाई, लगातार नौ टेस्ट शृंखला जीतने का कीर्तिमान कायम किया। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में छह दोहरे शतक, बीस शतक और नाबाद 254 रन का कीर्तिमान दर्ज है। विराट कोहली के सफर में आए उतार-चढ़ाव उनके प्रदर्शन में कभी बाधक नहीं बने। कभी मैदान में उन्होंने अपनी चमक बिखेरी, तो उसकी चकाचौंध में डूबे नहीं, कभी मद्धिम पड़े तो उससे हारे नहीं। सन 2014 में इंग्लैंड में एक टेस्ट शृंखला के पांच मैचों में दस पारियों में विराट ने महज एक सौ पैंतीस रन बनाए, तब उनकी क्षमता पर सवाल उठाए जाने लगे थे। हालांकि उससे पहले वे अलग-अलग देशों के कई तेज पिचों पर शतक जमा चुके थे और उन्हें तेजी से उभरता सितारा माना जाने लगा था। विराट ने अपने उस प्रदर्शन को सबक के तौर पर लिया, अपनी बल्लेबाजी की तकनीक और कौशल में सुधार लाने के लिए उन्होंने खुद को सख्त मेहनत और अभ्यास में झोंक दिया और फिर ऐसे खिलाड़ी के रूप में उभर कर सामने आए, जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में अपनी क्षमता साबित की और खेल के रुख को बदल देने वाले चेहरे के तौर पर मशहूर हुए। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेस्ट क्रिकेट की दुनिया को वे शिद्दत से याद आएंगे।

भारत का रुख हमेशा की तरह साफ था कि हम युद्ध नहीं चाहते। हमारी लड़ाई किसी मुल्क से नहीं, बल्कि आतंकवादियों से है। उन आतंकवादियों से, जो हमारे सपूतों के खून से अपने हाथ धोकर पाकिस्तान के अपने शरणालयों में चले जाना चाहते हैं। हम उनके उन आकाओं का खात्मा चाहते हैं, जिन्होंने पिछली 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में धार्मिक आधार पर 26 भारतीयों की हत्या की साजिश रची। उन्हें खत्म करना, हमारी पवित्र जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई दिल्ली की सरकार ने यही तो किया।

पाक के परमाणु बम पर सोचें

(शशि शेखर)

भारत ने साबित कर दिया कि हम पाकिस्तानी नेताओं और रावलपिंडी के जनरल साहबान की उन भभकियों से नहीं डरने वाले कि हम परमाणु हमला कर देंगे। युद्ध की आशंकाओं से लरजती शनिवार की शाम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टवीट शांति की समझ लेकर आया। उन्होंने दोनों देशों को बधाई दी कि वे संपूर्ण संघर्ष-विराम के लिए तैयार हो गए हैं। बाद में भारत और पाकिस्तान, दोनों ने इसकी पुष्टि की।जो लोग अमन चाहते थे, उनके लिए यह खबर यकीनन सुकूनदेह है। जंग किसी समस्या का हल नहीं, पर क्या हमारे ऊपर थोपे जाने वाले आतंकवाद की आहटें हमेशा के लिए थम गईं? तत्काल इसका जवाब देना असंभव है, पर एक बात तय है कि भारत ने अपना तात्कालिक लक्ष्य हासिल कर लिया है। पाकिस्तान में चल रहे आतंक के तमाम अड?डे ध्वस्त किए जा चुके हैं। पड़ोसी के साथ समूची दुनिया को संदेश मिल गया है कि अब पुरानी रवायत नहीं चल सकती।

भारत का रुख हमेशा की तरह साफ था कि हम युद्ध नहीं चाहते। हमारी लड़ाई किसी मुल्क से नहीं, बल्कि आतंकवादियों से है। उन आतंकवादियों से, जो हमारे सपूतों के खून से अपने हाथ धोकर पाकिस्तान के अपने शरणालयों में चले जाना चाहते हैं। हम उनके उन आकाओं का खात्मा चाहते हैं, जिन्होंने पिछली 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में धार्मिक आधार पर 26 भारतीयों की हत्या की साजिश रची। उन्हें खत्म करना, हमारी पवित्र जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई दिल्ली की सरकार ने यही तो किया।

दुर्भाग्य से पाकिस्तान अपनी पांच हजार साल पुरानी रवायत को भूल गया है। धर्म जोड़ने के लिए होता है, तोड़ने के लिए नहीं। भरोसा न हो, तो उनकी मिसाइलों के नाम देख लीजिए- गजनी, अब्दाली और न जाने क्या-क्या! वे भूल कैसे गए कि मध्य एशिया से आने वाले आक्रामकों ने सबसे पहले हिन्दुस्तान की उसी सरजमीं पर कदम रखा था, जिसे आज पाकिस्तान कहते हैं? सबसे पहली कत्लोगारत और महिलाओं पर अत्याचार वहीं हुए थे।

जुल्फिकार अली भुट्टो का नाम तो आपको याद होगा। उन्होंने कहा था- हम भारत से हजार साल तक लड़ेंगे। उनके दोस्त से जानलेवा दुश्मन बने जनरल जियाउल हक हमें हजार घाव देना चाहते थे, ताकि लहू (जान-माल) रिसता रहे और देश कमजोर होता रहे। आज पाकिस्तान के साथ यही हो रहा है। वह जो महंगे मिसाइल और ड्रोन हम पर दागता है, उनको आसमान में ही ठंडा कर दिया जाता है। यह उस देश का आत्मघात नहीं तो और क्या है, जहां एक बोरी आटे के लिए लोग एक-दूसरे की जान लेने पर आमादा हो जाते हैं!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देख-रेख में भारतीय सेनाओं ने सोची-समझी रणनीति और तालमेल के साथ पाक के तमाम शहरों पर सफल हमले किए हैं। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों के साथ इस कार्रवाई के जरिये भारत सरकार ने न केवल पाकिस्तान, बल्कि समूची दुनिया को स्पष्ट संदेश दे दिया कि हमें संयम बरतना आता है, लेकिन अपने ऊपर

हुआ हमला हमें बर्दाश्त नहीं। यकीनन, आने वाले वक्त में सैन्य विज्ञान के विद्यार्थी सगर्व पढ़ेंगे कि भारत ने किस तरह उरी, बालाकोट और मई 2025 के प्रतिकार के जरिये परत-दर-परत एक नई सुरक्षा नीति की सर्जना कर दी है।

भारत ने यह भी साबित कर दिया कि हम पाकिस्तानी नेताओं और रावलपिंडी के जनरल साहबान की उन भभकियों से नहीं डरने वाले कि हम परमाणु हमला कर देंगे। पिछले तीन दशकों से यह धमकी सुनते-सुनते हिन्दुस्तान सहित समूची दुनिया आजिज आ चुकी है। यही वह बिंदु है, जहां मुझे लगता है कि पूरी विश्व बिरादरी को अपने किंतु-परंतु को त्यागकर सोचना होगा कि इतने गैर-जिम्मेदार देश को परमाणु हथियार रखने की इजाजत देनी चाहिए या नहीं?

याद करें, पाकिस्तान ने अपना परमाणु बम लीबिया और कुछ अन्य अरब देशों की इमदाद से बनाया था। भुट्टो और उनके साथी कहते थे कि 'इस्लामी' दुनिया को 'अपना बम' चाहिए। मैं आतंकवाद को हथियार और जनता को धार्मिक चश्मे की रंगत से नहीं देखना चाहता, लेकिन सच को भी तो नहीं झुठलाया जा सकता। इजरायल ने इसीलिए तो 1970 की दहाई के अंत और 1980 की शुरुआत में पाकिस्तान के कहूटा स्थित परमाणु संयंत्र को नष्ट करने की योजना बनाई थी।

तेल अवीव आज भी अपने इस 'स्टैंड' पर कायम है। 11 अक्तूबर, 2023 को इजरायली प्रधानमंत्री ने एक इंटरव्यू में साफ तौर पर कहा?था- हमारा सबसे बड़ा मिशन है, कट्टर इस्लामी शासन को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना या परमाणु हथियारों को किसी इस्लामी जेहादी निजाम के हाथ लगने देने से रोकना। इनमें पहला ईरान है और दूसरा पाकिस्तान। ज्यादा सटीक रूप से कहूं, तो तालिबान के कब्जे वाला पाकिस्तान!

पाकिस्तानी सत्ता-प्रतिष्ठान में फिलवक्त यह खौफ तारी है कि हमास पर निर्णायक बढ़त और सीरिया में सत्ता-परिवर्तन कराने के बाद इस साल ईरान को अपने काबू में करना 'यहूदी-ईसाई गठबंधन' के लिए आसान हो जाएगा। उसके तत्काल बाद पाकिस्तान के परमाणु केंद्र उसके निशाने पर होंगे।

पेंटागन के रणनीतिकार भी मानते हैं कि जिस तरह पाकिस्तान में तालिबानी ताकतें पनप रही हैं, उससे यह खतरा बढ़ता जा रहा है कि अगर वहां का मौजूदा सत्ता-तंत्र विफल रहता है, तो भुट्टो साहब का 'इस्लामिक बम' वाकई अपने नाम को चरितार्थ करने वाला साबित हो जाएगा।

मैं अफसोस के साथ यहां आपको वाशिंगटन स्थित 'हेरिटेज फाउंडेशन' के एक कार्यक्रम में ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री सुरेलाव ब्रेवरमैन के दिए गए भाषण पर ध्यान दिलाना चाहूंगा। ब्रेवरमैन ने कहा था कि जिस तरह से पाकिस्तान और अन्य देशों से आए मुसलमानों की संख्या हमारे देश में बढ़ रही है, उससे यह खतरा पैदा हो गया है कि आने वाले कुछ सालों में ब्रिटेन में ईसाई अल्पसंख्यक हो जाएंगे। उस स्थिति में पाकिस्तान के बाद ब्रिटेन दूसरा ऐसा इस्लामिक देश होगा, जिसके पास परमाणु हथियार होंगे। यह दुनिया के 'अमन-ओ-अमान के लिए बड़ा खतरा' होगा।

इंग्लैंड के तमाम लोगों ने इसे 'इस्लाम-फोबिया' बताते हुए खारिज कर दिया था। लेकिन पश्चिम में पनपती इस सोच की अनदेखी भी नहीं की जा सकती। वहां दक्षिणपंथी राजनीति का उदय भी यही मुनादी करता है। ऐसे में, सवाल उठना लाजिमी है कि अगर ट्रंप प्रशासन और ईरान किसी समझौते पर पहुंचने के करीब हैं, तो क्यों न समूची दुनिया एक बार पुनः पाकिस्तान की परमाणु नीति की समीक्षा करे। इन्हीं हथियारों की आड़ में वह भारत में अशांति के बीज रोपता आया है। जो देश ओसामा बिन लादेन को पनाह दे सकता हो, संसार की कई बड़ी आतंकवादी वारदातों में जिसके नागरिकों की भूमिका पाई गई हो, उसे परमाणु बम की आड़ में अपना खेल खेलने के लिए खुला नहीं छोड़ना चाहिए।अच्छा होगा, दुनिया समय रहते इस सच को समझकर चेत जाए।

फतह-गजनवी पर इतराने वाले पाक का इतने में ये हाल है, भारत ने तो अभी इन ब्रह्मास्त्रों का इस्तेमाल भी नहीं किया

(अभिनय आकाश) ।

पाकिस्तान की इस हरकत ने पड़ोसी देश के मिसाइल शस्त्रागार और भारत के साथ उसकी तुलना पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि दोनों के पास एक-दूसरे को जवाब देने के लिए अत्याधुनिक मिसाइल सिस्टम हैं।

दोनों तरफ तनाव बराबर बना हुआ है। मगर फिलहाल ऐसा भी नहीं है कि दोनों देश खुद को जंग में झोंक दें। पर अगर मान लें कि दोनों देश जंग में कूद पड़ते हैं और फिर कहीं भारत पाकिस्तान के बीच परमाणु जंग शुरु हो गई तो क्या होगा? तस्वीर भयानक होगी। एक हफ्ते में ही 2 करोड़ दस लाख लोग मारे जाएंगे। इनमें से 50 लाख लोग बम की तपिश में झुलस जाएंगे। जो बचेंगे उन्हें रेडिएशन मार देगा। दुनिया से सर्दी-गर्मी का मौसम ही खत्म हो जाएगा। आधी ओजोन परत बर्बाद हो जाएगी। वनस्पतियों और पेड़-पौधों का निशान मिट जाएगा। आधी दुनिया भूख से मर जाएगी। इस वक्त पाकिस्तान अपनी औकात से बढ़कर काम करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन भारत के एयर डिफेंस सिस्टम के सामने पाकिस्तान की मिसाइलें धूल चाटती नजर आ रही हैं। वो मिसाइलें अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में दो कौड़ी की रह जाएंगी। क्योंकि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम ऐसा खतरनाक है कि इन सारे हथियारों को हवा में ह ढेर कर दे रहा है। पाकिस्तान का जेट, मिसाइल, ड्रोन सब के सब खत्म हो रहा है। 10 मई की तड़के इस्लामाबाद ने फतह-सेकेण्ड मिसाइल लॉन्च की, जिसे भारत ने हरियाणा के सिरसा में रोक दिया। शुक्रवार-शनिवार की रात को कई भारतीय शहरों पर बिना उकसावे के हमले जारी रखने के दौरान पाकिस्तान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। सूत्रों का कहना है कि मिसाइल का लक्ष्य दिल्ली था। पाकिस्तान की इस हरकत ने पड़ोसी देश के मिसाइल शस्त्रागार और भारत के साथ उसकी तुलना पर फिर से ध्यान केंद्रित कर दिया है। उल्लेखनीय है कि दोनों के पास एक-दूसरे को जवाब देने के लिए अत्याधुनिक मिसाइल सिस्टम हैं।

विश्व की बड़ी मिसाइल शक्ति भारत: भारत में मिसाइल तकनीक का समृद्ध इतिहास है। स्वतंत्रता से पहले, भारत के कई राज्य अपने युद्ध के हिस्से के रूप में रॉकेट का इस्तेमाल कर रहे थे। मैसूर के शासक हैदर अली ने 18वीं शताब्दी के मध्य में अपनी सेना में लोहे के आवरण वाले रॉकेट शामिल करना शुरू किया। जब हैदर के बेटे टीपू सुल्तान की मृत्यु हुई, तब तक उनकी सेना की प्रत्येक ब्रिगेड में रॉकेटियर की एक कंपनी शामिल हो गई थी, जिसमें लगभग 5,000 रॉकेट ले जाने वाले सैनिक थे। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने मिसाइलों की खोज शुरू की और वर्षों में अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) सहित मिसाइल प्रौद्योगिकी का एक व्यापक विकास किया, जिससे वह इस तकनीक के साथ पृथ्वी पर केवल सात देशों में से एक बन गया।

भारत ने इनका इस्तेमाल तो अभी किया भी नहीं: पाकिस्तान के पास पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह के मिसाइलों का एक विविध शस्त्रागार है। हालाँकि, इसकी कई मिसाइलें उसके मित्र और पड़ोसी चीन द्वारा प्रदान की गई हैं। पाकिस्तान की तरफ से अपने शस्त्रागार से फतह मिसाइल 2 को दिल्ली पर टारगेट करने की कोशिश की लेकिन भारत ने उसका घमंड चकनाचूर करते हुए उसे हवा में ही ढेर कर दिया। पाकिस्तान अक्सर आक्रांताओं के नाम पर रखे गजनवी, बाबर, गौड़ी का जिक्र कर इतराता रहता है। लेकिन भारत ने इस बार अपने एस 400, आकाश, स्पाईडर के जरिए उसे धूल चलाई है। जिसके वार से पाकिस्तान त्राहिमाम त्राहिमाम कर रहा है। ये आलम तब है जब आर्मी के पास अभी ऐसे हथियार मौजूद हैं, जो पलक झपकते पाकिस्तान का जर्रा-जर्रा धरों सकते हैं, अभी इनका इस्तेमाल तो हुआ ही नहीं है।

ब्रह्मोस: सर्जिकल स्ट्राइक के लिए अचूक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल। दो वैरिएंट हैं। 450 से 800 किमी तक रेंज, जमीन, समुद्र व हवा से दाग सकते हैं। कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए।

पृथ्वी: दुश्मन हटे तो भी टारगेट हिट न्यूक्लियर बैलेस्टिक मिसाइल है। तीन वैरिएंट हैं। 2000 किमी तक रेंज। इतनी सटीक कि दुश्मन 10 मीटर भी इधर-उधर हो तो बच नहीं सकता। कीमत 3 करोड़ रुपए। एटमी हमले में सक्षम

शौर्य: हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल है। परमाणु हमला भी कर सकती है। 700 से 800 किमी रेंज। कीमत करीब 2.5 करोड़ रुपए।

प्रहार: दिशाएं अलग तो भी भेदती है बैलिस्टिक मिसाइल है। अलग-अलग दिशाओं में कई टारगेट भेद सकती है। 150 किमी रेंज। कीमत 4 से 5 करोड़ रुपए।

आकाश: हवा में उड़ा सकती है जेट एक यूनिट में 4 मिसाइलें होती हैं। 3 वैरिएंट हैं। फाइटर जेट को हवा में तबाह कर देती है। रेंज 80 किमी है। कीमत 2.5 करोड़ रुपए।

धनुष: जमीं से आसमां तक तबाही लाती है इस बैलिस्टिक मिसाइल को युद्धपोत से दाग सकते हैं। जमीन-जल पर हमले में सक्षम। परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम। कीमत 14 करोड़ रु.।

निर्भय: दिशा बदल टारगेट कर सकती है क्रूज मिसाइल है। दुश्मन को चकमा देने में माहिर है। राडार की पकड़ में नहीं आती। 1500 किमी रेंज। कीमत 10 करोड़ रुपए।

सागरिका: नेविगेशन सिस्टम से गाइड बैलिस्टिक मिसाइल है। रेंज 750 किमी। खुद को नेविगेशन सिस्टम से गाइड कर टारगेट लेती है।

अमोघ: अंधेरे में भी टारगेट पहचान लेती है टैंक रोधी गाइडेड मिस्बइल है।

नर्सें रोगी के लिये करुणा एवं मुस्कान बांटती है

दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्से भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती है। नोबल नर्सिंग सेवा की शुरुआत करने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्म दिवस पर हर साल दुनिया भर में 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के रूप में मनाया जाता है।

(ललित गर्ग)

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, नर्सिंग कार्यबल वैश्विक स्वास्थ्य के सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर लॉन्च की जाने वाली विश्व नर्सिंग 2025 की स्थिति रिपोर्ट वैश्विक नर्सिंग कार्यबल का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करेगी। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्से भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती है। नोबल नर्सिंग सेवा की शुरुआत करने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्म दिवस पर हर साल दुनिया भर में 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा शुरु हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'हमारी नर्सें: हमारा भविष्य-नर्सों की देखभाल अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाती है।' यह थीम नर्सों की भलाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए न केवल उनकी व्यक्तिगत भलाई के लिए बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों के अधिक लाभप्रद एवं सशक्त बनाने पर बल देती है। नर्सों को दूसरों की देखभाल करने के लिए जाना जाता है, स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को भी उनकी देखभाल करनी चाहिए। उचित समर्थन के बिना, सबसे कुशल पेशेवर भी उपेक्षा, आर्थिक शोषण, तनाव और थकान का सामना कर सकते हैं।

किसी बीमारी से उबरने में जितना बड़ा योगदान चिकित्सकों, दवाओं और इलाज का होता है, उतना ही सही देखभाल का भी होता है। इसमें डॉक्टर्स से कहीं बड़ी जिम्मेदारी नर्सेज निभाती हैं, जो 24 घंटे मरीज की देखरेख में लगी रहती हैं। वास्तव में उनकी निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनती है और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। यदि चिकित्सक किसी रोगी के रोग को ठीक करता है तो उसके दर्द को कम एक नर्स करती है। जो अपना जीवन मरीजों की प्यार से देख-रेख में व्यतीत करती है। एक नर्स ना केवल अपना व्यवसाय समझ रोगी की सेवा करती है बल्कि वो उससे भावनात्मक रुप से जुड़ जाती है और उसे ठीक करने में जी-जान लगा देती है। नर्सें ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है, मुस्कान बांटती है।

पूरी दुनिया में हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते है कि नर्सिंग सेवाएं दुनिया में सबसे बड़ी स्वास्थ्य देखभाल का पेशा है। रोगियों के स्वास्थ्य और कल्याण को बनाये रखने के लिये नर्सों का प्रशिक्षण एवं कौशल विकास अपेक्षित है, भारत की नर्सों को नयी ऊर्जा, नयी दिशा एवं नया परिवेश मिले, उसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार कोई प्रभावी योजना लागू करें ताकि वे और अधिक अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देने में सक्षम हो सके। इससे भारत की नर्सों के लिये गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिये अनुकूल वातावरण सुनिश्चित होगा। इससे नर्सें रोगियों की अधिक प्रभावपूर्ण ढंग से शारीरिक, मानसिक एवं भावात्मक भलाई करने में सक्षम होगी। ऐसी योजनाओं को निजी अस्पतालों को भी प्रोत्साहन देना चाहिए। मरीज जब ठीक होकर मुस्कुराते हुए अपने परिवार वालों के साथ घर जाता है, तो वह खुशी नर्सों को और भी हिम्मत देती है। इलाज के दौरान नर्सों और मरीज के बीच पारिवारिक रिश्ता हो जाता है। सचमुच नर्सों की दुनिया अद्भुत है। वे दवा के साथ उन्हें मानसिक तौर पर मजबूत करती हैं और रोगों से लड़ने की प्रेरणा एवं शक्ति बनती है। यह शक्ति अधिक तेजस्वी एवं प्रखर बने, यही विश्व नर्स दिवस मनाने का मूल उद्देश्य होना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, नर्सिंग कार्यबल वैश्विक स्वास्थ्य के सबसे बड़े क्षेत्रों में से एक है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर लॉन्च की जाने वाली विश्व नर्सिंग 2025 की स्थिति रिपोर्ट वैश्विक नर्सिंग कार्यबल का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत करेगी। यह रिपोर्ट नर्सिंग शिक्षा, प्रवास, कार्य स्थितियों और नेतृत्व जैसे प्रमुख मुद्दों पर प्रकाश डालती है तथा आवश्यक डेटा प्रदान करती है जो दुनिया भर में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए भविष्य की नीतियों को आकार देने में मदद कर सकता है। जब नर्सों को अच्छी तरह से समर्थन एवं प्रोत्साहन मिलता है, तो स्वास्थ्य सेवा प्रणालियां अधिक प्रभावी ढंग से काम करती हैं, जिससे रोगियों और समाजों के लिए बेहतर परिणाम सामने आते हैं। नर्सिंग देखभाल चिकित्सा दिनचर्या से परे है, यह अक्सर दर्द के दौरान स्थिर हाथ, सर्जरी से पहले आश्वस्त करने वाली आवाज, या ठीक होने की राह पर कोमल प्रोत्साहन होता है। मरीज अक्सर नर्सों के साथ अपने अनुभवों का वर्णन सांत्वना देने वाले, समझदार, धैर्यवान और भरोसेमंद जैसे शब्दों का उपयोग करके करते हैं। एक दयालु नर्स की उपस्थिति शांति, मुस्कान और आशा की भावना लाती है। जब नर्सिंग देखभाल सही तरीके से की जाती है, तो यह न केवल शरीर को ठीक करती है, बल्कि आत्मा को भी ऊपर उठाती है।

आने वाले वर्षों में गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित करने के लिए नर्सिंग कार्यबल में निवेश, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन करना आवश्यक है। नर्सिंग स्वास्थ्य सेवा की शांत शक्तियों में से एक है, जो करुणा, कौशल और अथक समर्पण पर आधारित है। चाहे गंभीर देखभाल का प्रबंधन करना हो या सांत्वना के शब्द देना हो, नर्सें उपचार में मानवता लाती हैं। उनकी भूमिका केवल इलाज करना ही नहीं है, बल्कि मरीजों की सबसे कमजोर स्थितियों में उनकी बात सुनना, उनका समर्थन करना और उनके साथ खड़ा होना है। नर्सों की सेवाएं जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही विश्वस्तर पर उनकी जरूरत है। अपेक्षित नर्सों की उपलब्धता न होना, एक चिन्तनीय विषय है। विश्व बैंक की एक ताजा रिपोर्ट में भी कहा गया है कि अच्छे वेतनमान और सुविधाओं के लालच में आज भी विकासशील देशों से बड़ी संख्या में नर्सें विकसित देशों में नौकरी के लिए जाती है जिससे विकासशील देशों को प्रशिक्षित नर्सों की भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी वजह से इस समस्या से निपटने के लिए एवं नर्सों की सराहनीय सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिए भारत सरकार के परिवार एवं कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगल पुरस्कार की शुरुआत की। पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 12 मई को दिये जाते हैं। यह पुरस्कार प्रति वर्ष महामहिम राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस सिर्फ जश्न मनाने का दिन नहीं है, यह चिंतन और कृतज्ञता का समय है। उनका समर्पण, करुणा और विशेषज्ञता हर जगह स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों की नींव है। अब हमारा यह नैतिक कर्तव्य है कि हम उनकी अनूठी एवं निःस्वार्थ सेवाओं के बदले वापस कुछ लौटाये और उनका भविष्य उन्नत करें। इस दिवस को मनाते हुए हम अपनी नर्सों के करियर को फिर से परिभाषित करे, उनके सेवा का मूल्यांकन करते हुए नए सिरे से उन्नत नर्स सेवा को विकसित करें और कौशल विकास की शक्ति के साथ उनके जीवन को बदले। कोविड़-19 के संकट में एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ जो खड़ी रही, वे नर्सें ही थी।

कच्चे आम के बेशकीमती लाभ

इस मौसम में जरूर फायदा उठाएं

गर्मियों में कच्चे और पके आम की भरपूर आवक होती है और इन दोनों के अपने अलग फायदे हैं। कच्चे आम की चटनी हो या पना, गर्मी के मौसम में स्वाद और सेहत दोनों के लिए बेहद लाभदायक है। जानिए कच्चे आम यानि कैरी के यह 7 बेहतरीन फायदे

- कच्चे आम का प्रयोग सिर्फ भोजन को स्वादिष्ट बनाने के लिए ही नहीं बल्कि स्वस्थ रहने के लिए भी किया जा सकता है। कच्चे आम के सेवन से रक्त संबंधी विकारों से बचा जा सकता है।
- अगर आपको एसिडिटी, गैस या अपच जैसी समस्या हो रही हैं, तो कच्चे आम का सेवन आपके लिए काफी लाभदायक होगा। यह कब्ज और पेट के सभी विकारों से निपटने में आपकी मदद करेगा।
- ऊल्टी आना या फिर जी मचलाने की समस्या में कच्चे आम का काले नमक के साथ सेवन करना आपको निजात दिला सकता है। कुछ ही देर में यह आपको सामान्य महसूस कराने में मदद करेगा।
- कच्चे आम का नियमित सेवन कर न केवल आप अपने बालों को काला बनाए रख सकते हैं, बल्कि बेदाग और दमकती हुई त्वचा आसानी से पा सकते हैं। इससे त्वचा में कसाव भी बना रहता है।
- शुगर की समस्या होने पर इसका प्रयोग आपके शुगर लेवल को कम करने में बेहद सहायक होगा। इसका प्रयोग कर आप शरीर में आयरन की पूर्ति भी आसानी से कर सकते हैं।
- इसमें विटामिन सी अच्छी खासी मात्रा में मौजूद है, जो आपकी खूबसूरती का ध्यान तो रखता ही है, रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा करता है। इसक प्रयोग आंखों के लिए भी फायदेमंद है।
- अगर आपको अत्यधिक पसीना आता है, तो कच्चे आम का पना या फिर किसी भी रूप में इसका प्रयोग आपकी इस समस्या को आसानी से दूर करने में कारगर साबित होगा।

हेल्दी स्नैक्स भी बढ़ा सकते हैं कोलेस्ट्रोल

मिसलीडिंग फूड लेबल्स ऐसे करते हैं स्वास्थ्य को प्रभावित

हम लोग हेल्दी फूड्स समझकर कुछ ऐसी चीजें ले लेते हैं, जो हमारी हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइए आपको बताएं कि मिसलीडिंग फूड लेबल्स कैसे आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

आज के समय में, लोग काफी-ज्यादा हेल्थ कॉन्शियस हो रहे हैं। वे लोग बाजार से ऐसी चीजें लेना पसंद करते हैं, जिनके लेबल में No Sugar, Low Fat or No Cholesterol जैसे क्लेम होते हैं। ये फूड लेबल हमारी डाइट्री चॉइस में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मगर क्या आपको पता है कि ये लेबल्स कितने भ्रामक हो सकते हैं। ऐसे क्लेम करने वाले फूड लेबल्स असल में स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सभी लेबल समान नहीं होते हैं। नो शुगर और लो फैट जैसे शब्दों का इस्तेमाल अक्सर उत्पादों को स्वस्थ विकल्पों के रूप में बेचने के लिए किया जाता है, लेकिन ये दावे सच को सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट ने इस बारे में काफी बढ़िया जानकारी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। आइए आपको बताएं कि इन क्लेम का सच क्या होता है।

लो फैट फूड का सच

वजन को मेनटेन या कम करने वाले लोग अक्सर ऐसे फूड्स की तलाश करते हैं, जिनमें लो फैट होता है। हालांकि, ये लो फैट फूड्स में हाई कैलोरी हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इनमें शुगर डाली जाती है और रिफाइन्ड आटे का इस्तेमाल होता है। फैट को हटाने पर स्वाद प्रभावित हो सकता है, इसलिए निर्माता अक्सर शुगर या रिफाइन्ड कार्बोहाइड्रेट मिलाते हैं। ये ऐडेड शुगर वजन, टाइप 2 मधुमेह के जोखिम को बढ़ाने और अन्य मेटाबॉलिज्म संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकती हैं।

आवश्यक पोषक तत्व – प्राकृतिक फैट एसेंशियल पोषक तत्वों का स्रोत है, जैसे कि विटामिन-ए, डी, ई और के, जो विभिन्न शारीरिक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे लो फैट फूड आइटम्स में इन पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। इसलिए ऐसे फूड आइटम्स चुनते हुए कैलोरी कॉन्टेंट के साथ एसेंशियल न्यूट्रिएंट्स का भी ध्यान रखें।

शुगर-फ्री क्लेम का सच

चीनी का सेवन कम से कम करने के लिए हम शुगर फ्री चीजों की ओर भागते हैं। क्या आपको इस फूड लेबल का सच पता है? डायबिटीज से पीड़ित लोगों को ध्यान में रखकर ये प्रोडक्ट तैयार किए जाते हैं, लेकिन ये असल में नुकसानदेय हो सकते हैं। इन फूड्स में फैट्स की मात्रा ज्यादा होती है। ये कैलोरी के लोड को बढ़ा देता है। शुगर-फ्री प्रोडक्ट्स में आर्टिफिशियल स्वीटनर्स या शुगर अल्कोहल होते हैं। ये सब्स्टीट्यूट भले ही ब्लड शुगर लेवल को न बढ़ाएं, लेकिव अन्य हेल्थ संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकते हैं। कुछ शुगर अल्कोहल के कारण पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके लॉन्ग-टर्म इफेक्ट्स भी होते हैं।

कैलोरिट कॉन्टेंट – शुगर फ्री होने का मतलब यह नहीं है कि फूड आइटम्स में कैलोरी भी कम हो। ये फैट्स की भरपूर मात्रा के साथ आते हैं, इसलिए ऐसे किसी भी तरह की चीज को लेने से पहले उसके लेबल को जांचें और कैलोरिक कॉन्टेंट पर ध्यान दें।

नो कोलेस्ट्रोल क्लेम का सच

किसी डिब्बे में नो कोलेस्ट्रोल देखकर ही मन खुश हो जाता है कि यह हेल्थ के लिए अच्छा है मगर ऐसा नहीं होता है। इसे हेल्दी हार्ट के लिए अच्छा माना जाता है। आमतौर पर प्लांट-बेस्ड ऑयल्स इसका क्लेम करते हैं, लेकिन उनमें फैट्स की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। कई सारे प्लांट-बेस्ड और प्रोसेस्ड फूड्स में ट्रांस फैट या सैचुरेटेड फैट्स का हाई लेवल हो सकता है, जो बैड कोलेस्ट्रोल को बढ़ा सकता है। इससे दिल संबंधी बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं।

न्यूट्रिशन प्रोफाइल – जरूरी है कि आप अपने प्रोडक्ट के न्यूट्रिशनल प्रोफाइल पर गौर करें। उसमें कोलेस्ट्रोल है या नहीं सिर्फ ये न देखें। हाइड्रोजेनेटेड ऑयल्स और सोडियम के हाई लेवल के कारण आपकी हेल्थ को नुकसान पहुंच सकता है।

फूड लेबल देखते हुए ध्यान रखें ये बातें

इंग्रीडिएंट लिस्ट पढ़ें

फूड लेबल में इंग्रीडिएंट लेबल को गौर से पढ़ें। अनहेल्दी फैट और आर्टिफिशियल एडिटिव्स की जांच करें।

पोषण संबंधी फैक्ट्स को एनालाइज करें

टोटल फैट, सैचुरेटेड फैट, ट्रांस फैट, अतिरिक्त शुगर और सोडियम के बारे में जानकारी के लिए पोषण फैक्ट पैनल को पढ़कर एनालाइज जरूर करें। इससे आपको उत्पाद के ओवरऑल पोषण मूल्य के बारे में स्पष्टता से पता चलेगा।

भाग के आकार को समझें

लेबल अक्सर प्रति सर्विंग पोषण संबंधी जानकारी के बारे में बताते हैं। सर्विंग साइज के बारे में सावधान रहें।

अब अगर आप भी इन फूड लेबल्स को देखें, तो ध्यान रखें कि यह भ्रामक लेबल्स आपके लिए कितने हानिकारक हो सकते हैं। ऐसे किसी भी क्लेम वाले फूड को आहार में शामिल करने से पहले अपने सलाहकार से बात करें।

सेहतमंद रहने के लिए डाइट में शामिल करें ये 5 बीज, जानें खाने का सही समय और तरीका

सेहतमंद रहने के लिए हेल्दी डाइट बहुत जरूरी है। अगर आप न्यूट्रिएंट्स से भरपूर डाइट लेती हैं, तो बीमारियों से बची रहती हैं। हमारे किचन में भी कई ऐसे मसाले और हर्ब्स मौजूद होते हैं, जिन्हें अगर आप सही तरह से डाइट में शामिल करेंगे, तो सेहतमंद रहने में मदद मिल सकती है।

इसके अलावा कुछ नट्स और सीड्स भी गुणों से भरपूर होते हैं। सीड्स में कई तरह के न्यूट्रिएंट्स होते हैं। महिलाओं की फर्टिलिटी, पीरियड्स और अन्य कई तरह की दिक्कतों को दूर करने में सीड्स मदद कर सकते हैं। खासकर, कुछ सीड्स तो गुणों की खान होते हैं। लेकिन, आपको इसे खाने के सही तरीके के बारे में पता होना चाहिए। यहां हम आपको 5 सीड्स और उन्हें खाने के सही तरीके व समय के बारे में बता रहे हैं।

एक्सपर्ट के मुताबिक, सौंफ के बीज सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये कब्ज दूर करते हैं। इनसे डाइजेशन सुधरता है और वजन कम करने में भी मदद मिलती है।

- जिन लोगों को खाने के बाद पेट में गैस या एसिडिटी होती है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए। लंच के बाद आप 1 चम्मच सौंफ को पानी में उबालकर पिएं।
- कद्दू के बीजों में मैग्नीशियम होता है। ये इंसुलिन सेंसिटिविटी को सुधारते हैं। ये कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी मदद करते हैं और महिलाओं की हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।
- आप मिड-मील में फल खाएं। उनके ऊपर कुछ कद्दू के बीजों को छिड़क लें।
- सूरजमुखी के बीज सेलेनियम से भरपूर होते हैं। ये एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं और इनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये दिल के रोगियों के लिए फायदेमंद होते हैं। इनसे शरीर को ताकत मिलती है, कब्ज दूर होती है और बालों का झड़ना कम होता है।
- शाम के वक्त 1 टीस्पून सूरजमुखी के बीज खाएं।
- चिया सीड्स में ओमेगा-3 फैटी एसिड्स होते हैं। ये बालों और स्किन के लिए बहुत जरूरी होते हैं।
- चिया सीड्स में फाइबर, प्रोटीन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इनसे वजन कम होता है, शुगर कंट्रोल होती है और एजिंग के साइन्स भी कम होते हैं।
- मिड मील में 1 गिलास चिया सीड्स का पानी पिएं।
- धनिये के बीज थायराइड में बहुत फायदेमंद होते हैं। ये थायराइड फंक्शन को बूस्ट करते हैं, मेटाबॉलिज्म को सुधारते हैं और वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं। इनसे खून की कमी भी दूर होती है। खाली पेट धनिये के बीजों की 1 कप चाय पिएं।

सेहतमंद रहने के लिए इन 5 बीजों को एक्सपर्ट के बताए तरीके से डाइट में शामिल करें। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है, तो हमें आर्टिकल के ऊपर दिए गए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम अपने आर्टिकल्स के जरिए आपकी समस्या को हल करने की कोशिश करेंगे।

बच्चों में डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं किडनी की बीमारी का संकेत, न करें नजरअंदाज

बच्चों की सेहत का ख्याल रखना माता-पिता और घर के बड़ों की जिम्मेदारी होती है क्योंकि बच्चों को इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती है। इसलिए, बच्चों की हेल्थ के लिए माता-पिता पूरी तरह से सजग रहते हैं और किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतते हैं।

बच्चों में डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें काफी आम होती हैं। कई बार बच्चे बाहर का खाने पर बीमार हो जाते हैं। वहीं, कई बार उनका डाइजेस्टिव सिस्टम हैवी चीजों को नहीं पचा पाता है। इसलिए, ज्यादातर पैरेंट्स, बच्चों में डाइजेशन से जुड़ी परेशानियों को आम समझते हैं। लेकिन, कई बार ये किडनी की बीमारी का संकेत हो सकती हैं। इसलिए, अगर आपके बच्चे को लंबे समय से डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें हैं, तो इस पर ध्यान दें।

एक्सपर्ट का कहना है कि डाइजेस्टिव सिस्टम और किडनी एक-दूसरे से कनेक्टेड होते हैं। किडनी खून से वेस्ट पदार्थों को बाहर निकालती है और शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स व पानी का बैलेंस बनाती है।

- किडनी खराब होने पर शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं और इसके कारण भी डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें हो सरती हैं।
- कई लोग जिनका किडनी फंक्शन कमजोर होता है, उन्हें डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें ज्यादा परेशान करती हैं।
- अगर आपके बच्चे को लगातार उल्टी हो रही है, तो यह किडनी की परेशानी का संकेत हो सकता है।
- किडनी खराब होने पर, शरीर से गंदगी बाहर नहीं निकल पाती है और इस वजह से डाइजेस्टिव सिस्टम में इंफ्लेमेशन होता है और उल्टी आती है।
- किडनी स्टोन या इंफेक्शन की वजह से कमर के निचले हिस्से और पेट के साइड में दर्द हो सकता है।
- अगर बहुत तेज पेट दर्द हो, तो इसे नजरअंदाज न करें।
- किडनी की परेशानी होने पर डायरिया या कब्ज हो सकती है।
- किडनी फंक्शन सही न होने पर शरीर में फ्ल्यूड कंटेट में इंबैलेंस होता है और इसकी वजह से कब्ज होती है।
- बच्चे की भूख कम हो जाना या खाना खाने की इच्छा न होना भी किडनी की परेशानी का संकेत हो सकता है।
- अगर आपके बच्चे को लगातार पाचन में दिक्कत आ रही है, कमजोरी महसूस हो रही है और यूरिन के रंग में भी बदलाव है, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

संक्षिप्त समाचार

मेक्सिको हाईवे पर भीषण हादसा, दुर्घटना में 20 से अधिक लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के ओक्साका और पुएब्ला राज्यों को जोड़ने वाले हाईवे पर बुधवार को भीषण हादसा हुआ। हादसे में करीब 21 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी वहां के स्थानीय अधिकारी ने दी।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पुएब्ला के आंतरिक मंत्री सैमुएल एगुइलर ने कहा कि दुर्घटना में तीन वाहन शामिल थे और अज्ञात संख्या में अन्य लोगों की चोटों का इलाज किया जा रहा है।

भारत की कार्रवाई जरूरी थी, अफगान नेता की दो टूक, पाक-आईएसएस को आतंकवाद का पनाहगार बताया

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अफगानिस्तान की निर्वासित सांसद मरियम सोलेमंखिल ने ऑपरेशन सिंदूर को वाजिब बताया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर जरूरी था, क्योंकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है और कश्मीर में निर्दोष लोगों की जान लेता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत ने जो किया वह जरूरी था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कश्मीर में घुसपैठ की और निर्दोष लोगों की जान ली। आप इसे इतनी आसानी से नहीं जाने दे सकते। भारत जैसा पलटवार किया, वह बहुत जिम्मेदाराना है। वे आतंकवाद की चौकियों, आतंकवादी शिविरों, उन जगहों पर हमला कर रहे थे, जहां सेना पाकिस्तान में आतंकवादियों को और भी ज्यादा पनपने में मदद कर रही है।

अफगान नेता सोलेमंखिल ने कहा कि पाकिस्तान दशकों से झूठ फैला रहा है। सरकार और आईएसआई भी यही काम करते हैं। उन्होंने कहा, भारत उन्हीं मुद्दों को उठा रहा है, जिन पर वह पिछले 77 साल से बोल रहा है। पाकिस्तान वही झूठ फैला रहा है। वह ऑनलाइन ट्रोल फर्मों से, अपने पेड मीडिया प्रवक्ताओं का इस्तेमाल कर रहा है। वे अपने आईएसआई, अपने नेतृत्व, साथ ही अपने विदेश मंत्री से भी वे झूठ फैलवा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका को बलि का बकरा बनाता है और आतंकवादियों को पनाह देता है तथा दुनिया को धमकाता है। उन्होंने कहा, वे ध्यान भटका रहे हैं, आतंकवादियों का समर्थन करने, उन्हें तैयार करने, उन्हें अपनी सीमाओं के भीतर आतंकवादियों को पनाह देने के लिए मजबूर करने के लिए अमेरिका को दोषी ठहरा रहे हैं। दुनिया को परमाणु विनाश की धमकी दे रहे हैं। यह पूरी तरह से हास्यास्पद है। मुझे लगता है कि दुनिया बहुत स्पष्ट रूप से समझ रही है कि भारत कौन है? कैसे वह एक आर्थिक शक्ति है? जो दुनिया के भले के लिए सभी की मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने लोगों को भी आतंकवाद से डराता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान अब आतंकवाद के लिए जाना जाता है। वे अपने ही लोगों के बीच आतंकवाद फैला रहे हैं। बुधवार को बलूच प्रतिनिधि मीर यार बलूच ने क्षेत्र में दशकों से जारी हिंसा, जबरन गायब किए जाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन का हवाला देते हुए पाकिस्तान से स्वतंत्रता की घोषणा की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए।

इंडो-पैसिफिक में पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा ड्रैगन, भरोसे लायक नहीं: ब्रिटिश लेखक डेविड वेंस

लंदन, एजेंसी। भारत के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान के समर्थन पर चीन चौतरफा घिरता नजर आ रहा है। अब ब्रिटिश राजनीतिक लेखक डेविड वेंस ने इसे लेकर चीन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए चीन पाकिस्तान का छद्म रूप से इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। एक साक्षात्कार में डेविड वेंस ने कहा कि चीन इस क्षेत्र में पाकिस्तान को एक प्रॉक्सी के रूप में संचालित करता है । इसलिए, चीन पर किसी भी मामले में भरोसा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप को यह समझना चाहिए था। उन्होंने कहा कि ट्रंप को यह समझना होगा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में भारत चीन के खिलाफ पश्चिम के लिए एक सुरक्षा कवच है। इसलिए जितना संभव हो उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ भारत की मदद करनी चाहिए, यह बेहतर होगा।

ट्रंप के कारण फेल होती दिख रही रूस-यूक्रेन शांति वार्ता, पुतिन ने बनाई दूरी

मास्को, एजेंसी। व्लादिमीर पुतिन ने जब हाल ही में तुर्की में वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ शांति वार्ता में शामिल होने पर अपनी सहमति दी तो दुनिया को लगा कि रूस और यूक्रेन के बीच वर्षों से जारी संघर्ष का अंत हो सकता है। लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है वह परेशान करने वाली है। कहा जा रहा है कि पुतिन ने तुर्की में प्रस्तावित यूक्रेन-रूस शांति वार्ता में फिलहाल शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है। वहीं, जेलेंस्की ने भी अपनी स्थिति साफ करते हुए कहा है कि जब तक पुतिन नहीं आते हैं तो वह भी इस वार्ता में शामिल नहीं होंगे। पुतिन के इस निर्णय के पीछे मुख्य वजह यह मानी जा रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस वार्ता में शामिल होने की कोशिश कर रहे थे। अगर दोनों देशों के बीच सहमति बनती है तो वह इसका श्रेय लेने की कोशिश करते। सूत्रों का मानना है कि पुतिन ट्रंप को कूटनीतिक स्तर पर किसी भी तरह की बढ़त नहीं देना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने न केवल खुद को इस वार्ता से दूर रखा, बल्कि अपने वरिष्ठ राजनयिकों को भी वार्ता में शामिल नहीं होने दिया। हालांकि, डिप्टी स्तर के कुछ मंत्रियों और अधिकारियों को जरूर भेजने की बात कही है।

14 मई को क्रेमलिन द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रूस ने शांति वार्ता के लिए अपने प्रतिनिधिमंडल की सूची जारी कर दी है। इसमें ना तो पुतिन शामिल हो रहे हैं और ना ही विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव। रूसे ने किसी वरिष्ठ अधिकारी को भी इसमें भेजना का फैसला टाल दिया है। हालांकि एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की बात जरूर कही है। जिसमें राष्ट्रपति के सलाहकार और प्रचार रणनीतिकार व्लादिमीर मेडिंस्की, उप विदेश मंत्री मिखाइल गैलुजिन, सैन्य खुफिया प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव और उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन शामिल होंगे।

पुतिन के अलावा किसी से बात नहीं करेंगे जेलेंस्की: पुतिन के इस फैसल पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने तुर्की में व्लादिमीर पुतिन के साथ संभावित बैठक से पहले यह कहकर दांव बढ़ा दिया कि वह राष्ट्रपति के अलावा किसी अन्य रूसी प्रतिनिधि से बातचीत नहीं करेंगे। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पुतिन से मिलने के आग्रह के बाद ही तुर्की की यात्रा करेंगे। सीएनएन ने जब उनसे बैठक के एजेंडे के बारे में पूछा तो जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम समझौते के अलावा कुछ भी विफल ही साबित होगा। ऐसे में अगर दोनों देशों के प्रमुख के बगैर यह वार्ता होती भी है तो इसका खास संदेश नहीं जाएगा।

यह भी एक कारण: हालांकि एक तर्क भी दिया जा रहा है कि पुतिन द्वारा स्वयं को वार्ता से दूर रखना इस बात का संकेत हो सकता है कि रूस फिलहाल वार्ता को केवल एक औपचारिक प्रक्रिया के रूप में देख रहा है, ना कि वास्तविक समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम है।

पुतिन ने की थी सीधी वार्ता की पेशकश: इससे पहले, पश्चिमी और यूरोपीय नेताओं की ओर से किसी शर्त के एक महीने के युद्ध विराम को लागू करने की पेशकश की थी, जिसे रूस ने खारिज कर दिया था। इसके साथ ही रूस ने यूक्रेन पर 100 से अधिक ड्रोन भी दागे। पुतिन ने 11 मई को इस प्रस्ताव के बजाय तुर्किये में सीधे बातचीत की पेशकश की थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने जोर देकर कहा था कि रूसी प्रतिनिधिमंडल बिना किसी पूर्व शर्त के इस्तांबुल में बातचीत के लिए तैयार रहेगा।

जेलेंस्की ने जताया रूस के इरादों पर संदेह: जेलेंस्की ने रूस के इरादों पर भी संदेह जताया था। साथ ही कहा था कि रूसी राष्ट्रपति की पेशकश अविश्वसनीय प्रतीत होती है। उन्होंने यह भी कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी वार्ता में भाग लेने पर विचार कर रहे हैं। बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए ज़ेलेंस्की ने कहा था कि हमने तुर्किये में वार्ता के प्रारूप के बारे में टीम के साथ कई बैठकें कीं। मैं यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि रूस से कौन आएगा। इसके बाद ही मैं तय करूंगा कि यूक्रेन को कौन से कदम उठाने चाहिए। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि अब तक, मीडिया में उनके द्वारा दिए गए संकेत अविश्वसनीय हैं। रूस केवल युद्ध और हत्याओं को बढ़ा रहा है। मैं हर देश, हर नेता को धन्यवाद देना चाहता हूं जो अब रूस पर दबाव डाल रहा है, ताकि गोलाबारी आखिरकार बंद हो जाए, ताकि सार्थक बातचीत उस स्तर पर हो सके जहां वास्तविक निर्णय लिए जा सकें।

बड़े युद्ध की तैयारी में हैं दोनों देश

दोनों देश गर्मी में फिर से बड़े युद्ध की तैयारी में हैं। 1,000 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा पर अब तक दोनों ओर से हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर ने सोमवार को कहा कि रूस तेजी से नए सैनिकों की भर्ती कर रहा है ताकि अग्रिम मोर्चे पर पकड़ बनी रहे। रूस ने अमेरिका और यूरोपीय नेताओं की ओर से की गई युद्धविराम की पेशकश को खारिज किया, लेकिन सीधी बातचीत की पेशकश की। पुतिन कई बार जेलेंस्की की सरकार की वैधता पर सवाल उठा चुके हैं, क्योंकि उनके अनुसार जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल खत्म हो चुका है। हालांकि, यूक्रेन का संविधान कहता है कि मार्शल लॉ के दौरान चुनाव नहीं कराए जा सकते। 2022 में यूक्रेन सरकार ने एक आदेश पारित किया था, जिसके तहत पुतिन से किसी भी तरह की बातचीत पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन अमेरिका दोनों देशों पर युद्ध खत्म करने के लिए दबाव बना रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड के विदेश मंत्रियों से लंदन में बातचीत की, ताकि युद्धविराम और शांति वार्ता को लेकर चर्चा हो सके। इन यूरोपीय देशों ने रूस को चेतावनी दी है कि अगर वह युद्धविराम नहीं मानता, तो उस पर और कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे, लेकिन अब तक नए प्रतिबंधों की कोई घोषणा नहीं की गई है।

अमेरिका बजट का बड़ा हिस्सा युद्ध पर खर्च करता है, यह शर्मनाक है, बेन एंड जेरी के को-फाउंडर ने उठाए सवाल, हुए गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। बेन एंड जेरी आइसक्रीम कंपनी के सह-संस्थापक और लंबे समय से एक्टिविस्ट रहे 74 वर्षीय बेन कोहेन को अमेरिका की एक सीनेट सुनवाई से उस वक्त गिरफ्तार किया गया जब उन्होंने गाजा में जारी हिंसा और अमेरिका की सैन्य सहायता के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

कोहेन ने गुस्से में कहा, कांग्रेस बच्चों को मारने के लिए बमों का भुगतान करती है, जबकि गरीबों के लिए मेडिकेड जैसी स्वास्थ्य योजनाओं में कटौती की जा रही है। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

कोहेन ने इस बात पर भी आक्रोश जताया कि अमेरिका अपने घरेलू सामाजिक कार्यक्रमों में कटौती कर रहा है, लेकिन इजरायल को 20 अरब डॉलर की सैन्य सहायता दे रहा है।

कोहेन ने रिहा होने के बाद कहा, यह शर्मनाक है कि अमेरिका अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा युद्ध पर खर्च करता है। अगर यही पैसा दुनिया भर में जिंदगियां बेहतर करने में लगाया जाए तो शायद झगड़े कम हों। कोहेन ने कहा कि वे सिर्फ अपनी नहीं, बल्कि लाखों अमेरिकियों की भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं जो गाजा में हो रही मौतों से व्यथित हैं। उनका मानना है कि अमेरिका जो कर रहा है, वह नैतिक रूप से और इंसानियत के लिहाज से गलत है। उन्होंने कहा, यह हमारे देश की आत्मा पर चोट है। निर्दोषों की हत्या में भागीदारी करना हमारी इंसानियत के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि एक छोटे बच्चे को अगर कोई समस्या होती है, तो उसे सिखाया जाता है कि हिंसा नहीं, बातचीत का सहारा लो। फिर देश एक-दूसरे के साथ ऐसा क्यों नहीं कर सकते? उनका कहना था कि युद्ध कोई समाधान नहीं है।

बेन कोहेन पहले भी इजरायली नीतियों की आलोचना कर चुके हैं। पिछले साल उन्होंने प्रो-इजरायल लॉबी के विरोध में एक पत्र पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें कई प्रमुख यहूदी हस्तियों ने भी हिस्सा लिया था। अक्टूबर 2023 में हमास ने इजरायली लोगों पर हमला किया था, जिसमें 1218 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे। इसके जवाब में इजरायल द्वारा गाजा में जवाबी हमलों में अब तक 52,928 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर नागरिक हैं। यह आंकड़ा हमास द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य मंत्रालय का है, जिसे संयुक्त राष्ट्र भी विश्वसनीय मानता है।

संयुक्त राष्ट्र के एक खाद्य सुरक्षा रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में सभी लोग खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं और 22त्न जनसंख्या मानवीय आपदा के कगार पर है। इजरायल द्वारा दो महीने से अधिक समय तक मानवीय सहायता पर रोक लगने के कारण यह हालात बने हैं।

डिलिवरी बॉय आया और टिकटॉक लाइव के दौरान ब्यूटी इन्फ्लुएंसर को मारी गोली, मौके पर मौत

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको के जलिस्को राज्य में हुई एक हृदय विदारक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। मंगलवार को 23 वर्षीय लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मॉडल वेलेरिया मार्केज़ की एक ब्यूटी सैलून में टिकटॉक लाइवस्ट्रीम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना जापोपान, जलिस्को शहर में घटी, जो ग्वाडलजारा के बाहरी इलाके में स्थित है। जलिस्को राज्य के अधिकारियों ने बुधवार को घटना की पुष्टि की।

हमलावर ने उसके सीने और सिर में गोली मारी: बताया जा रहा है कि वेलेरिया अपने लाइवस्ट्रीम के दौरान डिलीवरी बॉय से बात कर रही थीं, तभी अचानक उन्हें गोली मार दी गई। हमलावर ने उसके सीने और सिर में गोली मारी, जिसके बाद वह तुरंत गिर पड़ी। इस भयावह घटना ने एक बार फिर मेक्सिको में हिंसा और असुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आश्चर्य की बात यह है कि इस हत्या के कुछ ही घंटों बाद उसी क्षेत्र में एक और हाई-प्रोफाइल हत्या हुई। मेक्सिको की पीआरआई पार्टी के पूर्व सांसद लुइस आर्मंडो कॉर्डोवा डिआज़ की एक कैफे में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इन दोनों घटनाओं से जापान और आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है।

क्षेत्रों पर कब्जे को लेकर खूनी युद्ध छिड़ गया है: जलिस्को पर न्यू जनरेशन जलिस्को कार्टेल का प्रभुत्व है, जो क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों को नियंत्रित करता है। मेक्सिको में क्षेत्र पर नियंत्रण के लिए कार्टेलों के बीच खूनी युद्ध चल रहा है, जिसके कारण ऐसी हिंसक घटनाएं आम हो गई हैं। जलिस्को में अभियोजकों ने वेलेरिया की हत्या की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इसे स्त्री-हत्या के रूप में भी देखा जा रहा है, जो लैटिन अमेरिका में लिंग आधारित हिंसा का एक गंभीर रूप है।

दु:ख और क्रोध के संदेश आने लगे: वेलेरिया के सोशल मीडिया अकाउंट उनके प्रशंसकों और अनुयायियों के शोक और गुस्से भरे संदेशों से भर गए हैं। लोग इस नृशंस हत्या की निंदा कर रहे हैं और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। लाइवस्ट्रीम के दौरान वेलेरिया की हत्या न केवल उसके प्रियजनों के लिए, बल्कि पूरे मेक्सिको के लिए एक बड़ा सदमा है। स्थानीय लोग और सोशल मीडिया यूजर्स सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस और जांच एजेंसियां हत्या के पीछे के मकसद का पता लगाने और हमलावर की तलाश में जुटी हैं।

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसा, दो की मौत चार घायल

सिडनी , एजेंसी। उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में बुधवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में कुछ ही घंटों के भीतर दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य की पुलिस ने बताया कि बुधवार को स्थानीय समयानुसार शाम 4 बजे के बाद ब्रिस्बेन से 1,000 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित ग्रामीण शहर ब्रेडन के पास एक राजमार्ग पर विपरीत दिशाओं में जा रहे दो वाहनों में आमने-सामने टक्कर हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक वाहन में सवार 50 वर्षीय महिला को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया, जबकि गाड़ी चला रहे 50 वर्षीय व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया। वाहन के चालक, 40 वर्षीय महिला को गंभीर चोट आई और उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। 90 मिनट के अंदर सड़क दुर्घटना की ये दूसरी घटना थी। ब्रिस्बेन से लगभग 500 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में बाजूल के पास तीन वाहनों की टक्कर की रिपोर्ट पर पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को तैनात किया गया था। क्वींसलैंड पुलिस ने बताया कि एक एसयूवी ब्रूस हाईवे पर दक्षिण की ओर जा रही थी। उत्तर की ओर जाने वाले एक सफेद पिकअप ट्रक से टकरा गई। एक ग्रे पिकअप ट्रक, जो उत्तर की ओर जा रहा था, फिर सफेद पिकअप से टकरा गया। यह हाईवे ब्रिस्बेन को राज्य के सुदूर उत्तर से जोड़ने वाला एक प्रमुख राजमार्ग है। एसयूवी के चालक, 24 वर्षीय व्यक्ति को घटनास्थल पर मृत घोषित कर दिया गया। दोनों पिकअप ट्रकों के चालकों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने कहा कि फोरेंसिक क्रैश यूनिट दोनों घटनाओं की जांच कर रही है। दक्षिणपूर्वी राज्य विक्टोरिया में, पांच दिनों की अवधि में सड़कों पर 11 लोगों की मौत हो गई है, जिससे राज्य में 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या 114 हो गई है, जबकि 2024 में इसी समय यह संख्या 102 थी। ऑस्ट्रेलिया वार्षिक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के बीच में है।

पंजाबी मूल के चार नेता कनाडा में बनाए गए मंत्री, खालिस्तानी सोच से दूर; भारत के साथ मजबूत होंगे संबंध

ओटावा, एजेंसी। पंजाबी मूल के चार मंत्रियों को कनाडा में मंत्री बनाए जाने से भारत के साथ बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। दरअसल इस वक्त भारत और कनाडा के रिश्ते अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। लेकिन कार्नी के मंत्रिमंडल और पंजाबियों की दी गई अहमियत से अब रिश्तों को नई उम्मीद की किरण के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि जो मंत्री पंजाबी मूल के हैं और अब कार्नी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं वो खालिस्तानी विचारधारा से पूरी तरह से दूर हैं। कनाडा में रह रहे पंजाबी समुदाय के लोगों का मानना है कि कनाडा की सरकार में खालिस्तानी विचारधारा को दरकिनार कर नए संबंधों की शुरूआत करने की बेहतर पहल है। कनाडा में अनीता आनंद, मनिंदर सिद्धू, रूबी सहोता और रणदीप सराय को मंत्री बनाया गया है। कनाडा में पंजाबी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पंजाबी सिख संगठन इन कनाडा के सरदार हरजोत सिंह कहते हैं कि विदेश मंत्री अनिता आनंद ने तो गीता पर हाथ रखकर मंत्री पद की सौगंध खाई। जिससे साफ है कि अबकी बार खालिस्तानियों को स्थान नहीं मिलने वाला है।

बलूच नेता ने पाकिस्तान से आजादी का ऐलान किया: कहा- बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान किया। उन्होंने इसके पीछे दशकों से बलूच लोगों के मानवाधिकार हनन, किडनैपिंग और हिंसा का हवाला दिया। मीर यार बलूच ने एक्स पोस्ट में कहा- बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए। आओ हमारा साथ दो। उन्होंने लिखा कि बलूच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है और दुनिया अब और मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत और ग्लोबल समुदाय से बलूचिस्तान की आजादी के लिए मान्यता और समर्थन मांगा।

मीर यार ने भारतीय मीडिया, यूट्यूबर्स और भारतीय बुद्धिजीवियों से अपील की कि वो बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी हवाई बमबारी, किडनैपिंग या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का समर्थन किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर इस इलाके को खाली करने के लिए दबाव डालने की अपील की। मीर यार ने कहा- भारत पाकिस्तानी सेना को हरा सकता है। अगर पाकिस्तान ने ध्यान नहीं दिया, तो खूनखराबे के लिए सिर्फ पाकिस्तानी सेना के लालची जनरल जिम्मेदार होंगे, क्योंकि इस्लामाबाद पीओके के लोगों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है।

बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद के कब्जा किया गया

मीर यार बलूच के मुताबिक दुनिया को बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के दावों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद से जबरन कब्जा किया गया था। बलूचिस्तान में लंबे वक्त से मानवाधिकार हनन हो रहा है। पाकिस्तानी सेना और पुलिस लोगों पर हमले करती है। यहां विदेशी मीडिया की पहुंच बहुत सीमित है, इस वजह से बलूचिस्तान से जुड़ी खबरें बाहर नहीं आ पाती हैं।

बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ रहा है बीएलए

बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) एक संगठन है जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरुआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है। बीएलए का दावा है कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का शोषण हो रहा है और बलूच लोगों के अधिकार छीन लिए गए हैं। यह संगठन पाकिस्तानी सेना, सरकार और चीनी प्रोजेक्ट्स जैसे सीपीईसी को निशाना बनाता रहा है। बीएलए अपनी गुरिल्ला शैली के लिए जाना जाता है। यानी पहाड़ी इलाकों में छिपकर सेना पर हमला करना और तुरंत वापस लौट जाना।

पाक सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कुछ दिन पहले एक बयान में कहा कि बलूचिस्तान में महज 1500 लोगों की वजह से अशांति फैली है और वो पाकिस्तान की लाखों की प्रोफेशनल फौज का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। ब्रिटिश ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट पीटर टैचेल का मानना है कि पाकिस्तान बलूचिस्तान की स्वतंत्रता में देरी कर सकता है, लेकिन इसे हमेशा के लिए रोका नहीं जा सकता। उन्होंने बलूच संघर्ष की तुलना वियतनाम के आंदोलन से की है। बलूच लेखक मीर यार का कहना है कि बलूचिस्तान अब आजादी से सिर्फ दो कदम दूर है। उन्होंने इसकी 1971 के बांग्लादेश की स्थिति से तुलना करते हुए कहा कि पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियां इस वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर रही हैं।

मैं नहीं चाहता आप भारत में आईफोन बनाएं

वे अपना ख्याल खुद रख सकते हैं, ट्रंप की एपल सीईओ को दो टूक

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का एलान कर आलोचना झेलने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अपने नए बयान की वजह से चर्चा में हैं। अब उन्होंने भारत में एपल के उत्पादों के निर्माण को लेकर कुछ ऐसा बोल दिया है कि उनकी मंशा पर ही सवाल उठने लगे हैं। आइए जानते हैं विस्तार से...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने एपल के सीईओ टिम कुक से बात की है और उनसे भारत में एपल के उत्पादन का विस्तार न करने के लिए कहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में इसका दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने दोहा में एक कार्यक्रम में टिम कुक से कहा कि हमें आपके भारत में निर्माण करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे अपना ख्याल खुद रख सकते हैं। वे बहुत अच्छा कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने कहा है कि इस बातचीत के बाद एपल अमेरिका में अपना उत्पादन बढ़ाएगा। हालांकि, उन्होंने चर्चा के परिणाम या भारत में एपल की योजनाओं में किसी भी बदलाव के बारे में और विवरण साझा नहीं किया। ट्रंप की टिप्पणी भारत की ओर से अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने की चेतावनी के कुछ ही दिनों बाद आई है। भारत का यह प्रस्ताव अमेरिका की ओर से भारतीय स्टील और एल्युमीनियम निर्यात पर शुल्क बढ़ाने के जवाब में दिया गया था।

दोहा में इसी कार्यक्रम में अपने भाषण के दौरान ट्रंप ने कहा कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ हटाने की पेशकश की है। उन्होंने प्रस्ताव के बारे में विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि वे सचमुच हमसे कोई टैरिफ नहीं वसूलने को तैयार हैं। फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्हाइट हाउस दौरे के बाद भारत और अमेरिका ने औपचारिक व्यापार वार्ता शुरू की थी।

भारत के व्यापार मंत्री के अमेरिकी अधिकारियों के साथ और अधिक बैठकों के लिए 17 से 20 मई के बीच अमेरिका का दौरा करने की उम्मीद है।

भारतीय निवेशक और लोग निराश- ब्लूमबर्ग के मुताबिक, ट्रंप की हालिया टिप्पणियों से भारतीय निवेशक और लोग निराश हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम की उनकी घोषणा से यह निराशा और बढ़ गई है। भारत में इस बात से भी नाराजगी है कि ट्रंप ने सुझाव दिया कि दोनों देशों को संघर्ष कम करने के लिए व्यापार की शर्त रखी गई। दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष को रोकने में मदद करने के लिए व्यापार को समझौते के साधन के रूप में इस्तेमाल करना भारत में किसी को भी पसंद नहीं आया। भारत में सभी जिम्मेदार अधिकारियों ने इस बात से इनकार किया है कि व्यापार मामले पाकिस्तान के साथ सैन्य स्थिति पर बातचीत से जुड़े थे।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता अभी भी जारी- टैरिफ को लेकर हालिया तनावों के बावजूद मामले से परिचित लोगों ने ब्लूमबर्ग को बताया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता अभी भी जारी है। दोनों देश समझौते पर पहुंचने की दिशा में काम कर रहे हैं।

भारत में एपल का हाल- पिछले कुछ वर्षों में एपल भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। कंपनी फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन जैसे अनुबंध निर्माताओं के जरिए से देश में आईफोन बनाती है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता अभी भी जारी

टैरिफ को लेकर हालिया तनावों के बावजूद मामले से परिचित लोगों ने ब्लूमबर्ग को बताया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता अभी भी जारी है। दोनों देश समझौते पर पहुंचने की दिशा में काम कर रहे हैं।

भारत में एपल का हाल

पिछले कुछ वर्षों में एपल भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है।

भारत- पाकिस्तान में हुआ तनाव और बर्बाद हो गई यह चाइनीज कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पाकिस्तान अपने रक्षा उपकरणों का अधिकांश हिस्सा चीन से आयात करता है। 2019 से 2023 के बीच पाकिस्तान के 82 प्रतिशत रक्षा आयात चीन से हुए, जो 2009-2012 के बीच के 51 प्रतिशत के आंकड़े से कहीं ज्यादा है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। उसके बाद पाकिस्तान युद्ध पर अमादा हो गया और बिना किसी आधिकारिक एलान के वह युद्ध के मैदान में उतर गया, हालांकि भारत की लड़ाई आज भी पाकिस्तान के खिलाफ नहीं, बल्कि आतंक के खिलाफ है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया जिसमें आतंकियों के करीब 9 ठिकानों को मिट्टी में मिलाया गया।

संघर्ष के दौरान पाकिस्तान ने भारत पर मिसाइल से लेकर ड्रोन तक से हमले किए, लेकिन भारतीय डिफेंस सिस्टम ने हमले को

पूरी तरह से नाकाम कर दिया। इस संघर्ष के बीच एक बड़ी चीज देखने को मिली और वो यह है कि संघर्ष भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ लेकिन कंपनियां चीन की बर्बाद हो रही हैं। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि इसके पीछे क्या राज है?

युद्धविराम की घोषणा के बाद भारतीय बाजार में जहां शानदार हरियाणी देखने को मिली, वहीं चाइनीज स्टॉक मार्केट में तबाही नजर आई, खासतौर पर चाइनीज डिफेंस स्टॉक में। चीन के प्रमुख डिफेंस स्टॉक में 9 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई। दरअसल यह पूरा मामला भारत के डिफेंस सिस्टम से जुड़ा हुआ है। चीन की जे-10सी लड़ाकू विमान निर्माता कंपनी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जो करीब 9त्न लुढ़क गए। वहीं, सैन्य और नागरिक जहाज बनाने वाली चाइना शिपबिल्डर कॉरपोरेशन के शेयरों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। इलेक्ट्रॉनिक डिफेंस उपकरण बनाने वाली Zhuzhou Hongda Electronics Corp Ltd के शेयर भी 6 प्रतिशत से अधिक टूट गए। बता दें कि यह कंपनी मिलिट्री डोन भी बनाती है और इसके ड्रोन का इस्तेमाल पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ किया जिसे भारत ने नाकाम कर दिया।Zhuzhou मिसाइलें भी बनाती है और पाकिस्तान ने इसी के बनाए पीएल-15 मिसाइलें दागी जिसे भारत ने आसमान में ही ध्वस्त कर दिया। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पाकिस्तान अपने रक्षा उपकरणों का अधिकांश हिस्सा चीन से आयात करता है। 2019 से 2023 के बीच पाकिस्तान के 82 प्रतिशत रक्षा आयात चीन से हुए, जो 2009-2012 के बीच के 51प्रतिशत के आंकड़े से कहीं ज्यादा है।

2.86 फिटमेंट फैक्टर के बाद भी कर्मचारियों के वेतन में होगी मामूली वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल जनवरी में जब से केंद्र सरकार ने 8वें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की है, उसके बाद से लगातार फिटमेंट फैक्टर को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। फिटमेंट फैक्टर वह आधार है, जिस पर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनधारकों के नए मूल वेतन की गणना की जाएगी। 1.2 करोड़ से अधिक कर्मचारी और पेंशनर्स यह जानने के लिए बेताब हैं कि उनके वेतन और पेंशन में वास्तविक रूप से कितनी बढ़ोतरी होगी। विभिन्न कर्मचारी संगठन 2.86 फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि वास्तविक वेतन वृद्धि इससे कम हो सकती है, क्योंकि फिटमेंट फैक्टर का बड़ा हिस्सा मुद्रास्फीति समायोजन के लिए जाता है।

विभिन्न कर्मचारी संगठन ऊंचे फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं। कुछ कर्मचारी संगठन 2.86 फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं, ताकि वेतन और पेंशन में अच्छी खासी बढ़ोतरी हो सके। फिटमेंट फैक्टर मूल वेतन पर लागू होता है। उदाहरण के लिए, यदि 8वां वेतन आयोग 1.92 का फिटमेंट फैक्टर सुझाता है, तो न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपए से बढ़कर 34,560 रुपए हो जाएगा। वहीं अगर फिटमेंट फैक्टर 2.86 रहता है, तब मूल वेतन बढ़कर 51,480 रुपए तक पहुंच सकता है। हालांकि, विशेषज्ञों के

अनुसार, फिटमेंट फैक्टर का बड़ा हिस्सा महंगाई भत्ते (डीए) और मुद्रास्फीति समायोजन के लिए उपयोग होता है, जिससे वास्तविक वेतन वृद्धि सीमित रहती है। पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग ने कहा कि 2।86 का फिटमेंट फैक्टर असंभव है, और यह 1.92 के आसपास रह सकता है, जिससे वेतन वृद्धि अपेक्षाकृत कम होगी।

पुराने वेतन आयोग से तुलना

इतिहास बताता है कि फिटमेंट फैक्टर और वास्तविक वेतन वृद्धि में बड़ा अंतर होता है।6वें वेतन आयोग (2006) में फिटमेंट फैक्टर 1.86 था, लेकिन वास्तविक वेतन वृद्धि 54 फीसद हुई थी। इसके विपरीत, 7वें वेतन आयोग (2016) में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था, लेकिन वास्तविक वेतन वृद्धि केवल 14।2 फीसद थी।7वें वेतन आयोग में 2.57 के फिटमेंट फैक्टर में से 2.25 फीसद मौजूदा वेतन और 125 फीसद महंगाई भत्ते के समायोजन के लिए इस्तेमाल किया गया, जबकि केवल 0.32 फीसद वास्तविक वेतन वृद्धि के लिए इस्तेमाल किया गया।इससे स्पष्ट है कि फिटमेंट फैक्टर का अधिकांश हिस्सा मुद्रास्फीति समायोजन में चला जाता है, जिससे कर्मचारियों को नया पैसा कम मिलता है।

कर्मचारी संगठनों की मांग

नेशनल काउंसिल-जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी जैसे विभिन्न कर्मचारी संगठन 2।86 या उससे अधिक फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं, ताकि वेतन और पेंशन में पर्याप्त वृद्धि हो सके। NC-JCM के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति की गति को देखते हुए फिटमेंट फैक्टर 7वें आयोग से अधिक होना चाहिए। हालांकि, सरकार की सहमति इस मांग पर आसान नहीं दिखती। कर्मचारी संगठन न्यूनतम वेतन को 34,000 से 51,480 रुपए तक बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक वृद्धि इससे कम होगी।

सरकार की तैयारियां

वित्त मंत्रालय ने पिछले महीने दो सर्कुलर जारी कर 8वें वेतन आयोग के लिए 40 कर्मियों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी है। ये पद विभिन्न सरकारी विभागों से डेपुटेशन पर भरे जाएंगे। सरकार जल्द ही आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस को अंतिम रूप देगी, जिसके बाद चेयरमैन और प्रमुख सदस्यों की नियुक्ति होगी। 8वां वेतन आयोग 1 जनवरी 2026 से लागू होगा, क्योंकि 7वां वेतन आयोग 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो रहा है। वर्तमान में 47 लाख केंद्रीय कर्मचारी और 65 लाख पेंशनर्स इस आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं।

सरकार पर वित्तीय बोझ

7वें वेतन आयोग के लागू होने से सरकार पर 1.02 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ा था। अगर फिटमेंट फैक्टर 2.86 के करीब होता है तब 8वें वेतन आयोग के साथ सरकार पर वित्तीय बोझ बढ़ने की उम्मीद है। कर्मचारियों को उम्मीद है कि नई सिफारिशें उनके जीवन स्तर को बेहतर करेंगी, लेकिन विशेषज्ञ चेता रहे हैं कि वास्तविक वेतन वृद्धि 20 से 35 फीसद के बीच रह सकती है।

क्योंकि वेतन वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा मुद्रास्फीति समायोजन में जाएगा। कर्मचारी और पेंशनर्स चाहते हैं कि आयोग के सदस्यों की नियुक्ति जल्द हो, ताकि सिफारिशें

शेयर बाजार में मजबूत बढ़त; सेंसेक्स 1250 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार पहुंचा

मुंबई, एजेंसी। गुरुवार को 2 बजकर 46 मिनट पर सेंसेक्स 1,240.04 (1.52प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 82,570.60 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, निफ्टी 398.65 (1.62प्रतिशत) अंक उछलकर 25,065.55 के स्तर पर पहुंच गया शेयर बाजार में गुरुवार को आखिरी सत्र के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूत खरीदारी दिखी। 2 बजकर 46 मिनट पर सेंसेक्स 1,240.04 (1.52 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 82,570.60 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, निफ्टी 398.65 (1.62 प्रतिशत) अंक उछलकर 25,065.55 के स्तर पर पहुंच गया।

इससे पहले शुरुआती कारोबार में गुरुवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में उतार चढ़ाव देखने को मिला। ब्लू-चिप बैंक शेयरों और एशियाई बाजारों में कमजोर रुझानों के चलते बाजार में नकारात्मक रुख देखने को मिला। 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 106.78 अंक गिरकर 81,223.78 अंक पर आ गया। ऐसे ही एनएसई निफ्टी 38.45 अंक गिरकर 24,628.45 अंक पर आ गया। बाद में बीएसई बेंचमार्क 247.22 अंक गिरकर 81,082.80 पर और निफ्टी 67.15 अंक गिरकर 24,599.75 पर आ गया। इसके बाद शेयर बाजार कभी हरे तो कभी लाल निशान पर कारोबार करते दिखाई दिया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, सन फार्मा, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और एचडीएफसी बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। इसके उलट टाटा मोटर्स, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट में बढ़त दर्ज की गई। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 931.80 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एशियाई और अमेरिकी बाजारों का हाल- एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए।

कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग को दी बड़ी राहत, आयकर दर घटाई, जुलाई 2025 से ही मिलेगा फायदा

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के वित्त विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि सरकार के एजेंडे के तहत मध्यम वर्गीय लोगों को आयकर में राहत दी गई है। इस फैसले से कनाडा के मेहनतकश लोगों को फायदा मिलेगा और लोग अपनी जरूरत की चीजों पर ज्यादा खर्च कर सकेंगे। कनाडा की सरकार ने नई कैबिनेट के एलान के तुरंत बाद एक बड़ा फैसला किया है। दरअसल कनाडा की सरकार ने मध्यम वर्ग के लिए आयकर में कटौती करने का फैसला किया है। एलान के तहत सरकार ने आयकर की दर को 15 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया है और घटी हुई दर एक जुलाई 2025 से लागू हो जाएंगी।

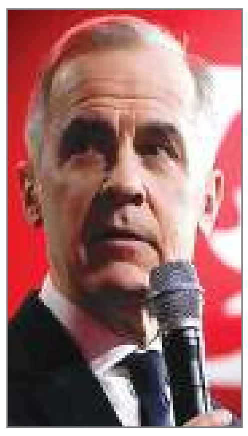

कनाडा सरकार के इस कदम से देश के करीब 2.2 करोड़ लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है। सरकार के अनुमान के मुताबिक दो आय वाले घरों को सालाना 840 अमेरिकी डॉलर की बचत हो सकती है। कनाडा के वित्त विभाग ने एक बयान जारी कर बताया कि सरकार के एजेंडे के तहत मध्यम वर्गीय लोगों को आयकर में राहत दी गई है। इस फैसले से कनाडा के मेहनतकश लोगों को फायदा मिलेगा और लोग अपनी जरूरत की चीजों पर ज्यादा खर्च कर सकेंगे। सरकार के फैसले से कनाडा के लोगों की अगले पांच वर्षों में 27 अरब डॉलर की टैक्स बचत हो सकती है।

6जी-2025 समिट : भारत 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले शीर्ष-6 देशों में शामिल

5G के मुकाबले 100 गुना तेज होगी स्पीड

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत अब 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल हो गया है। केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बुधवार को कहा, भारत के पास प्रतिभाओं का विशाल भंडार और पर्याप्त समय है। 6जी में भारत के अग्रणी नहीं बनने का कोई कारण नजर नहीं आता है।

भारत 5जी के बाद अब 6जी तकनीक की दिशा में भी तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।?खास बात है कि भारत अब 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले दुनिया के शीर्ष छह देशों में शामिल हो गया है।?

केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बुधवार को कहा, भारत के पास प्रतिभाओं का विशाल भंडार और पर्याप्त समय है। 6जी में भारत के अग्रणी नहीं बनने का कोई कारण नजर नहीं आता है। भारत 6जी-2025 सम्मेलन में मंत्री ने कहा, 6जी टेराहर्ट्ज आवृत्ति बैंड का उपयोग करेगा, जिससे डाटा हासिल करने की दर एक टेराबिट प्रति सेकंड होगी।?यह रफ्तार

5जी की तुलना में 100 गुना तेज है। उन्होंने कहा, भारत में 111 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं को 300 करोड़ रुपये की मंजूरी राशि के साथ वित्तपोषित किया गया है। मंत्री ने कहा, भारत जैसे-जैसे वैश्विक प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखेगा, वैसे-वैसे 6जी प्रौद्योगिकी के साथ इसका आगे का रास्ता आने वाले दशकों के लिए देश की समृद्धि को परिभाषित करेगा। स्वदेशी 6जी का विकास यह सुनिश्चित करेगा कि हमारा संचार भारत में ही विकसित हो और पूरी तरह सुरक्षित रहे।

केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री ने कहा, 6जी पूरी तरह से नए उद्योगों का निर्माण करेगा और मौजूदा व्यवसायों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। इस क्रांतिकारी परिवर्तन से 2035 तक देश की अर्थव्यवस्था में संभावित रूप से एक लाख करोड़ डॉलर का इजाफा होगा। उन्होंने आगे कहा, हमें एक ऐसे 6जी तंत्र का निर्माण?करना है, जो भारत में बना हो और दुनिया भी इसका इस्तेमाल कर पाए।?यह डिजाइन के मोर्चे पर पूरा सुरक्षित हो और प्रभाव में परिवर्तनकारी हो।

दीपिका पादुकोण ने स्पिरिट के लिए मांगी 20 करोड़ फीस

प्रभास संग मचाएंगी धमाल

बॉलीवुड की सुपरस्टार दीपिका पादुकोण बीते साल 2024 में प्रभास के साथ तेलुगू में बनी पैन इंडिया रिलीज कल्कि 2898एडी में नजर आई थीं। फिर वह रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में डीसीपी शक्ति शेट्टी बनकर धुआंधार एक्शन करती नजर आईं। अब आगे वह शाहरुख खान के साथ जहां किंग में नजर आएंगी, वहीं खबर है कि उन्हें प्रभास के साथ एक बार फिर से स्पिरिट में कास्ट किया गया है। और तो और, एनिमल फेम संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म के लिए दीपिका ने इतनी तगड़ी फीस ली है कि वह सुर्खियों में आ गई हैं!

दीपिका पादुकोण बीते साल 8 सितंबर 2024 को मां बनी हैं। वह इन दिनों बेटी दुआ की परवरिश में वक्त दे रही हैं। इस बीच रिपोर्ट में बताया गया है कि संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें प्रभास के अपोजिट स्पिरिट में कास्ट किया है। यह पर्दे पर मां बनने के बाद उनकी कमबैक फिल्म होगी। रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र के हवाले से कहा गया है कि दीपिका को इस फिल्म के लिए उनके करियर की सबसे अधिक फीस मिल रही है।

दीपिका ने स्पिरिट के लिए ली है 20 करोड़ फीस!

हालांकि, सटीक आंकड़े की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इनसाइडर रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि दीपिका पादुकोण को स्पिरिट के लिए करीब 20 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। यदि यह सच है, तो दीपिका भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक फीस लेने वाली एक्ट्रेस बन जाएंगी।

देश की सबसे महंगी एक्ट्रेस में रशिमका, प्रियंका, आलिया का भी नाम

देश में सबसे मोटी फीस लेने वाली एक्ट्रेसस में इस वक्त रशिमका मंदाना से प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट जैसी एक्ट्रेसेस का नाम शुमार है। फिल्हाल, टॉप एक्ट्रेसेस की फीस 10-15 करोड़

के बीच है। लेकिन दीपिका की 20 करोड़ की फीस इस मायने में एक नया बेंचमार्क है। हालांकि, इस फीस की चर्चा ऐसे समय में भी हो रही है, जब कई दिग्गज फिल्ममेकर्स एक्टर्स की बढ़ती फीस को लेकर चिंता जता चुके हैं।

दीपिका ने दी हैं हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में

वैसे, दीपिका पादुकोण की फीस का बढ़ना कोई आश्चर्य नहीं है। ऐसा इसलिए कि उनकी झोली में पद्मावत, बाजीराव मस्तानी पीकू, ये जवानी है दीवानी और जवान जैसी हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि दीपिका इस वक्त इंडस्ट्री की सबसे काबिल और सबसे भरोसेमंद स्टार हैं।

जून-जुलाई में शुरू हो जाएगी स्पिरिट की शूटिंग जहां तक स्पिरिट की बात है, तो प्रभास और दीपिका के साथ संदीप रेड्डी वांगा इसे ग्रैंड लेवर पर बना रहे हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म बताई जा रही है, जिसे पैन इंडिया रिलीज किया जाएगा। स्पिरिट की शूटिंग 2025 में जून-जुलाई के आसपास शुरू हो सकती है। प्रभास-दीपिका की पिछली फिल्म कल्कि - 2898एडी ने बॉक्स ऑफिस पर देश में 646.31 करोड़ का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 1042.25 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

तेहरान के साथ एक और सफल वर्ष के लिए तैयार मानुषी छिल्लर

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर अपना जन्मदिन मना रही हैं। मानुषी छिल्लर अपने बॉलीवुड करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही हैं, जिसे उनका अब तक का सबसे परिवर्तनकारी वर्ष कहा जा सकता है। रिलीज़ के लिए पाइपलाइन में दो प्रमुख फ़िल्में हैं, मालिक, एक गैंगस्टर ड्रामा, जिसमें वह राजकुमार राव के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी, और तेहरान, एक जियो-पॉलिटिकल थ्रिलर फ़िल्म जो सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नज़र आएंगी, मानुषी के प्रशंसक मिस वर्ल्ड को फिर से एक्शन में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। इन दोनों फिल्मों में मानुषी बिल्कुल नए और अनदेखे अवतारों में नज़र आएंगी, जो दर्शकों की सोच को चुनौती देने के साथ-साथ उनकी अभिनय क्षमता और बहुआयामी प्रतिभा को सामने लाएंगी। 2025 में मानुषी की पहली फिल्म मालिक की रिलीज डेट नजदीक आ रही है, सूत्रों ने पुष्टि की है कि उनकी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति प्रशंसकों द्वारा पहले देखी गई किसी भी किरदार से नाटकीय रूप से अलग होगी, जिसने फिल्म के लिए उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। फिल्म की टीम ने मानुषी के लुक को लीक होने से बचाने के लिए खास इंतज़ाम किए हैं। मालिक के इर्द-गिर्द चर्चा में योगदान देने वाला एक और कारक राजकुमार के साथ उनकी नई जोड़ी है।

पुलकित द्वारा निर्देशित और कुमार तौरानी और जय शेवक्रमणी द्वारा निर्मित, मालिक 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। वहीं दूसरी फिल्म तेहरान में भी मानुषी का एक बेहद अलग और दमदार रूप सामने आएगा। इस जियो-पॉलिटिकल थ्रिलर में वह जॉन अब्राहम के साथ एक्शन से भरपूर भूमिका में दिखेंगी।

इस किरदार के लिए उन्होंने क्रॉप्ड वेवी हेयर और हथियारों के साथ शूट किए गए सीन जैसे लुक्स अपनाए हैं—जो उनके पारंपरिक ग्लैमरस अंदाज़ से बिल्कुल विपरीत है। दिनेश विजन के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के तहत बन रही यह फिल्म भी 2025 में रिलीज़ होगी और यह साफ संकेत देती है कि मानुषी अब अपनी सुंदरता से आगे निकलकर गंभीर, चुनौतीपूर्ण और किरदार-प्रधान भूमिकाओं की ओर बढ़ रही हैं।

पंचायत 4 के सभी पहलू लोगों को हंसाएंगे और रुलाएंगे भी...

फैसल मलिक इन दिनों अपनी अगली वेब सीरीज पंचायत 4 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस सीरीज का टीजर रिलीज हुआ है। पंचायत में किरदार ऐसे लिखे गए हैं जिनसे लोग खुद को जोड़ लेते हैं। वो सीधा-सादा इंसान किसी को भी अपने पापा या चाचा जैसा लग सकता है। यही कॉमेडी और इमोशन का मेल है जो पंचायत को खास बनाता है।

पंचायत देखकर गांव वाले सराहते हैं या नाराज होते हैं? गांव वाले बहुत प्यारे लोग हैं। शूटिंग के दौरान खाना खिलाते हैं, मदद करते हैं। अब तो पहचान भी गए हैं कि हम ढाई महीने वहीं रहेंगे। इसलिए एक अपनापन लगता है उनके बीच।

पंचायत 4 में क्या नया है?

इस बार तो धमाल है! जब पहला सीजन बना था तब नहीं सोचा था इतना चलेगा, 2 बना तो उससे ज्यादा चला, 3 ने दोनों को पीछे छोड़ा। 4 में तो सबकुछ है। कहानी, डायरेक्शन और इमोशन, सभी का लेवल अप है। अब इस सीरीज को लोग खुद वायरल कर देते हैं, हमें खुद नहीं पता चलता कि सीरीज का कौनसा सीन कितना बड़ा हिट हो गया। इस बार के सीजन में सभी पहलू दर्शकों को हसाएंगे और रुलाएंगे भी। ये सीजन भी सभी के साथ कनेक्ट करेगा।

सीरीज अब 6 फिल्मों जैसी लगती है, ऐसा क्यों है?

हां, क्योंकि अब हर एपिसोड की शुरुआत, मिड और एंड होता है। जैसे पाताललोक हो या पंचायत, आप इनकी लेखनी देखिए। कमाल की राइटिंग है। आप अच्छा कंटेंट दिखाएंगे तो लोग भी आपकी सीरीज का इंतजार करेंगे। फर्क राइटिंग और सोच का होता है। इसलिए पंचायत या टीवीएफ की किसी सीरीज की इतना प्रेम मिलता है।

उर्फी जावेद ने वीज़ा रिजेक्शन के चलते रद्द किया कान्स का सफर

उर्फी जावेद के फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे कि वह इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी धमाकेदार एंट्री से सबको चौंकाएंगी। लेकिन, अफसोस की बात है कि उर्फी इस प्रतिष्ठित इवेंट में शामिल नहीं हो पाएंगी क्योंकि उनका वीज़ा रिजेक्ट हो गया। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट साझा करते हुए इस रिजेक्शन को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उर्फी ने लिखा, मैंने कुछ भी अपलोड नहीं किया और कहीं नज़र भी नहीं आई क्योंकि मैं एक दौर से गुज़र रही थी। मेरा बिजनेस नहीं चला। मैंने कई और चीज़ें ट्राई कीं, लेकिन वहां भी रिजेक्शन ही मिला। मेरी टीम और मैं बहुत निराश हो गए। हालांकि इस निराशा के बावजूद, उर्फी ने इस रिजेक्शन को प्रेरणा में बदल दिया और अपने फॉलोअर्स से भी आग्रह किया कि वे भी अपनी रिजेक्शन स्टोरीज़ साझा करें ताकि एक-दूसरे को प्रेरित किया जा सके। उन्होंने लिखा, मुझे यकीन है कि आप में से कई लोग भी रिजेक्शन का सामना कर रहे होंगे। चलो एक-दूसरे का सपोर्ट करें।

कोरिया टूरिज्म का एंबेसडर बनना गर्व और सम्मान की बात

टीवी की मशहूर अभिनेत्री हिना खान को एक बड़ी जिम्मेदारी और उपलब्धि मिली है। हिना खान को कोरिया का टूरिज्म एम्बेस्डर बनाया गया है। हिना ने इसकी जानकारी अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी है। इस पोस्ट में हिना खान ने कई सारी फोटोज और कुछ वीडियो साझा करें। इन फोटोज में हिना खान को सम्मान दिया जा रहा है और कोरिया टूरिज्म के एंबेसडर की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। हिना ने एक तस्वीर उस प्रतिमा की भी साझा की है, जो उन्हें टूरिज्म एंबेसडर नियुक्त करते समय प्रदान की गई है। एक फोटो में हिना सम्मान में मिले बुके को लिए खड़ी हैं और एक तस्वीर में वो मीटिंग हॉल में बैठी कुछ बता रही हैं। हिना ने उन्हें मिले गिफ्ट्स की फोटो भी साझा की है। इन फोटोज को शेयर कर इस उपलब्धि पर हिना ने खुशी जताई है। साथ ही धन्यवाद भी जताया। कोरिया टूरिज्म का एंबेसडर बनना हिना ने अपने लिए गर्व और सम्मान की बात बताया। कोरिया की सुंदरता का जिक्र करते हुए हिना ने कहा कि प्राचीन महलों से लेकर जीवंत सड़कों तक, कोरिया का जादू तलाशने का इंतजार कर रही हूं।

कान फेस्टिवल में नजर आएंगी नितांशी गोयल

कान फिल्म फेस्टिवल 2025 के रेड कॉर्पेट पर इस बार कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज नजर आने वाले हैं। इस लिस्ट में आलिया भट्ट, ऐश्वर्या राय बच्चन, जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और करण जौहर के अलावा कुछ और कलाकार भी शामिल होंगे। इस लिस्ट में 'लापता लेडीज' की एक्ट्रेस नितांशी गोयल और इंफ्लुएंसर पारुल गुलाटी के नाम भी दर्ज हैं। पारुल और नितांशी पहली बार इस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बन रही हैं।

नितांशी कान फेस्टिवल में करेंगी डेब्यू आमिर खान प्रोडक्शन की फिल्म 'लापता लेडीज' से मशहूर हुई एक्ट्रेस नितांशी गोयल कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में डेब्यू कर रही हैं। वह कान फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने वाली अब तक की सबसे कम उम्र की एक्ट्रेस हैं। यह एक्ट्रेस एक नामी मेकअप ब्रैंड की तरफ से इस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर वॉक करेंगी।

इंफ्लुएसंर पारुल गुलाटी भी होंगी शामिल

नितांशी गोयल के अलावा कान फिल्म फेस्टिवल में इंफ्लुएंसर, एक्ट्रेस और बिजनेस वूमेन पारुल गुलाटी भी शामिल होंगी, उनका भी इस फिल्म फेस्टिवल में यह डेब्यू है। पारुल गुलाटी 15 से 18 मई तक रेड कार्पेट पर नजर आएंगी। पारुल गुलाटी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फ्रांस से कुछ तस्वीरें भी हैं। साथ ही एक कैप्शन भी लिखा है, 'दिसंबर 2021 में मैं फ्रांस में वेब सीरीज 'मेड इन हेवन' की शूटिंग कर रही थी और मेरे पास शूटिंग से एक दिन की छुट्टी थी। मुझे पता चला कि कान फिल्म फेस्टिवल वाली जगह बस एक घंटे की दूरी पर है। मैं एक बस में चढ़ गई और वहां पहुंच गई। दुख की बात है कि उस दिन वहां बैरिकेड्स लगे हुए थे और मैं रेड कार्पेट या कान थिएटर की सीढ़ियों पर कदम नहीं रख सकी। उस वक्त मैंने मन में सोचा एक दिन यहां जरूर आऊंगी। अब देखिए, इस साल आपकी लड़की कान फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर जा रही है।'

शनाया ने पूरी की जेसी की शूटिंग

सोनम कपूर, जान्हवी और खुशी के बाद कपूर परिवार की एक और लाडली फिल्मी दुनिया में आने वाली हैं। बात हो रही है एक्टर संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर की, जो आंखों की गुस्ताखियां फिल्म से डेब्यू कर रही हैं मगर, उन्होंने एक और फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसका नाम है जेसी। इस फिल्म का निर्देशन सुजात सौदागर कर रहे हैं टीम ने फिल्म की शूटिंग का जश्न केक काटकर मनाया, शनाया ने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर किए हैं। शनाया ने केक की जो तस्वीर शेयर की है, उस पर लिखा है डायना कहा जा रहा है कि यह शनाया के किरदार का नाम हो सकता है एक तस्वीर में वे सुजात से गले लगती नजर आई हैं, उन्होंने कैप्शन लिखा है, शुक्रिया, बहुत धन्य महसूस हो रहा है, बेहद खुश हूं। सुजात ने भी अपनी स्टोरी पर फोटो लगाकर लिखा है, आपको मिस करेंगे, खूब आगे बढ़ो।

क्या हॉकी एशिया कप के लिए भारत आएगा पाकिस्तान

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों की एंट्री बैन, 27 अगस्त से बिहार में टूर्नामेंट

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम भारत आएगी या नहीं इस पर संशय बना हुआ। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच जंग की स्थिति बन गई। 10 मई को सीजफायर जरूर हो गया, लेकिन किसी भी पाकिस्तानी को भारत में एंट्री की परमिशन नहीं मिली है।

बिहार के राजगीर में एशिया कप 27 अगस्त से 7 सितंबर तक खेला जाएगा। यह अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। जिसमें एशिया की टॉप-8 टीमें हिस्सा लेंगी।

सरकार के निर्देश मानेंगे- हॉकी इंडिया - हॉकी इंडिया के सेक्रेटरी जनरल भोलानाथ सिंह ने कहा, पाकिस्तान टीम एशिया कप के लिए आएगी या नहीं, इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी है। पहलगाम में आतंकी हमला और भारत का ऑपरेशन सिंदूर कुछ दिन पहले ही हुआ। ऐसे में इस वक्त कुछ भी कह पाना मुश्किल है।

टूर्नामेंट शुरू होने में अब भी करीब 3 महीने का समय बचा है। हम शांति कायम होने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार के जो भी निर्देश होंगे, हम उनका पालन करेंगे।भारत और पाकिस्तान के बीच 181 हॉकी मैच खेले गए। 82 में पाकिस्तान और 67 में भारत को जीत मिली। 32 मुकाबले ड्रॉ भी रहे।

सरकार ने मना किया तो पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट होगा - हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा, अगर सरकार ने पाकिस्तान को एंट्री देने से मना किया तो उनके बिना टूर्नामेंट कराया जाएगा। सबकुछ सरकार के फैसले पर निर्भर है। अगर पाकिस्तान खेलने के लिए भारत नहीं आई तो उनके बिना टूर्नामेंट कराने का फैसला पूरी तरह एशियन हॉकी फेडरेशन करेगा। वे चाहें तो 7 टीमों को टूर्नामेंट करा सकते हैं या फिर पाकिस्तान की जगह किसी और टीम को मौका भी दिया जा सकता है।

2016 में भी भारत नहीं आई थी पाकिस्तान टीम - 2016 में पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत में जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप हुआ था। तब भी पाकिस्तान हॉकी टीम भारत नहीं आई थी। तब पाकिस्तान की जगह मलेशिया को एंट्री देकर टूर्नामेंट कराया गया था। दोनों देशों में तनाव के बाद पाकिस्तान का जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी भारत आना मुश्किल लग रहा है। टूर्नामेंट चेन्नई और मदुराई में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा।भारत ने पिछले साल जूनियर हॉकी एशिया कप में पाकिस्तान को फाइनल हराकर ही टाइटल जीता था।

वर्ल्ड कप में डायरेक्ट एंट्री दिलाता है एशिया कप - नीदरलैंड के एम्सरटडैम में अगले साल 14 से 30 अगस्त तक हॉकी वर्ल्ड कप होगा। एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप में डायरेक्ट एंट्री मिलती है। 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया डिफेंडिंग चैंपियन है। वहीं भारत और पाकिस्तान को अपने-अपने चौथे टाइटल का इंतजार है। हॉकी एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के अलावा जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे भी हिस्सा लेंगी। 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमों के बीच सेमीफाइनल और इसे जीतने वाली टीमों के बीच 7 सितंबर को फाइनल होना है।

रोहित-कोहली के संन्यास से घबराने की जरूरत नहीं है : मांजरेकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि विराट कोहली और

संजय मांजरेकर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि 'फैब फोर' के विदा लेने के बाद भी भारतीय क्रिकेट ने वापसी की थी। आधुनिक क्रिकेट के दिग्गजों रोहित और विराट ने एक सप्ताह के भीतर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने वाली टीम को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेगी

उप-विजेता 2.16 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे

सिडनी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा कर दी गई है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में होने वाले एकमात्र टेस्ट से एक महीने से भी कम समय पहले आईसीसी ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के 2023-25 ??संस्करण के लिए एक विशाल पुरस्कार राशि की घोषणा की है।

डब्ल्यूटीसी 2023-25 ??फाइनल के लिए कुल पुरस्कार राशि 5.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो पिछले दो संस्करणों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। चैंपियन को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे जो 2021 और 2023 दोनों में दिए गए 1.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर से काफी अधिक है जबकि उप-विजेता को 800,000 अमेरिकी डॉलर से बढ़कर अब 2.16 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

अंतिम टेस्ट के लिए 30 दिन की उल्टी गिनती को चिह्नित करते हुए आईसीसी ने इस मुकाबले के लिए उत्साह बढ़ाने वाला एक प्रचार वीडियो भी जारी किया जिसमें दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, शीर्ष तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, प्रोटियाज स्टार एडेन मार्कराम, ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव स्मिथ और शानदार ट्रैविस हेड के साथ-साथ पूर्व महान खिलाड़ी शॉन पोलक, डेल स्टेन, मैथ्यू हेडन, मेल जोन्स, नासिर हुसैन, शोएब अख्तर और रवि शास्त्री शामिल हैं। इसी के साथ ही दोनों फाइनलिस्टों ने टीमों का भी ऐलान कर दिया है।

दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी 25 स्टैंडिंग में शीर्ष पर रहा और लॉर्ड्स में फाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई जिसमें पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और श्रीलंका पर जीत और भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज ड्रॉ रही। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत पर 3-1 की जीत के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की। उनके मजबूत अभियान में न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू और विदेशी सीरीज में पाकिस्तान को 3-0 से हराना भी शामिल है।

नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल बनाया

धोनी, कपिल और बिंद्रा इसका हिस्सा

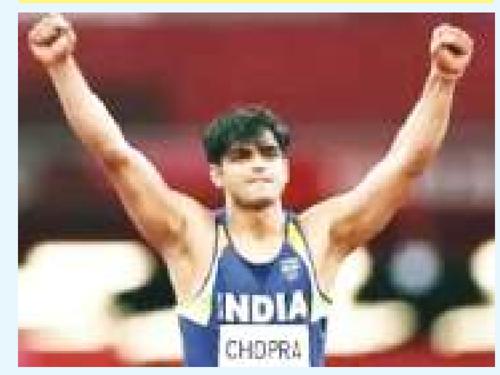

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी है। नीरज को यह सम्मान खेल में असाधारण योगदान और राष्ट्र के प्रति उनकी कमिटमेंट के लिए दिया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार, 14 मई को इसकी घोषणा की। बयान के अनुसार, यह नियुक्ति 16 अप्रैल से प्रभावी है। नीरज चोपड़ा पहले भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर थे। उन्हें 2018 में सुबेदार बनाया गया था। नीरज 2016 में भारतीय सेना में नायब सूबेदार के रूप में शामिल हुए थे। नीरज चोपड़ा से पहले पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी, कपिल देव और अभिनव बिंद्रा जैसे खिलाड़ियों को टेरिटोरियल आर्मी में मानद उपाधि दी जा चुकी है।

- **नीरज आज दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे** - नीरज चोपड़ा शुक्रवार 16 मई को दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। नीरज ने पिछले सीजन में 88.36 मीटर भाला फेंककर दूसरा स्थान हासिल किया था। वे 2023 में 88.67 मीटर के स्कोर के साथ चैंपियन बने थे। नीरज के अलावा, जेवलिन थ्रोअर किशोर जेना, मिडिल डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह और पारुल चौधरी भी हिस्सा लेंगी।

लगातार दो ओलिंपिक मेडल जीत चुके हैं नीरज - नीरज चोपड़ा दुनिया के नंबर-2 जेवलिन थ्रोअर हैं। वे भारत की ओर से लगातार दो ओलिंपिक गेम्स में मेडल जीत चुके हैं। नीरज ने पेरिस ओलिंपिक में सिल्वर और टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा, वे वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे वर्ल्ड क्लास टूर्नामेंट में भारत को गोल्ड मेडल जिता चुके हैं।

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिए साउदी को विशेषज्ञ सलाहकार किया नियुक्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने घोषणा की कि न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के खत्म होने तक इंग्लैंड का विशेषज्ञ कौशल सलाहकार नियुक्त किया गया है। भारतीय टीम इंग्लैंड के दौरे की शुरुआत 20 जून से लीड्स में पहले टेस्ट के साथ करेगी। यह दौरा 31 जुलाई से चार अगस्त तक ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट के साथ खत्म होगा। दिसंबर 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले साउदी इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय सत्र के शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे जो अगले बृहस्तिवार से ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट होगा। 36 वर्षीय साउदी ने 107 टेस्ट मैच में 391 विकेट, 161 वनडे मैच में 221 विकेट और 126 टी20 मैच में 164 विकेट हासिल किए हैं। ईसीबी ने एक बयान में कहा, 'दुनिया भर में विभिन्न परिस्थितियों और सभी प्रारूपों में खेलने के अपने विशाल अनुभव के साथ वह खिलाड़ियों को अहम जानकारी प्रदान करेंगे। सलाहकार की भूमिका के बाद वह बर्मिंघम फीनिक्स के लिए 'द हंड्रेड' में खेलना शुरू करेंगे।

ला लीगा- रियल मैड्रिड ने मायोर्का को 2-1 से हराया

एमबाप्पे और रैमॉन ने एक-एक गोल किया, बार्सिलोना का खिताब जश्न टला

बार्सिलोनी (एजेंसी)। स्पेनिश लीग ला लीगा में बुधवार को खेले गए मैच में रियल मैड्रिड ने मायोर्का को इंजरी टाइम में गोल कर 2-1 से हरा दिया। मैड्रिड के लिए किलियन एमबाप्पे और जैकोबो रैमॉन ने एक-एक गोल किया।

बार्सिलोना को खिताब के लिए करना पड़ेगा इंतजार

इसके साथ ही बार्सिलोना को अपने 28वां लीग खिताब के लिए इंतजार करना पड़ेगा। स्पेनिश लीग में सबसे ज्यादा पॉइंट अर्जित करने वाली टीम खिताब जीतती है। बार्सिलोना के 35 मैच के बाद 82 पॉइंट है। वह पॉइंट टेबल में टॉप पर है। जबकि रियल मैड्रिड 36 मैचों के बाद 78 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर है। स्पेनिश लीग में 20 टीमें खेल रही है। प्रत्येक टीम को एक-दूसरे से दो दो मैच खेलने हैं। एक मैच अपने होम ग्राउंड पर और दूसरा बाहर यानी प्रत्येक टीम को 38 मैच लीग में खेलने हैं। बार्सिलोना को 3 मैच खेलने हैं और एक भी जीतने के बाद वह खिताब जीत जाएगी। जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली रियल मैड्रिड के दो मैच बाकी है, और दोनों जीतने के बाद भी खिताब हासिल करना मुश्किल है।

हाफ टाइम में मायोर्का ने 1-0 से आगे

मार्योका ने हाफ टाइम में रियल मैड्रिड से 1-0 से आगे रहा। मार्योका की तरफ से 11 वें मिनट में मार्टिन वाल्जेंट ने गोल कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उसके बाद हाफ टाइम तक दोनों टीमों ने कोई और गोल नहीं किए।

मबाप्पे ने गोल कर टीम को बराबरी पर लाया

मैच के 68वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने गोल कर रियल मैड्रिड को 1-1 की बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। लीग में उनका यह 28वां गोल था।

वह लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उनसे तीन गोल पीछे बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की हैं। इनके 25 गोल हैं।

रैमॉन ने इंजरी टाइम में विजयी गोल दागा

ऐसा लग रहा था कि बार्सिलोना का खिताब तय हो गया, पर इंजरी टाइम में रियल मैड्रिड की ओर से जैकोबो रैमॉन ने गोल कर स्कोर को स्कोर 2-1 कर दिया और टीम को जीत दिला दी।

इसके साथ ही बार्सिलोना को खिताब जश्न मानने के लिए रोक दिया। उन्हें अपने अगले मैच तक इंतजार करना पड़ेगा। बार्सिलोना का मैच गुरुवार को एस्पेनयोल के साथ है। जीत के साथ ही वह खिताब भी जीत लेगी।

गुजरात में शामिल हो सकते हैं कुसल मेंडिस

इंग्लैंड के जोस बटलर की जगह लेंगे, दिल्ली ने बांग्लादेशी पेसर रहमान को साइन किया

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस गुजरात टाइटंस (जीटी) में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मेंडिस के इंग्लैंड के जोस बटलर की जगह लेने की संभावना है। हालांकि गुजरात की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बटलर वेस्टइंडीज के खिलाफ 29 मई से शुरू हो रही वनडे सीरीज के कारण आईपीएल के प्लेऑफ मैच के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। इससे पहले, बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बतौर रिप्लेसमेंट टीम में शामिल किया है। वे ओपनर जैक फ्रेजर मैगर्क की जगह लेंगे। मैगर्क मौजूदा सीजन के बाकी मैचों के लिए भारत नहीं आएंगे। फ्रेंचाइजी ने रहमान से 6 करोड़ रुपए में एग्रीमेंट किया है, लेकिन यह एग्रीमेंट मुश्किल में पड़ता दिखाई दे रहा है। एग्रीमेंट के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के सीईओ निजामुद्दीन चौधरी ने कहा- अभी तक बीसीबी से प्लेयर और बीसीसीआई ने इस एग्रीमेंट के लिए एनओसी नहीं मांगा गया है। उन्होंने क्रिकइंफो से कहा- मुस्तफिजुर को टीम के साथ यूएई जाना है। हमें आईपीएल अधिकारियों से कोई संदेश नहीं मिला है। मुझे मुस्तफिजुर से भी ऐसा कोई आधिकारिक संदेश नहीं मिला है। आमतौर पर आईपीएल किसी भी प्लेयर से एग्रीमेंट का ऐलान तभी करता है, जब जब खिलाड़ी को उसके घरेलू बोर्ड से एनओसी मिल जाती है।

आईपीएल के बचे मैच का शेड्यूल और बांग्लादेश के॰श्व दौरे का शेड्यूल क्लैश हो रहा है।

कैफ बोले-लगता है विराट टेस्ट खेलना जारी रखना चाहते थे

चयन समिति ने नहीं दिया साथ; 12 मई को लिया था संन्यास

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि विराट कोहली इंग्लैंड सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार थे। लेकिन, उन्हें अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति का समर्थन नहीं मिला। कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी थी।

रणजी खेलकर इस फॉर्मेट को जारी रखने के दिए थे संकेत

कैफ ने बुधवार को आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि वह इस फॉर्मेट में खेलना जारी रखना चाहते थे। इसको लेकर उनकी बीसीसीआई अधिकारियों और चयनकर्ताओं से बातचीत भी हुई होगी। चयनकर्ताओं ने पिछले 5-6 सालों में उनके प्रदर्शन का हवाला दिया होगा और उन्हें बताया होगा कि टीम में उनकी जगह अब नहीं हो सकती। हमें कभी पता नहीं चलेगा कि क्या हुआ, यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि पर्दे के पीछे वास्तव में क्या हुआ था। उन्होंने आगे कहा, ऑस्ट्रेलिया दौरे से लौटने के बाद रणजी ट्रॉफी खेलने से यह साफ था कि वह आगामी टेस्ट में वापसी करना चाहते थे। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें बीसीसीआई और चयनकर्ताओं से भी समर्थन मिलेगा, पर उन्हें नहीं मिला।

पिछले पांच सालों में टेस्ट में 3 शतक ही जड़े

कोहली के अगर पिछले सालों के प्रदर्शन को देखें तो पता चला कि उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है। उन्होंने इस बीच खेले 68 पारियों में केवल 2028 रन बनाए और तीन शतक ही लगाए। इस दौरान उनका करियर औसत घटकर 46 तक आ गया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ में शानदार शतक के साथ वापसी के संकेत दिखे, लेकिन बाकी दौरे में वह केवल 90 रन ही बना पाए और भारत 1-3 से सीरीज हार गया।

रोहित शर्मा राजनीति में ! महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिले

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में भारतीय क्रिकेट स्टार रोहित शर्मा का अपने आधिकारिक निवास 'वर्षा' में स्वागत किया। इस खास मुलाकात में रोहित के शानदार टेस्ट करियर को सम्मानित किया गया। फडणवीस ने अपनी भावनाओं को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा किया और रोहित के प्रति प्रशंसा और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

फडणवीस ने लिखा कि भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा का मेरे आधिकारिक निवास 'वर्षा' में स्वागत करना, उनसे मिलना और बातचीत करना बहुत अच्छा रहा। मैंने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर शुभकामनाएं दीं और उनके सफर के अगले अध्याय में निरंतर सफलता की कामना की!

रोहित ने 11 साल और 67 टेस्ट के करियर के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा। उन्होंने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और

67 टेस्ट में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 212 रन था, जो 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में आया। वे भारत के 16वें सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में रिटायर हुए।

रोहित ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत 2013 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रनों की यादगार पारी के साथ की थी। शुरुआती वादे और कुछ शानदार पारियों के बावजूद, 'हिटमैन' को लंबे प्रारूप में अपनी जगह पक्की करने में मुश्किल हुई, खासकर विदेशी दौरों पर। 2013-18 के बीच, उन्होंने 27 टेस्ट में 39.63 की औसत से 1,585 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल थे।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादकः सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेलः purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

संक्षिप्त समाचार

नूंह पुलिस के साथ एनकाउंटर; 3 गौ तस्करों को लगी गोली, करने जा रहे थे गाय की हत्या

नूंह, एजेंसी। नूंह पुलिस के साथ मंगलवार को हुई एक मुठभेड़ में तीन कथित गौ तस्करों को गोली लग गई। उनको पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि तीन अन्य भागने में सफल रहे। अधिकारियों ने बताया कि तीनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी। इससे तीनों घायल हो गए। पुलिस कांस्टेबल अजय की दाहिनी आंख पर एक तस्कर ने चाकू से हमला कर दिया। इससे वह घायल हो गए। घायल पुलिसकर्मी और आरोपियों को इलाज के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी गौ तस्करों के

पास से दो देशी पिस्तौल, तीन कारतूस, सात खोखे, तीन चाकू, दो कुल्हाड़ियां, एक मृत और दो जीवित गाय, दो मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पकड़े गए तस्करों की पहचान राहिल (36), ताहिर (42) और शहजाद (35) के रूप में हुई है। तीनों के पैरों में गोलियां लगी हैं। तीनों ही पचगांव गांव के निवासी हैं। आरोपियों के खिलाफ ताउरू सदर थाने में एक केस दर्ज कर लिया गया है। नूंह के उपायुक्त (डीएसपी) हरिंदर कुमार ने बताया कि एक खुफिया इनपुट के आधार पर पचगांव गांव की पहाड़ी के पास दो पुलिस टीमों ने छापेमारी की। पुलिस ने मौके पर एक गाय को रस्सियों से बंधा पाया। छह लोग गाय की हत्या करने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस की टीमों को देखकर आरोपियों ने अवैध हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की ओर से की गई फायरिंग में 3 गौ तस्कर राहिल, ताहिर और शहजाद गोली लगने से घायल हो गए। डीएसपी ने बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। ताहिर और राहिल भाई हैं। दोनों ही गौ तस्करी में संलिप्त बताए जाते हैं। दोनों के खिलाफ पहले से ही पांच मामले दर्ज हैं। शहजाद के खिलाफ दो मामले दर्ज हैं। मुठभेड़ के दौरान तीन अन्य गो तस्कर भागने में सफल रहे। पुलिस की जांच में उनकी पहचान हो गई है। पुलिस ने उनकी पहचान बिलाल, शोएब और तसलीम के रूप में की है।

बिजनौर में दो सहेलियां शादी करने के लिए जिद पर अड़ी, अनुमति लेने पहुंची थान

बिजनौर, एजेंसी। यूपी के बिजनौर में दो सहेलियां शादी करने के लिए जिद पर अड़ गईं। उनके घर वाले नहीं माने तो घर से भाग गईं और पुलिस के पास अनुमति लेने पहुंची। वहीं, एक लड़की की मां ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। मामला बिजनौर के अफजलगढ़ का है। दो सहेलियां साथ रहने के लिए घर छोड़कर चली गईं। तीन दिन पहले दोनो सहेलियां थाने पहुंची थी और शादी करने की

अनुमति मांगी थी। बालिग होने के चलते दोनों को पुलिस ने नहीं रोका था। अब एक युवती की मां ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है।
अफजलगढ़ थाने के गांव निवासी महिला के पति की काफी पहले मौत हो गई थी। उसकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी को बेटे की तरह पाला। जिसके चलते लड़की का रहन सहन लड़कों की तरह हो गया। युवती ने घर चलाने के लिए पेट्रोल पंप पर काम किया। यहां तक कि ई-रिक्शा चलाकर मां और बहन की जिम्मेदारी उठाई। इस दौरान युवती का प्रेम प्रसंग अपनी सहेली के साथ हो गया। दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें खाईं। तीन दिन पूर्व दोनों सहेलियां अफजलगढ़ थाने पहुंच गई और शादी करने की अनुमति मांगी।

तुर्की के बॉयकॉट के सवाल पर कन्नी काटने लगे कांग्रेस प्रवक्ता

भाजपा ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी की बुधवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार को लेकर पूछे गए सवाल पर पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और पवन खेड़ा जवाब देने से कतराते नजर आए। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे की ओर माइक पास करते हुए सवाल को टालने की कोशिश की, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या हुआ?

कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पत्रकार ने तुर्की के खिलाफ भारत में बढ़ते बहिष्कार के आह्वान पर पार्टी का रुख पूछा। ये दोनों देश खुलकर पाकिस्तान का समर्थन करते दिखे थे। ऐसे में सवाल का जवाब देने के बजाय, कांग्रेस के संचार प्रभारी जयराम रमेश और मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा एक-दूसरे को माइक पास करते नजर आए। पवन खेड़ा ने आखिर में कहा, हम इस मुद्दे पर बाद में बात करेंगे। इस

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद बीजेपी ने इसे कांग्रेस की राष्ट्र-विरोधी मानसिकता का सबूत बताया।

बीजेपी का हमला

बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने इस घटना पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस देश के व्यापक जनभावनाओं के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, तुर्की और अजरबैजान द्वारा आतंकी देश पाकिस्तान को दिए जा रहे समर्थन से देश गुस्से में है। इन देशों के साथ व्यापार और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग बढ़ रही है और निजी नागरिक एकजुटता में खड़े हो रहे हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी खुद को भारतीय लोगों की व्यापक भावना के साथ भी नहीं जोड़ पा रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि यह जनता से इतनी कटी हुई है। यह अपनी राजनीतिक गुमनामी और पूर्ण अलगाव की हकदार है।

कांग्रेस का पलटवार

जवाब में, कांग्रेस ने बीजेपी पर पलटवार करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर फैसले लेना सरकार का काम है, न कि विपक्ष का। पवन खेड़ा ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, चूंकि यह सवाल बीजेपी के एक पदाधिकारी ने उठाया है, इसलिए प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को तुरंत स्पष्ट करना चाहिए कि क्या भारत सरकार ने तुर्की के साथ सभी राजनयिक और व्यापारिक संबंध तोड़ दिए हैं और क्या भारत में तुर्की का दूतावास बंद कर दिया गया है। जयराम रमेश ने भी इस मुद्दे पर बीजेपी को घेरते हुए कहा, इसी तरह, प्रधानमंत्री कार्यालय और एस. जयशंकर को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि मोदी सरकार ने चीन के साथ सामान्यीकरण की प्रक्रिया क्यों शुरू की, जबकि वह भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण कर रहा है।

अगले हफ्ते आ रहा बंगाल की खाड़ी में नया चक्रवाती तूफान शक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उन खबरों का जोरदार खंडन किया है कि अगले हफ्ते बंगाल की खाड़ी में एक नया चक्रवाती तूफान शक्ति' आ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार को एक सख्त स्पष्टीकरण में कहा कि ऐसे किसी भी चक्रवात का पूर्वानुमान नहीं लगाया गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने मीडिया के एक वर्ग पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उन खबरों से लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हुई है। अपने आधिकारिक बयान में ढ्रुस्ह ने स्पष्ट किया कि 13 मई को, उसने केवल अंडमान सागर पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन की उपस्थिति की ही सूचना दी थी, न कि चक्रवाती तूफान आने की। एक दिन पहले मंगलवार को ऐसी खबरें आई थीं कि मौसम विज्ञान विभाग ने अंडमान सागर के ऊपर एक साइक्लोनिक

सर्कुलेशन की उपस्थिति को नोट किया है और कहा है कि वहां 16 से 22 मई के बीच कम दबाव वाली एक प्रणाली विकसित हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि यह प्रणाली 23 से 28 मई के बीच एक गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकती है, जिसे संभवत: शक्ति नाम दिया जा सकता है। अब मौसम विज्ञान विभाग ने इस खबर का खंडन किया है।
साइक्लोन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन अलग-अलग- मौसम विभाग ने कहा है कि साइक्लोन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन, दोनों मौसम विज्ञान की दृष्टि से अलग-अलग हैं। चक्रवाती परिसंचरण यानी साइक्लोनिक सर्कुलेशन ऊपरी वायुमंडल में घूमती हवाओं के साथ कम दबाव के क्षेत्र को संदर्भित करता है और यह एक मजबूत प्रणाली में विकसित हो भी सकता है और नहीं भी। जबकि इसके विपरीत, चक्रवाती तूफान एक सुव्यवस्थित प्रणाली है, जिसमें सतह पर हवा की गति 62-88 किमी प्रति घंटा होती है, जिसे अक्सर संभावित खतरे के रूप में नामित और ट्रैक किया जाता है।

मीडिया को चेतावनी

इसके साथ ही मौसम विज्ञान विभाग ने सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से अटकलें लगाने वाली या गलत जानकारी प्रकाशित करने से बचने का आग्रह किया है। मौसम विज्ञान विभाग ने ये भी चेतावनी दी कि बार-बार गलत रिपोर्टिंग के परिणामस्वरूप आईएमडी को 'मीडिया को मौसम संबंधी जानकारी प्रदान करना बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।'

ऑपरेशन सिंदूर के बीच रेलवे का ऐतिहासिक कदम

जवानों को लेकर कश्मीर पहुंची पहली ट्रायल ट्रेन

कटरा, एजेंसी। भारतीय रेलवे ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम कटरा-काजीगुंड सेक्शन पर पहली ट्रायल स्पेशल ट्रेन सफलतापूर्वक चलाई। खास बात ये है कि इस ट्रेन में केवल सैनिक सवार थे। ये जवान छुट्टी पर थे और उड़ानों के रद्द होने के चलते फंसे हुए थे। इस खंड में विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल, चिनाब ब्रिज को भी शामिल किया गया है। यह कदम सरकार की उस व्यापक योजना का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और कनेक्टिविटी को मजबूत करना है। भारत-पाक तनाव के बावजूद, कश्मीर को शेष भारत से रेल के जरिए जोड़ने की योजना निर्बाध रूप से आगे बढ़ रही है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम- टाइम्स ऑफ इंडिया ने रेलवे सूत्रों के हवाले से लिखा है कि यह विशेष ट्रेन सुबह करीब 10 बजे कटरा से रवाना हुई और शाम 6 बजे वापस लौटी। पूरे सफर के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ट्रेन का यह सफर

इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि यह सेक्शन भारत के सबसे कठिन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स में से एक चिनाब ब्रिज को भी पार करता है।

इस ट्रायल रन को ऑपरेशन सिंदूर और मौजूदा भारत-पाक संघर्ष की पृष्ठभूमि में और भी अधिक अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सेक्शन का उद्घाटन पिछले महीने करने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के कारण कार्यक्रम टाल दिया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि, फिलहाल यह ट्रायल केवल कटरा से काजीगुंड तक किया गया। काजीगुंड से बारामूला तक सामान्य ट्रेन सेवाएं पहले से ही जारी हैं। काजीगुंड को कश्मीर का प्रवेशद्वार भी कहा जाता है। यह केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में पड़ता है।

पहले ही हो चुका है वंदे भारत ट्रेनों का परीक्षण

गौरतलब है कि इससे पहले रेलवे ने कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेनों का परीक्षण किया था, लेकिन उन ट्रेनों में कोई यात्री सवार नहीं थे। बुधवार का यह ट्रायल रन इस मायने में भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पहली बार है जब किसी ट्रेन ने सैनिकों को लेकर इस सेक्शन को पार किया। अब तक जम्मू-कश्मीर की मुख्य भूमि से संपर्क का एकमात्र साधन राष्ट्रीय राजमार्ग था, जो कई बार खराब मौसम, बर्फबारी या भूस्खलन की वजह से बाधित हो जाता था। ऐसे में इस रेलमार्ग से जुड़े इस नए प्रयास को क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स और सेना की तेज आवाजाही के लिहाज से गेम चेंजर माना जा रहा है।

यह क्या दर्शाता है ये ट्रायल रन?

सरकार कश्मीर को रेल नेटवर्क से जोड़ने के मिशन पर डटी हुई है, चाहे हालात कितने भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों। यह सेक्शन न केवल सेना के लिए, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी एक वैकल्पिक और तेज़ संपर्क साधन बन सकता है। सामरिक दृष्टि से यह रेल मार्ग देश की सुरक्षा नीति में एक नई दिशा का संकेत देता है। इस सफलता के बाद अब पूरे देश की निगाहें उस दिन पर टिकी हैं जब प्रधानमंत्री इस ऐतिहासिक रेलमार्ग का औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा के लिए करना होगा इंतजार

स्थगित हुआ लॉन्च मिशन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए ऐतिहासिक यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। नासा और निजी अंतरिक्ष कंपनी एक्सियॉम स्पेस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक्सियॉम मिशन 4 (एक्स-4) के तहत यह मिशन अब 8 जून 2025 को लॉन्च होगा। पहले यह मिशन 29 मई 2025 को निर्धारित था। एक्सियॉम स्पेस ने बताया कि मिशन को स्थगित करने का फैसला तकनीकी और परिचालन तैयारियों को और मजबूत करने के लिए लिया गया है।

लॉन्च की तारीख में यह बदलाव प्री-लॉन्च जांच के दौरान एक मामूली तकनीकी समस्या पाए जाने के कारण किया गया है। एक्सियॉम स्पेस और इसरो दोनों ने स्पष्ट किया है कि यह एक साधारण तकनीकी खामी है और मिशन की तैयारियों या सुरक्षा पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह मिशन भारत के लिए ऐतिहासिक है, क्योंकि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनेंगे। इसके अलावा, वह राकेश शर्मा के 1984 में सोवियत सोयूज यान के जरिए अंतरिक्ष यात्रा करने के 40 साल बाद अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। शुभांशु शुक्ला इस मिशन में पायलट की भूमिका निभाएंगे।

एएक्स-4 मिशन का दल और उद्देश्य- एएक्स-4 मिशन में चार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। शुक्ला के साथ इस मिशन में अमेरिका की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन (कमांडर), पोलैंड के स्लावोस उज्नांस्की-विस्निव्स्की और हंगरी के तिबोर कपु शामिल होंगे। यह टीम स्पेसएक्स के ड्रैगन यान में फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में जाएगी और लगभग 14 दिनों तक अंतरिक्ष स्टेशन पर रहेगी। इस दौरान वैज्ञानिक रिसर्च, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और शैक्षणिक/सार्वजनिक जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां की जाएंगी।

भारत के 'गगनयान' मिशन से जुड़े प्रयोग भी होंगे- शुभांशु शुक्ला इस मिशन के दौरान

भारत के आगामी 'गगनयान' मानव अंतरिक्ष मिशन से संबंधित महत्वपूर्ण प्रयोग भी करेंगे। इनमें मांसपेशियों की क्षति, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में शरीर का अनुकूलन और अंतरिक्ष में जैविक खेती जैसे विषयों पर अध्ययन शामिल हैं।

कौन हैं शुभांशु शुक्ला?

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में 10 अक्टूबर 1985 को जन्मे शुक्ला भारतीय वायु सेना के एक अनुभवी टेस्ट पायलट हैं, जिन्होंने सु-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एन-32 जैसे विमानों पर 2,000 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव हासिल किया है। 2019 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण के लिए चुने गए शुक्ला ने रूस के यूरी गागरिन कॉस्मोनॉट ट्रेनिंग सेंटर में कठिन प्रशिक्षण प्राप्त किया। वे भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान (2026 में प्रस्तावित) के लिए भी प्रमुख अंतरिक्ष यात्री हैं। उनका यह मिशन भारत की वैश्विक मानव अंतरिक्ष उड़ान में सक्रिय भागीदारी की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

हिमाचल में कॉन्ट्रैक्चुअल भर्ती खत्म

अब प्रशिक्षु आधार पर होगी, नोटिफिकेशन जारी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सरकारी विभागों में कॉन्ट्रैक्ट आधार पर नियुक्तियों की पुरानी व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। अब प्रदेश में सभी भर्तियां प्रशिक्षु यानी ट्रेनी के तौर पर होंगी। अब तय प्रशिक्षण अवधि पूरी करने के बाद नियमित नियुक्ति दी जाएगी। इस संबंध में राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

इन पर लागू होगी व्यवस्था

नई व्यवस्था न सिर्फ आने वाली भर्तियों पर लागू होगी वरन उन चयनित अभ्यर्थियों पर भी प्रभावी होगी जिनकी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हो चुकी है लेकिन नियुक्ति पत्र जारी नहीं हुए हैं। नई भर्ती प्रणाली के तहत अब सभी नियुक्तियों में चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षु के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

परफॉरमेंस के आधार पर मूल्यांकन- कार्मिक विभाग की गाइडलाइन के अनुसार प्रशिक्षु की सेवा पूरी तरह कॉन्ट्रैक्चुअल रहेगी और उसका मूल्यांकन प्रदर्शन के आधार पर होगा। यदि प्रशिक्षु का कार्य संतोषजनक नहीं पाया जाता है तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। हालांकि सेवाएं समाप्त किए जाने पर प्रशिक्षु को 45 दिनों के भीतर उच्च अधिकारी के समक्ष अपील करने का अधिकार भी मिलेगा।

नई व्यवस्था में अवकाश के नियम भी तय कर दिए गए हैं। प्रशिक्षु को एक माह की सेवा के बाद एक दिन का आकस्मिक अवकाश, साल में 10 दिन का चिकित्सा अवकाश और 5 दिन का विशेष अवकाश मिलेगा। महिला प्रशिक्षुओं को दो से कम जीवित संतान होने की स्थिति में 180 दिन का मातृत्व अवकाश मिलेगा। गर्भपात या अन्य चिकित्सकीय कारणों से 45 दिन का मातृत्व अवकाश एक बार ही मान्य होगा। प्रशिक्षु को मेडिकल, एलटीसी, पेंशन, जीपीएफ और अन्य सेवा लाभ नहीं मिलेंगे। छुट्टियों का वार्षिक कैरी फॉरवर्ड भी मान्य नहीं होगा। यदि कोई प्रशिक्षु बिना अनुमति ड्यूटी से अनुपस्थित रहता है तो उसकी सेवा स्वतः समाप्त मानी जाएगी।

हालांकि, मेडिकल आधार पर अनुपस्थिति को सूचना देने की स्थिति में मान्य किया जा सकता है, लेकिन उस अवधि के लिए वेतन नहीं मिलेगा।

सरकार ने यह भी निर्देश दिए हैं कि राजपत्रित पदों पर नियुक्त प्रशिक्षुओं को मेडिकल बोर्ड से जारी फिटनेस प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा जबकि गैर-राजपत्रित पदों के लिए सरकारी चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण पत्र पर्याप्त होगा।

यदि कोई महिला प्रशिक्षु 12 सप्ताह या उससे अधिक की गर्भवती पाई जाती है और उसका कार्य जोखिम भरा है तो उसे अस्थायी रूप से नियुक्ति से रोका जाएगा और डिलीवरी के बाद पुनः फिटनेस जांच के आधार पर प्रशिक्षण में शामिल किया जाएगा।

प्रशिक्षण के दौरान किसी भी दौरे पर जाने की स्थिति में प्रशिक्षु को टीए/डीए मिलेगा, लेकिन अन्य सेवा नियमों जैसे एफआरएसआर, पेंशन नियम, बीमा योजना, ईपीएफ आदि का लाभ नहीं मिलेगा।

सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि 20 फरवरी 2025 के बाद जिन नियुक्तियों के लिए अनुबंध आधार पर प्रस्ताव भेजे गए थे या जिन पदों की चयन प्रक्रिया एजेंसियों द्वारा जारी है, वे सभी इस नई गाइडलाइन के अंतर्गत आएंगे। यह निर्णय हाल ही में लागू किए गए हिमाचल प्रदेश सरकारी कर्मचारियों की भर्ती एवं सेवा की शर्तें अधिनियम 2024 के तहत लिया गया है जो 20 फरवरी 2025 से प्रभावी हुआ है। अधिनियम के कुछ प्रावधानों को 12 दिसंबर 2003 से लागू माना गया है।

क्या शर्तें

प्रशिक्षु को नियुक्ति के समय एक कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर करने होंगे। प्रशिक्षण अवधि के दौरान उन्हें संबंधित पद के वेतनमान की प्रथम श्रेणी के 60 फीसदी के बराबर मासिक मानदेय मिलेगा। इस दौरान उन्हें नियमित कर्मचारियों जैसी सुविधाएं या सेवाएं नहीं मिलेंगी।